website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक रॉयल पत्रिका

वर्ष : 13 | अंक : 332 | पेज: 8 | जयपुर, शनिवार 08 नवम्बर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

दिल्ली एयरपोर्ट पर ATC सिस्टम फेल, 300 से ज्यादा फ्लाइट्स लेट:

-ऑटोमेटिक मैसेज स्विच सिस्टम में आई गड़बड़ी से उड़ानों का शेड्यूल बिगड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर शुक्रवार को एयर ट्रैफिक कंट्रोल (ATC) सिस्टम में आई तकनीकी खराबी के कारण हवाई यातायात पूरी तरह प्रभावित हो गया। इस गड़बड़ी की वजह से लगभग 300 से ज्यादा उड़ानों में देरी दर्ज की गई है। कुछ उड़ानें एक से डेढ़ घंटे तक विलंब से रवाना हुईं, जबकि कई विमानों को लैंडिंग की अनुमति मिलने में भी वक्त लगा। न्यूज़ एजेंसी PTI की रिपोर्ट के मुताबिक, गुरुवार शाम से ही ऑटोमेटिक मैसेज स्विच सिस्टम (AMSS) में तकनीकी खराबी आ गई थी। यह सिस्टम एयर ट्रैफिक कंट्रोल के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसके ज़रिए उड़ानों के टेकऑफ और लैंडिंग का पूरा शेड्यूल तैयार होता है और एयरलाइन कंपनियों को यह जानकारी स्वतः भेजी जाती है। AMSS के बंद होने के बाद दिल्ली एयर ट्रैफिक कंट्रोल के अधिकारी मैन्युअल तरीके से काम कर रहे हैं। वे पुराने डेटा और पहले से दर्ज फ्लाइट रिकॉर्ड्स की मदद से शेड्यूल तैयार कर रहे हैं। इससे न केवल समय ज़्यादा लग रहा है, बल्कि कई बार उड़ानों के क्रम को लेकर भ्रम की स्थिति भी बन रही है। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (AAI) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि, "AMSS के ठप होने के कारण कंट्रोलर्स को हर उड़ान की जानकारी मैन्युअली इकट्ठा करनी पड़ रही है। टेकऑफ और लैंडिंग के स्लॉट को लेकर अस्थायी तालमेल बनाया जा रहा है ताकि हवाई यातायात पूरी तरह बंद न हो।" हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सिस्टम की मरम्मत कब तक पूरी होगी, इसका अभी सटीक अनुमान नहीं लगाया जा सकता। दिल्ली एयरपोर्ट पर हर दिन औसतन 1,200 से ज्यादा उड़ानें संचालित होती हैं। ऐसे में किसी भी तकनीकी गड़बड़ी का असर देश के अन्य एयरपोर्ट्स पर भी पड़ता है। इस बार भी यही हुआ — भोपाल, चंडीगढ़, अहमदाबाद, जयपुर और लखनऊ जैसे शहरों के एयरपोर्ट्स पर भी कई घरेलू और अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट्स को डिले किया गया। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट Flightradar24.com के अनुसार, गुरुवार को ही 513 उड़ानें देरी से रवाना हुई थीं, जबकि शुक्रवार दोपहर तक करीब 300 उड़ानों में देरी की पुष्टि हो चुकी थी। कई यात्रियों ने सोशल मीडिया पर अपनी परेशानी साझा की और एयरलाइन कंपनियों से मुआवज़े या वैकल्पिक उड़ानों की मांग की। यात्रियों की शिकायत है कि एयरलाइन कंपनियों ने समय पर उन्हें उड़ान स्थिति की जानकारी नहीं दी। कुछ ने बताया कि एयरपोर्ट पर बोर्डिंग गेट्स बार-बार बदल रहे थे, जिससे और अफरा-तफरी मच गई। वहीं, दिल्ली एयरपोर्ट प्रशासन ने यात्रियों से संयम बरतने और फ्लाइट स्टेटस की जानकारी एयरलाइन की वेबसाइट या मोबाइल ऐप से लेने की अपील की है। तकनीकी विशेषज्ञों के अनुसार, AMSS सिस्टम एयर ट्रैफिक मैनेजमेंट का "रीढ़" होता है। यह न केवल उड़ानों के शेड्यूल का तालमेल रखता है बल्कि हवाई मार्गों की सुरक्षा से जुड़ी सूचनाएं भी नियंत्रित करता है। यदि यह सिस्टम ठप हो जाए तो कंट्रोलर्स को हर सूचना मैन्युअली दर्ज करनी पड़ती है,

जिससे त्रुटि की संभावना बढ़ जाती है। एक वरिष्ठ एयर ट्रैफिक कंट्रोलर ने बताया कि मैन्युअल संचालन के दौरान सुरक्षा का स्तर बरकरार रखने के लिए अतिरिक्त सावधानियां बरती जा रही हैं। उन्होंने कहा, "हर फ्लाइट की अनुमति देने से पहले उसकी स्थिति, मार्ग और मौसम की जांच की जा रही है। प्राथमिकता उन विमानों को दी जा रही है जो पहले से हवा में हैं या जिनकी अंतरराष्ट्रीय कनेक्टिंग उड़ानें हैं।"

एविएशन एक्सपर्ट्स का कहना है कि यह घटना भारत के एयर ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम की संवेदनशीलता को उजागर करती है। देश में हवाई यातायात तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन तकनीकी बुनियादी ढांचे को उसी गति से आधुनिक नहीं किया गया। कई विशेषज्ञों ने सुझाव दिया है कि सरकार को बैकअप सिस्टम और साइबर सिक्योरिटी प्रोटोकॉल को और मजबूत करना चाहिए ताकि भविष्य में इस तरह की स्थिति से बचा जा सके। फिलहाल, दिल्ली एयरपोर्ट अथॉरिटी ने कहा है कि इंजीनियरों की टीम लगातार काम कर रही है और सिस्टम को जल्द से जल्द बहाल करने की कोशिश की जा रही है। यात्रियों से अपील की गई है कि वे एयरपोर्ट पहुंचने से पहले अपनी फ्लाइट की स्थिति की पुष्टि कर लें। इस तकनीकी खराबी ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि अत्याधुनिक तकनीक पर निर्भर प्रणालियों में जरा-सी चूक पूरे देश की हवाई व्यवस्था को ठप कर सकती है। यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए जरूरी है कि ऐसे सिस्टम्स के ऑटोमेटिक बैकअप और रियल-टाइम मॉनिटरिंग की व्यवस्था हो, ताकि देश के सबसे व्यस्त हवाई अड्डों में उड़ानों की रफ्तार कभी थमे नहीं।

राहुल गांधी बोले – ब्राजीलियन मॉडल तो बस मिसाल, असली सवाल फर्जी वोटिंग का

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शुक्रवार को हरियाणा में हुई कथित फर्जी वोटिंग के मुद्दे पर फिर से केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मीडिया असली मुद्दे से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहा है। "ब्राजीलियन मॉडल" की तस्वीर पर हो रही चर्चा को उन्होंने एक "छोटा उदाहरण" बताया और कहा कि मूल सवाल यह है कि आखिर एक फर्जी तस्वीर से वोट कैसे डाला गया? राहुल गांधी ने कहा, "मीडिया छोटे-छोटे उदाहरण उठा रहा है — जैसे कि एक ब्राजीलियाई महिला ने वोट कैसे दिया। अरे भाई, सवाल तो यह है कि हरियाणा की वोटर लिस्ट में उस महिला की तस्वीर 22 वोटर स्लिप पर कैसे छपी? ये सिस्टम में इतनी बड़ी गड़बड़ी कैसे हुई? क्या चुनाव आयोग सो रहा था?" उन्होंने आगे कहा कि यह कोई साधारण गलती नहीं बल्कि लोकतंत्र पर हमला है। "हकीकत यह है कि नरेंद्र मोदी जी, अमित शाह जी और चुनाव आयोग तीनों मिलकर संविधान और लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर हमला कर रहे हैं। भारत के लोगों को ये समझना होगा कि ये सिर्फ वोट चोरी नहीं है, यह जनता की आवाज़ की चोरी है," राहुल ने कहा। राहुल गांधी ने दावा किया कि उनके पास और भी कई सबूत हैं जो यह साबित करेंगे कि चुनाव प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि वे जल्द ही देश की जनरेशन Z और युवाओं को सारे सबूत दिखाएंगे, ताकि उन्हें समझ में आए कि "नरेंद्र मोदी 'चुनाव चोरी' के जरिए प्रधानमंत्री बने हैं।" दरअसल, राहुल गांधी ने बुधवार को दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी, जिसमें उन्होंने हरियाणा विधानसभा चुनाव 2024 को "चोरी

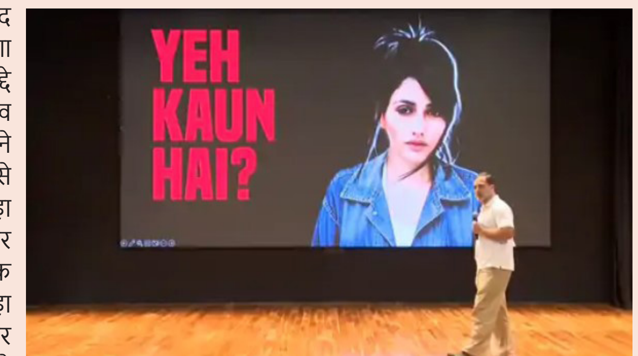

हुआ चुनाव" बताया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि हरियाणा में करीब 25 लाख वोट फर्जी तरीके से डाले गए। राहुल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एक तस्वीर दिखाई थी — जिसमें नीली डेनिम जैकेट पहने एक युवती नजर आ रही थी। उन्होंने दावा किया कि यह युवती कोई भारतीय मतदाता नहीं, बल्कि ब्राजीलियन मॉडल है, जिसकी फोटो हरियाणा की वोटर लिस्ट में कई बार इस्तेमाल हुई। उन्होंने कहा, "अगर एक विदेशी महिला की फोटो वोटर लिस्ट में लग सकती है और उससे 22 बार वोट डाले जा सकते हैं, तो सोचिए पूरे राज्य में कितना बड़ा फर्जीवाड़ा हुआ होगा। यह सिर्फ तकनीकी गलती नहीं, बल्कि संगठित 'इलेक्शन फ्रॉड' है।" कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि पार्टी इस मामले को संसद से लेकर सड़क तक उठाएगी। उन्होंने मांग की कि चुनाव आयोग इस पूरे प्रकरण की स्वतंत्र जांच कराए और दोषियों पर कार्रवाई करे। राहुल ने कहा, "जब संविधान और लोकतंत्र पर हमला होता है, तब चुप रहना गुनाह है। हम सच्चाई जनता के सामने लाकर रहेंगे।" इस बयान के बाद राजनीतिक माहौल और गरम हो गया है। भाजपा नेताओं ने राहुल गांधी के आरोपों को "बेतुका" और "झूठा प्रचार" बताया है, जबकि कांग्रेस का कहना है।

वंदे मातरम् के 150 साल पूरे: पीएम मोदी बोले – 1937 में हुए टुकड़ों ने विभाजन का बीज बोया

-नया भारत दुर्गा बनकर आतंक मिटाना जानता है

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में शुक्रवार को राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस ऐतिहासिक मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रगीत के महत्व और उसकी ऐतिहासिक यात्रा पर विस्तृत रूप से अपने विचार रखे। प्रधानमंत्री ने कहा कि 'वंदे मातरम्' भारत की आज़ादी का उद्घोष था, जिसने गुलामी की बेड़ियों में जकड़े भारतवासियों में स्वतंत्रता की चेतना जगाई। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि वंदे मातरम् सिर्फ एक गीत नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का महामंत्र है। उन्होंने बताया कि 1937 में इस गीत के कुछ हिस्सों को हटा दिया गया था, जो भारत के इतिहास में एक बड़ी भूल थी। उनके शब्दों में, "1937 में वंदे मातरम् का एक हिस्सा हटा दिया गया था, उसके टुकड़े कर दिए गए थे। वंदे मातरम् के विभाजन ने ही देश के विभाजन के बीज बोए थे। राष्ट्र निर्माण के इस महामंत्र के साथ ऐसा अन्याय क्यों हुआ? वही विभाजनकारी सोच आज भी देश के लिए चुनौती बनी हुई है।" प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि

वंदे मातरम् के मूल स्वरूप में भारत माता को सरस्वती, लक्ष्मी और दुर्गा के रूप में वर्णित किया गया है। उन्होंने इस प्रतीकात्मकता को आज के भारत से जोड़ते हुए कहा, "जब दुश्मन आतंक के ज़रिए भारत की सुरक्षा और सम्मान पर हमला करने का दुस्साहस करता है, तो पूरी दुनिया देखती है कि नया भारत आतंक के विनाश के लिए दुर्गा बनना भी जानता है।" कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने वंदे मातरम् के 150 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में एक विशेष डाक टिकट और स्मारक सिक्का जारी किया। इसके साथ ही उन्होंने वर्षभर चलने वाले स्मरण समारोह की शुरुआत की और एक समर्पित वेबसाइट का उद्घाटन भी किया। इस अवसर पर आयोजित वंदे मातरम् के सामूहिक गायन कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने भी भाग लिया। हजारों की संख्या में उपस्थित लोगों ने इस राष्ट्रीय भावना से ओत-प्रोत गीत को मिलकर गाया, जिससे पूरे सभागार में देशभक्ति की लहर दौड़ गई। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में कहा कि आज का भारत वही है, जो मां भारती के हर रूप की पूजा करता है – विद्या की देवी सरस्वती, समृद्धि की देवी लक्ष्मी और शक्ति की प्रतीक दुर्गा। यह भारत अपनी संस्कृति, परंपरा और सामर्थ्य पर गर्व करता है। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना स्वतंत्रता संग्राम के दिनों में था।

जकार्ता मस्जिद में नमाज़ के दौरान धमाका, 54 घायल

- हथियार और बम बनाने का सामान मिला

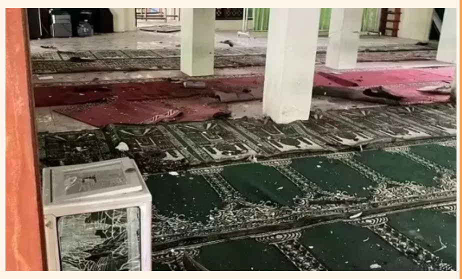

जकार्ता (एजेंसी)। इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में शुक्रवार की नमाज़ के दौरान एक बड़ा हादसा हो गया। उत्तरी जकार्ता के केलापा गाडिंग इलाके में स्थित एक स्कूल परिसर के अंदर बनी मस्जिद में अचानक जोरदार धमाका हुआ। इस धमाके में अब तक 54 लोग घायल होने की पुष्टि हुई है। सभी घायलों को पास के सरकारी और निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां कई लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना उस वक्त हुई जब मस्जिद में बड़ी संख्या में लोग जुमा की नमाज़ अदा कर रहे थे। धमाके की आवाज़ इतनी तेज़ थी कि आस-पास की इमारतों की खिड़कियां टूट गईं और मस्जिद के अंदर अफरातफरी मच गई। लोगों ने तुरंत घायल नमाज़ियों को बाहर निकाला और राहत कार्य शुरू कर दिया। शहर के पुलिस प्रमुख असेप एदी सुहेरी ने बताया कि धमाके के बाद पूरी मस्जिद और उसके आसपास के इलाके को सील कर दिया गया है। बम निरोधक दस्ते (Bomb Squad) और फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से कई अहम सबूत जुटाए हैं। शुरुआती जांच में पुलिस को मौके से हाथ से बनाए गए विस्फोटक उपकरण (IED) के कुछ हिस्से, रिमोट कंट्रोल, और एयरसॉफ्ट व रिवॉल्वर जैसी बंदूकें मिली हैं। इसके अलावा पुलिस को कुछ रासायनिक पदार्थ भी मिले हैं, जिनका इस्तेमाल विस्फोटक बनाने में किया जा सकता है। उन्होंने लोगों से शांति बनाए रखने और अफवाहों से बचने की अपील की है।

बिहार चुनाव में गरमाया माहौल: योगी बोले- लालटेन डकैती का सर्टिफिकेट

-मोदी-शाह ने भी महागठबंधन पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण की 121 सीटों पर रिकॉर्ड 65 प्रतिशत वोटिंग के बाद अब सियासी पारा और चढ़ गया है। दूसरे चरण की वोटिंग 11 नवंबर को होगी और उससे पहले प्रचार का दौर चरम पर है। एनडीए और महागठबंधन दोनों ही पक्ष अपनी-अपनी ताकत झोंक रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को बिहार के अलग-अलग जिलों में रैलियां कर विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। औरंगाबाद में रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बिहार अब विकास की राह पर है और जनता को यह तय करना है कि राज्य फिर से जंगलराज में जाएगा या आत्मनिर्भर बनेगा। उन्होंने कहा कि जो लोग पहले बिहार को अंधेरे में रखते थे, अब वही लालटेन लेकर वोट मांगने निकले हैं। मोदी ने दावा किया कि एनडीए सरकार ने हर घर तक बिजली और सड़क पहुंचाई है, जबकि विपक्ष के शासन में भ्रष्टाचार और अपराध ही पहचान बन गए थे। वहीं, जमुई में गृह मंत्री अमित शाह ने महागठबंधन को "ठगबंधन" बताते हुए कहा कि विपक्षी दलों में कोई एकजुटता नहीं है। शाह ने कहा कि लालू यादव का परिवार अब भी अपराधियों और दंगाइयों को बढ़ावा देता है। उन्होंने आरोप लगाया कि लालू यादव का बेटा 'शहाबुद्दीन अमर रहे' का नारा लगाता है और अब उसका बेटा ओसामा मैदान में है। शाह ने कहा कि अगर ऐसे लोग चुनाव जीतेंगे तो बिहार में फिर से दंगे और अस्थिरता लौट आएगी। रक्सौल में जनसभा को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तेजस्वी यादव और राजद पर करारा प्रहार किया। योगी ने कहा, "मैं बिहार के युवाओं से कहना चाहता हूं कि किसी के बहकावे में मत आना। जो आपकी जमीन हड़प चुके हैं, वे अब नौकरी देने की बात कर रहे हैं। ये लालटेन नहीं, डकैती डालने का एक सर्टिफिकेट था। 2005 से पहले इन्होंने चारा हजम किया, अब आपका राशन हजम करने आए हैं।" योगी ने कहा कि भाजपा और एनडीए की सरकार गरीबों के हक की रखवाली करती है और विकास को सर्वोपरि रखती है। अमित शाह शुक्रवार को जमुई के बाद भागलपुर और पूर्णिया में भी रैलियां करेंगे, जबकि प्रधानमंत्री मोदी कैमूर में एक और सभा को संबोधित करेंगे।

ममदानी की जीत से हड़कंप:

अमीरों पर टैक्स बढ़ेगा, 8 लाख लोग छोड़ सकते हैं न्यूयॉर्क

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। न्यूयॉर्क में हुए मेयर चुनाव के नतीजों ने अमेरिकी राजनीति में बड़ा मोड़ ला दिया है। भारतीय मूल के जोहरान ममदानी ने पूर्व गवर्नर एंड्रयू क्यूमो को हराकर इतिहास रच दिया। ममदानी पिछले सौ सालों में न्यूयॉर्क के सबसे युवा, पहले भारतवंशी और पहले मुस्लिम मेयर बने हैं। उनकी जीत को प्रगतिशील राजनीति की बड़ी जीत माना जा रहा है, लेकिन इससे शहर के अमीर तबके और बड़ी कंपनियों में हलचल मच गई है।

अमीरों पर टैक्स से बढ़ी चिंता-

चुनाव प्रचार के दौरान ममदानी ने घोषणा की थी कि वे अमीरों और बड़ी कॉरपोरेट कंपनियों पर अतिरिक्त टैक्स लगाकर करीब 9 अरब डॉलर जुटाएंगे, जिससे शहर के आम नागरिकों, सार्वजनिक परिवहन, आवास और शिक्षा जैसी सुविधाओं में सुधार किया जाएगा। यही नीति अब न्यूयॉर्क के अरबपतियों और उद्योगपतियों के लिए चिंता का सबब बन गई है। सर्वे एजेंसी जे.एल. पार्टनर्स के मुताबिक, ममदानी की जीत के बाद शहर की 9% आबादी यानी करीब 7.65 लाख लोग न्यूयॉर्क छोड़ने पर विचार कर रही है।

ट्रम्प बोले- अगले साल भारत आ सकता हूं, मोदी ने न्योता दिया

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को कहा कि वे अगले साल भारत की यात्रा कर सकते हैं। व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में मीडिया से बातचीत के दौरान ट्रम्प ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी बातचीत "बहुत अच्छी" चल रही है। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते को लेकर चर्चाएं तेज़ी से आगे बढ़ रही हैं और इसमें दोनों देशों के हितों का ध्यान रखा जा रहा है। ट्रम्प ने पत्रकारों से बातचीत में प्रधानमंत्री मोदी की खुलकर तारीफ की। उन्होंने कहा, "मोदी एक बहुत अच्छे इंसान हैं, वो भारत के लिए शानदार काम कर रहे हैं। उन्होंने मुझे भारत आने का न्योता दिया है और मैं ज़रूर आने पर विचार कर रहा हूं।" जब एक पत्रकार ने उनसे पूछा कि क्या वे वाकई भारत जाने वाले हैं, तो ट्रम्प ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, "हां, हो सकता है अगले साल आऊं।" ट्रम्प ने भारत की विदेश नीति और ऊर्जा खरीद नीति की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत ने रूस से तेल खरीदना पहले की तुलना में कम कर दिया है, जो यह दर्शाता है कि भारत अब वैश्विक आर्थिक संतुलन को ध्यान में रखते हुए फैसले ले रहा है। ट्रम्प ने कहा कि भारत "एक तेज़ी से उभरती ताकत" है और अमेरिका चाहता है कि भारत के साथ उसके रिश्ते और भी मज़बूत हों। उन्होंने यह भी कहा कि भारत और अमेरिका मिलकर तकनीक, सुरक्षा और रक्षा क्षेत्र में नई साझेदारी की दिशा में काम कर रहे हैं। ट्रम्प के मुताबिक, दोनों देशों के बीच भरोसे का रिश्ता बढ़ा है और आने वाले सालों में यह साझेदारी दुनिया के लिए मिसाल बन सकती है।

सुप्रीम कोर्ट का सख्त आदेश: स्कूल, कॉलेज, अस्पताल और हाईवे से आवारा कुत्ते व पशु हटाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने देशभर में आवारा कुत्तों और पशुओं से जुड़ी बढ़ती घटनाओं पर सख्त रुख अपनाते हुए शुक्रवार को एक अहम आदेश जारी किया। अदालत ने निर्देश दिया कि स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, बस स्टैंड और नेशनल-स्टेट हाईवे के इलाकों से आवारा कुत्तों और पशुओं को तत्काल हटाया जाए। यह कदम लोगों, खासकर बच्चों और मरीज़ों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है।

शेल्टर होम में रखे जाएंगे आवारा कुत्ते-

सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा कि जहां से भी आवारा कुत्ते पकड़े जाएं, उन्हें उसी जगह पर वापस नहीं छोड़ा जाएगा। अब इन कुत्तों को नसबंदी के बाद सुरक्षित शेल्टर होम (आश्रय स्थल) में रखा जाएगा। कोर्ट ने राज्यों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि सभी नगर निगम, नगर पालिकाएं और संबंधित एजेंसियां इस आदेश का पालन सख्ती से करें।

स्कूल-कॉलेज और अस्पतालों में बाड़ लगाने का निर्देश-

कोर्ट ने यह भी कहा कि शैक्षणिक संस्थानों और अस्पताल परिसरों में मजबूत बाड़ (फेंसिंग) लगाई जाए, ताकि आवारा कुत्ते अंदर प्रवेश न कर सकें। अदालत ने टिप्पणी की कि बच्चों और मरीज़ों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

हाईवे और सार्वजनिक स्थानों से आवारा पशु हटाने का आदेश-

सुप्रीम कोर्ट ने सिर्फ कुत्तों ही नहीं, बल्कि सड़कों और हाईवे पर घूमने वाले आवारा पशुओं को भी हटाने का आदेश दिया। अदालत ने कहा कि नेशनल और स्टेट हाईवे पर घूमते पशु न सिर्फ ट्रैफिक बाधित करते हैं, बल्कि गंभीर सड़क हादसों का कारण भी बनते हैं।

सभी राज्यों को तीन हफ्ते में रिपोर्ट देनी होगी-

अदालत ने देश के सभी राज्यों के मुख्य सचिवों को आदेश दिया है कि इस फैसले के क्रियान्वयन पर तीन हफ्ते के भीतर स्टेटस रिपोर्ट और हलफनामा दाखिल करें। कोर्ट ने कहा कि आदेश की अवहेलना करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

नारी समानता को नई दिशा देते हाईकोर्ट के फैसले

मद्रास हाईकोर्ट और केरल हाईकोर्ट के हालिया फैसलों ने भारतीय समाज में विवाह संस्था के मायनों को नए सिरे से परिभाषित करने की कोशिश की है। ये फैसले सिर्फ कानून की भाषा में नहीं, बल्कि समाज के बदलते विचारों की दिशा में उठाए गए मजबूत कदम हैं। दोनों अदालतों ने अपने-अपने फैसलों में यह स्पष्ट किया है कि विवाह केवल एक सामाजिक बंधन या अनुबंध नहीं है, बल्कि यह समानता, सम्मान और जिम्मेदारी का पवित्र रिश्ता है, जिसमें स्त्री और पुरुष दोनों के अधिकार बराबर हैं। मद्रास हाईकोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा कि पति का यह मूल कर्तव्य है कि वह अपनी पत्नी को आराम, सुरक्षा और सम्मान दे। यह टिप्पणी सुनने में भले ही सामान्य लगे, लेकिन इसके भीतर नारी सम्मान और समानता की गहरी भावना छिपी है। अदालत ने इस बात को रेखांकित किया कि विवाह में पति का रोल केवल घर चलाने या आर्थिक जिम्मेदारियों तक सीमित नहीं है, बल्कि वह भावनात्मक सुरक्षा, आत्मसम्मान और सहज जीवन का भी जिम्मेदार है। यह फैसला दरअसल उस परंपरागत मानसिकता को चुनौती देता है जिसमें विवाह के बाद पत्नी को सिर्फ 'रिश्ता निभाने वाली' या 'कर्तव्यों का पालन करने वाली' के रूप में देखा जाता है। हमारा समाज लंबे समय तक इस धारणा से बंधा रहा है कि विवाह में पुरुष प्रधान होता है और पत्नी उसकी आज्ञाकारी साथी। इस सोच ने न केवल नारी की स्वतंत्रता को सीमित किया, बल्कि विवाह जैसी पवित्र संस्था को असंतुलन की ओर भी धकेला। मद्रास हाईकोर्ट का यह फैसला इसी असंतुलन को दुरुस्त करने की दिशा में एक नैतिक और सामाजिक प्रयास है। अदालत ने यह संदेश दिया है कि यदि विवाह को सच्चे अर्थों में सफल बनाना है, तो उसमें बराबरी और सम्मान की भावना को केंद्र में रखना होगा। दूसरी ओर, केरल हाईकोर्ट का हालिया फैसला भी महिलाओं की गरिमा और अधिकारों की रक्षा के लिए उतना ही महत्वपूर्ण है। अदालत ने कहा कि यदि कोई मुस्लिम पुरुष दूसरा विवाह पंजीकृत कराना चाहता है, तो उसे पहली पत्नी का पक्ष भी अवश्य सुनना होगा। यह निर्णय उस कानूनी व्यवस्था में संतुलन स्थापित करने का प्रयास है जिसमें पुरुष को एक से अधिक विवाह की अनुमति है, लेकिन स्त्री के भावनात्मक और सामाजिक अधिकारों की अनदेखी नहीं की जा सकती। अदालत ने स्पष्ट किया कि कानूनी अधिकार होने का यह अर्थ नहीं कि महिला की गरिमा को नज़रअंदाज़ किया जाए। इन दोनों फैसलों का साझा संदेश यही है कि विवाह केवल सामाजिक या धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि दो व्यक्तियों के बीच समानता और साझेदारी का रिश्ता है। न्यायपालिका ने यह स्पष्ट कर दिया है कि स्त्री की गरिमा, सुरक्षा और सम्मान किसी भी हाल में समझौते का विषय नहीं हो सकते।

ईपीएफओ सुधार की राह: आरबीआई की निगरानी में सामाजिक सुरक्षा फंड का नया अध्याय

-आर्थिक स्थिरता: सामाजिक सुरक्षा फंड के नए युग की शुरुआत की जरूरत

भारत में सामाजिक सुरक्षा का ढांचा अब एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। एक ओर, देश की तेजी से बढ़ती कार्यशील आबादी भविष्य के लिए स्थायी और सुरक्षित पेंशन व्यवस्था की मांग कर रही है, तो दूसरी ओर कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) को अपने निवेश से मिलने वाले रिटर्न में गिरावट का सामना करना पड़ रहा है। इन परिस्थितियों में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की सिफारिशें और दिशा-निर्देश सामाजिक सुरक्षा फंड के नए युग की शुरुआत का संकेत दे रहे हैं। दरअसल, आरबीआई की भूमिका सिर्फ मौद्रिक नीति निर्माता के रूप में सीमित नहीं रह गई है। अब वह वित्तीय संस्थानों के सतत प्रबंधन और जोखिम नियंत्रण का मार्गदर्शन भी कर रहा है। फरवरी 2025 में भारत सरकार के श्रम और रोजगार मंत्रालय ने आरबीआई से ईपीएफओ की वित्तीय नीतियों, निवेश रणनीति और प्रशासनिक प्रक्रियाओं की समीक्षा करने का अनुरोध किया था। उद्देश्य था — ईपीएफओ को दीर्घकालिक स्थिरता और पारदर्शिता के नए स्तर पर ले जाना।

ईपीएफओ का ढांचा और भूमिका

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन भारत के सबसे बड़े सामाजिक सुरक्षा संस्थानों में से एक है। यह देशभर में करीब 28 करोड़ से अधिक खाताधारकों का भविष्य सुरक्षित करता है। ईपीएफओ के तहत तीन प्रमुख फंड संचालित होते हैं — कर्मचारी भविष्य निधि (EPF), कर्मचारी पेंशन योजना (EPS), कर्मचारी जमा-लिंक बीमा योजना (EDLI) इन योजनाओं का उद्देश्य न सिर्फ कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के बाद वित्तीय सुरक्षा देना है, बल्कि कार्यकाल के दौरान किसी आपात स्थिति में उन्हें एक भरोसेमंद सुरक्षा कवच

प्रदान करना भी है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में यह देखा गया है कि ईपीएफओ के निवेश से होने वाला रिटर्न लगातार घटा है, जबकि उसे अपने सदस्यों को आकर्षक ब्याज दर देना जारी रखना पड़ा है। यही अंतर एक प्रकार की वित्तीय चुनौती बन गया है।

वित्तीय दबाव और निवेश की चुनौतियां

एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले सात वर्षों में सरकारी प्रतिभूतियों में किए गए निवेश से औसतन रिटर्न 6.8 प्रतिशत रहा है, जबकि ईपीएफओ को अपने खाताधारकों को औसतन 8.34 प्रतिशत ब्याज दर देनी पड़ी है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में ईपीएफओ ने 8.25 प्रतिशत ब्याज दर घोषित की, जबकि सरकारी प्रतिभूतियों से उसे मात्र 6.86 प्रतिशत रिटर्न मिला। यानी, लगभग 1.4 प्रतिशत का घाटा संस्था को अपने अन्य निवेश स्रोतों या रिजर्व फंड से पूरा करना पड़ा। वर्ष 2015 में जहां ईपीएफओ का कोष लगभग 6 लाख करोड़ रुपए था, वहीं 2024 के अंत तक यह 24.75 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया। यह विस्तार जितना प्रभावशाली है, उतना ही जोखिमपूर्ण भी, क्योंकि इतने बड़े फंड के लिए निवेश की पारंपरिक रणनीति अब पर्याप्त नहीं मानी जा सकती।

आरबीआई की पहल क्यों महत्वपूर्ण है

आरबीआई ने अपने प्रारंभिक सुझावों में इस बात पर जोर दिया है कि ईपीएफओ को केवल सरकारी प्रतिभूतियों या पारंपरिक ऋण साधनों में निवेश तक सीमित नहीं रहना चाहिए। उसे एक संतुलित पोर्टफोलियो दृष्टिकोण (Balanced Portfolio Approach) अपनाना चाहिए, जिसमें इक्विटी, कॉर्पोरेट बॉन्ड्स, इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (InvITs), रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (REITs) और ग्रीन फाइनेंस जैसे वैकल्पिक निवेश साधन भी शामिल हों। इससे न केवल ईपीएफओ को बेहतर रिटर्न मिल सकता है, बल्कि अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में दीर्घकालिक पूंजी निवेश का प्रवाह भी बढ़ेगा। आरबीआई ने सुझाव दिया है कि ईपीएफओ के निवेश निर्णयों में जोखिम आधारित वर्गीकरण किया जाए, ताकि उच्च रिटर्न वाले निवेशों में सीमित जोखिम उठाया जा सके और स्थिर आय वाले निवेशों में सुरक्षा बनी रहे।

सामाजिक सुरक्षा फंड की अवधारणा का विकास

भारत में सामाजिक सुरक्षा फंड का विचार कोई नया नहीं है, परंतु इसका आधुनिक रूप अब आकार ले रहा है। यह फंड केवल पेंशन या बीमा के लिए नहीं, बल्कि एक राष्ट्रव्यापी वित्तीय सुरक्षा नेटवर्क बनाने का माध्यम है। विकसित देशों में सामाजिक सुरक्षा फंडों का प्रबंधन आम तौर पर केंद्रीय बैंक या विशेष पेंशन नियामक के तहत होता है, जहां निवेश नीति को बाजार की अस्थिरता से बचाने के लिए दीर्घकालिक रणनीति बनाई जाती है। भारत में आरबीआई की भागीदारी से यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि ईपीएफओ के फंड का उपयोग सुरक्षित, लाभकारी और पारदर्शी तरीके से हो।

जोखिम प्रबंधन और पारदर्शिता

ईपीएफओ का मौजूदा ढांचा काफी हद तक मैनुअल और सरकारी अनुमोदन पर आधारित है। इसकी निवेश नीतियों में जोखिम मूल्यांकन और रियल-टाइम मॉनिटरिंग की कमी लंबे समय से महसूस की जा रही है। आरबीआई की सिफारिशों के तहत, ईपीएफओ को जोखिम प्रबंधन ढांचा (Risk Management Framework) अपनाने की सलाह दी गई है, जिसमें — परिसंपत्तियों का जोखिम प्रोफाइलिंग, निवेश सीमा निर्धारण, तिमाही समीक्षा प्रणाली, और पारदर्शी लेखा पद्धति को लागू करना शामिल है। इसके अलावा, डिजिटल मॉनिटरिंग और ऑडिटिंग सिस्टम से निवेश की हर गतिविधि का रिकॉर्ड बनेगा और किसी भी गड़बड़ी पर तुरंत कार्रवाई संभव होगी।

ब्याज दर और आर्थिक स्थिरता का समीकरण

सामाजिक सुरक्षा फंड की स्थिरता सीधे ब्याज दर नीति से जुड़ी होती है। जब बाजार में सरकारी प्रतिभूतियों का रिटर्न घटता है, तो ईपीएफओ जैसी संस्थाओं पर ब्याज दर को बनाए रखना कठिन हो जाता है। लेकिन यदि ब्याज दर घटाई जाती है, तो करोड़ों कामगारों का भरोसा प्रभावित होता है, क्योंकि उनके लिए यह न केवल बचत का माध्यम है बल्कि वृद्धावस्था की सुरक्षा का आधार भी। इसलिए आरबीआई ने सुझाव दिया है कि ब्याज दर तय करने की प्रक्रिया को डेटा आधारित और चरणबद्ध नीति से जोड़ा जाए। उदाहरण के लिए, यदि बाजार रिटर्न घटे तो अगले दो वर्षों में ईपीएफओ धीरे-धीरे ब्याज दर को समायोजित करे, ताकि सदस्यों को अचानक झटका न लगे।

अंतरराष्ट्रीय अनुभव से सबक

विश्व स्तर पर, कई देशों ने अपने पेंशन और सामाजिक सुरक्षा फंड के प्रबंधन में सुधार के लिए केंद्रीय बैंक या स्वतंत्र पेंशन फंड प्राधिकरण की भूमिका बढ़ाई है। नॉर्वे का गवर्नमेंट पेंशन फंड पूरी दुनिया में सबसे सफल मॉडल माना जाता है। यह इक्विटी, बॉन्ड, रियल एस्टेट और ग्रीन प्रोजेक्ट्स में निवेश करता है, जिससे औसतन 9–10 प्रतिशत रिटर्न प्राप्त होता है। सिंगापुर का सेंट्रल प्रोविडेंट फंड (CPF) अपने निवेश को राष्ट्रीय विकास परियोजनाओं से जोड़ता है। कनाडा पेंशन प्लान इन्वेस्टमेंट बोर्ड (CPPIB) भी विविधीकरण और जोखिम संतुलन के सिद्धांत पर काम करता है। भारत के लिए यह अवसर है कि वह ईपीएफओ को एक डायनेमिक सोशल सिक्योरिटी फंड के रूप में विकसित करे, न कि केवल ब्याज जमा करने वाले संस्थान के रूप में।

श्रम मंत्रालय की दृष्टि और आरबीआई का सहयोग

श्रम और रोजगार मंत्रालय की यह पहल ईपीएफओ को आधुनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली से जोड़ने की दिशा में एक बड़ा कदम है। मंत्रालय ने आरबीआई से जो सहायता मांगी, उसका उद्देश्य सिर्फ दिशा-निर्देश लेना नहीं था, बल्कि संरचनात्मक बदलाव की प्रक्रिया शुरू करना था। इस पहल से मंत्रालय को यह समझने में मदद मिलेगी कि — कौन-से निवेश क्षेत्र लंबे समय तक सुरक्षित हैं, कौन-से क्षेत्र में उच्च रिटर्न की संभावना है, और किन क्षेत्रों में जोखिम नियंत्रण की अतिरिक्त जरूरत है।

शहरों के विस्तार संग सुविधाओं का संतुलन जरूरी: स्मार्ट सिटी मिशन की हकीकत और सुधार की राह

-चार शहरों पर हजारों करोड़ खर्च, लेकिन 'स्मार्ट सिटी' अब भी अधूरी

किसी भी विकास योजना की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि उसका क्रियान्वयन कितनी ईमानदारी, पारदर्शिता और दूरदृष्टि के साथ किया जा रहा है। योजनाओं की कागज़ी सफलता और ज़मीनी हक़ीक़त में अक्सर गहरा अंतर दिखाई देता है। यही कारण है कि अनेक योजनाएं अपने तय लक्ष्यों तक नहीं पहुंच पातीं और जनता के भरोसे पर खरी नहीं उतरतीं। राजस्थान के चार प्रमुख शहर—जयपुर, अजमेर, उदयपुर और कोटा—जब केंद्र सरकार की "स्मार्ट सिटी मिशन" योजना में शामिल किए गए थे, तब उम्मीद थी कि ये शहर देश के लिए मॉडल बनेंगे। यहाँ की व्यवस्था, सफाई, यातायात, जलापूर्ति और तकनीकी सेवाएं आधुनिक रूप लेंगी। लेकिन लगभग एक दशक बीत जाने के बाद भी न तो ये शहर वास्तव में "स्मार्ट" बन पाए और न ही आम नागरिकों के जीवन में कोई ठोस बदलाव देखने को मिला।

स्मार्ट सिटी मिशन की मंशा और मक़सद

साल 2015 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने 'स्मार्ट सिटी मिशन' की शुरुआत की थी। उद्देश्य था कि देश के चुनिंदा सौ शहरों को ऐसी सुविधाओं से लैस किया जाए, जहाँ शहरी जीवन बेहतर, सुरक्षित और टिकाऊ हो। इस योजना के अंतर्गत शहरों में स्मार्ट ट्रैफिक सिस्टम, आधुनिक वेस्ट मैनेजमेंट, स्वच्छ जलापूर्ति, बेहतर ड्रेनेज, ऊर्जा दक्ष इमारतें, हरित क्षेत्र और डिजिटल कनेक्टिविटी जैसी व्यवस्थाएं स्थापित की जानी थीं। राजस्थान से जयपुर, अजमेर, उदयपुर और कोटा को इसमें शामिल किया गया। योजना के अनुसार, इन शहरों में नागरिक सुविधाओं को स्मार्ट तरीके से जोड़ने के लिए ₹4000 करोड़ से अधिक की राशि खर्च की जानी थी। जयपुर में स्मार्ट रोड और निगरानी प्रणाली, अजमेर में स्मार्ट पार्किंग और जल प्रबंधन, उदयपुर में झीलों का संरक्षण और कोटा में ट्रैफिक सुधार जैसे कार्य प्रस्तावित थे। लेकिन जो तस्वीर आज सामने है, वह बताती है कि ये सभी प्रयास अधूरे या धीमी गति से आगे बढ़े।

विकास की रफ़्तार: कागज़ी उपलब्धियाँ, ज़मीनी कमी

आधिकारिक रिपोर्टों में कहा गया है कि चारों शहरों में लगभग 95 प्रतिशत काम पूरे हो चुके हैं। लेकिन अगर किसी नागरिक से पूछा जाए, तो उसका जवाब अलग होगा। जयपुर में कई "स्मार्ट रोड" प्रोजेक्ट अब तक अधूरे हैं। ट्रैफिक जाम पहले से ज़्यादा बढ़ा है। बस स्टॉप और पार्किंग स्थल स्मार्ट तो दूर, बेसिक सुविधाओं से भी वंचित हैं। शहर के अंदरूनी इलाकों में गली-मोहल्लों की हालत जस की तस है। अजमेर में जल प्रबंधन को लेकर कई योजनाएं बनीं, लेकिन शहर के पुराने इलाकों में अब भी पानी की सप्लाई अनियमित है। स्मार्ट पार्किंग का सिस्टम केवल सीमित क्षेत्रों में काम कर रहा है, जबकि पुराना शहर आज भी अव्यवस्थित यातायात से जूझ रहा है। उदयपुर को झीलों का शहर कहा जाता है, परंतु झीलों की सफाई और संरक्षण पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया गया। पर्यटन बढ़ने के बावजूद मूलभूत शहरी सेवाएं पिछड़ी रहीं। वहीं कोटा में कोचिंग संस्थानों और छात्रों की बड़ी संख्या के कारण जनसंख्या दबाव बहुत अधिक है। ट्रैफिक, जल आपूर्ति, सफाई और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की समस्या वहाँ पहले से अधिक गंभीर रूप में सामने आई है।

शहरी अव्यवस्था का फैलता दायरा

राजस्थान के इन चारों शहरों की सबसे बड़ी समस्या है—बेतरतीब विस्तार। शहरों की सीमाएँ तेज़ी से बढ़ीं, लेकिन नगर नियोजन और आधारभूत सुविधाओं की रफ्तार पीछे रह गई। गांवों और कस्बों से पलायन कर लोग बेहतर रोज़गार, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं की तलाश में शहरों की ओर आए। लेकिन नगर नियोजन विभाग इस प्रवाह का पूर्वानुमान नहीं लगा पाया। नतीजा यह हुआ कि आवासीय कॉलोनियाँ बिना उचित अनुमति और बुनियादी ढांचे के विकसित होती चली गईं। इस अनियोजित विस्तार का असर हर क्षेत्र पर पड़ा—सड़कों पर बढ़ता दबाव, जलस्तर में गिरावट, कचरे के पहाड़, ट्रैफिक जाम और प्रदूषण जैसी समस्याएं सामान्य होती गईं। स्मार्ट सिटी मिशन का उद्देश्य इन समस्याओं को वैज्ञानिक ढंग से हल करना था, लेकिन योजनाओं का दायरा अक्सर सीमित क्षेत्रों तक ही सिमट गया।

निगरानी और पारदर्शिता की कमी

किसी भी परियोजना की सफलता उसके मॉनिटरिंग सिस्टम पर निर्भर करती है। स्मार्ट सिटी मिशन में स्थानीय निकायों को अधिक जिम्मेदारी दी गई थी। लेकिन प्रोजेक्ट की मॉनिटरिंग में पारदर्शिता की कमी रही। ठेकेदारों और एजेंसियों के चयन में भी सवाल उठे। कई प्रोजेक्ट्स समय पर पूरे नहीं हुए, जबकि उनकी लागत बढ़ती चली गई। उदाहरण के तौर पर, जयपुर में स्मार्ट रोड प्रोजेक्ट की शुरुआती लागत ₹200 करोड़ थी, जो बढ़कर ₹350 करोड़ के पार पहुंच गई। लेकिन नागरिकों को इस निवेश का लाभ नहीं मिल पाया। अनेक जगहों पर डिज़ाइन और कार्यान्वयन में तालमेल की कमी दिखी। स्मार्ट सिटी मिशन का असली मकसद "जनसहभागिता" था, परंतु योजनाओं में आम नागरिकों की राय को शायद ही कहीं महत्व दिया गया।

जनसहभागिता का अभाव

किसी भी शहर को स्मार्ट बनाने के लिए सिर्फ तकनीक और ढांचागत निवेश ही काफी नहीं होता। नागरिकों का व्यवहार, उनका सहयोग और उनकी सहभागिता सबसे महत्वपूर्ण पहलू है। अगर नागरिक गंदगी फैलाते रहेंगे, नियमों का पालन नहीं करेंगे, ट्रैफिक सिग्नल तोड़ेंगे, तो शहर कितनी भी आधुनिक सुविधाएं क्यों न जुटा ले, उसका कोई फायदा नहीं होगा। स्मार्ट सिटी तभी बन सकती है जब उसके नागरिक "स्मार्ट" सोच अपनाएं। राजस्थान के शहरों में जनजागरूकता अभियान सीमित रहे। स्वच्छता मिशन के अंतर्गत भी स्थानीय स्तर पर स्थायी बदलाव लाने में सफलता नहीं मिली। कई स्थानों पर बने डस्टबिन और कचरा संग्रह केंद्र कुछ महीनों में ही जर्जर हो गए।

पर्यावरणीय दृष्टिकोण की अनदेखी

शहरों के विकास में पर्यावरणीय संतुलन की उपेक्षा एक गंभीर भूल साबित हुई है। स्मार्ट सिटी मिशन के तहत हरित क्षेत्र बढ़ाने और झीलों, तालाबों के संरक्षण का वादा किया गया था।

सड़क सुरक्षा संकट: गति प्रबंधन गाइडलाइन के बिना 'मौत के गलियारों' में बदलते राष्ट्रीय राजमार्ग

-राष्ट्रीय राजमार्गों पर हादसों का तांडव, कमजोर प्रवर्तन और ढीली नीतियों ने बढ़ाया खतरा

भारत में सड़क सुरक्षा की स्थिति लगातार चिंता का विषय बनी हुई है। वर्ष 2023 के सरकारी आंकड़े यह बताते हैं कि देश में सड़क हादसों की रफ्तार थमने का नाम नहीं ले रही। साल 2023 में देशभर में कुल 4.61 लाख सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की गईं, जिनमें से 1.72 लाख से अधिक लोगों की मौत हुई और 4 लाख से अधिक लोग घायल हुए। इन आंकड़ों में सबसे भयावह बात यह है कि देश के सड़क नेटवर्क का केवल 2 प्रतिशत हिस्सा, यानी राष्ट्रीय राजमार्ग (National Highways), कुल मौतों के 30-35 प्रतिशत के लिए जिम्मेदार है। यह दर्शाता है कि जो सड़कें देश की आर्थिक धमनियां कही जाती हैं, वे अब "मौत के गलियारे" बन चुकी हैं।

राजस्थान के दर्दनाक हादसे और बढ़ता खतरा

राजस्थान हाल के दिनों में सड़क हादसों का केंद्र बना हुआ है। 2 नवंबर 2023 को जोधपुर के फलोदी भारतमाला हाईवे पर एक टेम्पो ट्रैवलर सड़क किनारे खड़े ट्रक से जा टकराया। यह वाहन तीर्थयात्रियों को लेकर लौट रहा था। इस भयावह दुर्घटना में 15 लोगों की मौके पर मौत हो गई, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। कई यात्री गंभीर रूप से घायल हुए। इसके अगले ही दिन, यानी 3 नवंबर को, हरमाड़ा (जयपुर) के पास लोहा मंडी-सीकर रोड पर एक और भीषण सड़क हादसा हुआ, जिसमें 13 लोगों की मौत हो गई और दर्जनों लोग घायल हुए। ये हादसे यह साबित करते हैं कि राजस्थान सहित पूरे देश में सड़क सुरक्षा को लेकर जो नीतियां बनाई गई हैं, उनका सही तरीके से पालन नहीं हो रहा। ड्राइविंग के दौरान नियमों की अनदेखी, ओवरस्पीडिंग, और सड़क अभियांत्रिकी की कमियां—ये सब मिलकर सड़कों को मौत के जाल में बदल रहे हैं।

राष्ट्रीय तस्वीर : दुर्घटनाओं के पीछे छिपे कारण

भारत में सड़क दुर्घटनाओं का सबसे बड़ा कारण है अधिक गति (Over Speeding)। परिवहन मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, कुल सड़क हादसों में से लगभग 66.5% हादसे और 72.3% मौतें केवल अधिक गति के कारण होती हैं। तेज रफ्तार में वाहन का नियंत्रण खोना, अचानक मोड़ पर ब्रेक लगाना, या दूसरे वाहन से दूरी न बनाना—ये सभी स्थितियां जानलेवा साबित होती हैं। लेकिन गति ही एकमात्र कारण नहीं है। इसके अलावा कुछ अन्य प्रमुख कारण इस प्रकार हैं—

चालकों की थकान और ध्यान विचलन (Driver Fatigue & Distraction): लंबे सफर के दौरान ड्राइवरों का ध्यान भटकना, मोबाइल का इस्तेमाल करना, या बिना आराम के गाड़ी चलाना कई हादसों का कारण बनता है। ट्रक ड्राइवरों और बस चालकों के लिए आराम के पर्याप्त इंतज़ाम नहीं होते।

खराब सड़क अभियांत्रिकी (Poor Road Engineering): देश की कई सड़कों पर मोड़ इतने तीखे होते हैं कि वहां वाहन का संतुलन बिगड़ना तय है। कहीं संकेतक बोर्ड नहीं लगे होते, तो कहीं स्पीड ब्रेकर का कोई निशान नहीं। कई जगह सड़कें ऊबड़-खाबड़ हैं या अचानक खत्म हो जाती हैं, जिससे दुर्घटनाएं बढ़ती हैं।

कमजोर प्रवर्तन (Weak Enforcement): भारत में ट्रैफिक नियमों का सख्ती से पालन नहीं कराया जाता। सीमित संख्या में स्पीड कैमरे, ट्रैफिक पुलिस की कमी, और चालान प्रणाली की ढिलाई— ये सब नियमों के अनुपालन को कमजोर बनाते हैं।

शराब या नशे की हालत में ड्राइविंग: यह एक गंभीर सामाजिक समस्या है। हर साल हजारों लोग शराब या नशे की हालत में गाड़ी चलाने के कारण अपनी या दूसरों की जान गंवाते हैं।

मौसमी परिस्थितियां: कोहरा, बारिश, या धूल भरी आंधी जैसी स्थितियों में दृश्यता कम हो जाती है, जिससे हादसों की संभावना कई गुना बढ़ जाती है।

गति प्रबंधन गाइडलाइन की अनुपालना का संकट

भारत सरकार ने सड़क सुरक्षा सुधार के लिए कई गति प्रबंधन गाइडलाइन (Speed Management Guidelines) तैयार की हैं। इनका मकसद है— सड़क के हर प्रकार (शहरी, ग्रामीण, राजमार्ग आदि) के लिए अधिकतम गति सीमा तय करना। संकेतक बोर्डों की स्पष्ट व्यवस्था करना। वाहन निगरानी प्रणाली और कैमरों के जरिए निगरानी को मजबूत करना। स्थानीय प्रशासन और पुलिस को तकनीकी सहायता देना। लेकिन हकीकत यह है कि ये गाइडलाइन अधिकांश राज्यों में लागू ही नहीं की गईं या फिर अधूरी तरह से लागू हुईं। नतीजा यह हुआ कि स्पीड कॉरिडोर का सपना तो अधूरा रह गया, लेकिन "मौत के गलियारे" और भी लंबा होता चला गया।

राजमार्गों की वास्तविकता : स्पीड कॉरिडोर या डेथ ट्रैप

राष्ट्रीय राजमार्गों को देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ कहा जाता है। यहां माल और यात्रियों की सबसे अधिक आवाजाही होती है। लेकिन यही राजमार्ग अब मौत के जाल में बदलते जा रहे हैं। भारत में सड़क नेटवर्क का केवल 2 प्रतिशत हिस्सा राष्ट्रीय राजमार्गों का है, लेकिन इन पर होने वाली मौतों का हिस्सा 35 प्रतिशत से अधिक है। इसका मतलब यह है कि राजमार्गों पर यात्रा करना अब किसी जुए से कम नहीं रहा। स्पीड कॉरिडोर की अवधारणा यह थी कि सड़कें ऐसी हों जिन पर वाहन नियंत्रित गति से सुगमता से चल सकें। लेकिन हुआ इसके विपरीत— वाहनों की रफ्तार पर नियंत्रण घट गया। निगरानी और ट्रैफिक पुलिस की संख्या कम है। ट्रक और छोटे वाहन एक ही लेन में चलते हैं, जिससे जोखिम बढ़ता है। इसके अलावा, कई हाईवे ऐसे हैं जहां रात में रोशनी नहीं होती या साइनबोर्ड गायब हैं। कई जगह सड़क किनारे ट्रक खड़े रहते हैं, जिससे सामने से आने वाले वाहनों को टक्कर से बचना मुश्किल हो जाता है।

सड़क सुरक्षा के चार स्तंभ

सड़क सुरक्षा को प्रभावी बनाने के लिए विशेषज्ञ चार प्रमुख स्तंभों की बात करते हैं—

सड़क अभियांत्रिकी (Road Engineering) सड़कें सुरक्षित हों, मोड़ वैज्ञानिक तरीके से बनाए जाएं, और संकेतक स्पष्ट हों।

वाहन सुरक्षा (Vehicle Safety) वाहन कंपनियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ब्रेकिंग सिस्टम, एयरबैग, और सेफ्टी फीचर्स हर मॉडल में मानक रूप से मौजूद हों।

प्रवर्तन (Enforcement) ट्रैफिक नियमों का सख्ती से पालन कराया जाए, चालान प्रणाली डिजिटल और पारदर्शी हो।

जागरूकता और शिक्षा (Education & Awareness) लोगों को सड़क सुरक्षा के नियमों और व्यवहारिक सावधानियों के बारे में लगातार जागरूक किया जाए।

वन्दे मातरम् के 150 वर्ष पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित

-वन्दे मातरम् की भावना को सभी अपने जीवन में उतारें- भजनलाल शर्मा

-राष्ट्रगीत वन्दे मातरम् हमारी सामूहिक चेतना, आत्मा की पुकार

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हम सभी राष्ट्रीय चेतना के महान गीत वन्दे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के साक्षी बन रहे हैं तथा अमर काव्य की वंदना कर रहे हैं। वन्दे मातरम् ने हमारे स्वतंत्रता संग्राम को स्वर दिया जिसने करोड़ों भारतीयों के हृदय में राष्ट्रप्रेम की ज्वाला प्रज्वलित की। उन्होंने कहा कि यह केवल एक गीत नहीं है बल्कि हमारी सामूहिक चेतना, हमारी आत्मा की पुकार तथा मातृभूमि के प्रति हमारी अनंत श्रद्धा का प्रतीक है। शर्मा शुक्रवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम में राष्ट्रगीत वन्दे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जब बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय जी ने अपने उपन्यास आनंदमठ में इस अमर रचना को लिखा, तब शायद उन्हें भी यह अनुमान नहीं था कि ये पंक्तियां भारत माता की आजादी के लिए लड़ने वाले लाखों वीरों का युद्धनाद बन जाएंगी। उन्होंने कहा कि यह गीत हमारे स्वतंत्रता संग्राम का प्राणतत्व बना, क्रांतिकारियों का मंत्र और एकता का सूत्र बना। गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर ने कोलकाता में इसे गाया तो पूरा सभागार भावविभोर हो उठा। आजादी की लड़ाई से अबतक, वन्दे मातरम् हर आंदोलन, जुलूस एवं भारतीय की जुबान पर है।

युवा भारत के भविष्य, राष्ट्र की आशा और महान विरासत के संरक्षक-

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम राष्ट्रगीत के 150 वर्षों का ऐतिहासिक उत्सव मना रहे हैं। युवा भारत के भविष्य हैं, राष्ट्र की आशा हैं और इस महान विरासत के संरक्षक हैं। उन्होंने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने आजाद हिंद फौज की अंतरिम सरकार की घोषणा के समय भी वन्दे मातरम् गाया था। क्रांतिकारी जब फांसी के तख्ते पर चढ़ते थे तो उनके होठों पर भी वन्दे मातरम् होता था। अंग्रेज इस गीत से इतने भयभीत थे कि इसे सार्वजनिक रूप से गाने पर प्रतिबंध लगा दिया था।

वन्दे मातरम् में भारतीयों को एक सूत्र में बांधने की शक्ति-

शर्मा ने कहा कि वन्दे मातरम् में भारतीयों को एक सूत्र में बांधने की शक्ति है। इस गीत में गुलामी की जंजीरों को तोड़ने के लिए राष्ट्रभक्तों को आत्मशक्ति देने की ऊर्जा है। यह केवल राजनीतिक नारा नहीं है बल्कि एक आध्यात्मिक शक्ति है जो हमारी सामूहिक चेतना को जागृत करने की क्षमता रखती है। उन्होंने कहा कि यह गीत हमें हमारी साझी पहचान से तथा जड़ों से जोड़ता है। वन्दे मातरम् केवल अतीत की धरोहर नहीं है बल्कि आज भी उतना ही प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि जब हम राष्ट्र निर्माण की बात करते हैं तथा विकसित भारत का सपना देखते हैं तो वन्दे मातरम् की भावना ही हमारी प्रेरणा है।

हमारी चेतना, राष्ट्र की अखंडता और एकता का सूत्र है वन्दे मातरम्-

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का भारत विश्व में अपनी पहचान बना रहा है। हम अंतरिक्ष में चंद्रयान भेज रहे हैं, डिजिटल क्रांति का नेतृत्व कर रहे हैं तथा आर्थिक शक्ति बन रहे हैं। यह सब अपनी जड़ों से जुड़े होने तथा अपनी संस्कृति पर गर्व करने से ही संभव हो पा रहा है। उन्होंने कहा कि वन्दे मातरम् हमारी चेतना, राष्ट्र की अखंडता और एकता का सूत्र है। आज वन्दे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ पर हमें यह संकल्प लेना होगा कि हम इस गीत की भावना को अपने जीवन में उतारेंगे।

देवउठनी एकादशी पर गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज गवाराँन, सांगानेर (जयपुर) द्वारा भव्य नि:शुल्क विवाह सम्मेलन एवं गणेशजी का ब्राह्मण भोज संपन्न

सांगानेर (रॉयल पत्रिका)। 1 नवम्बर को कृष्णा बाग, गाँव गवार में गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज गवाराँन, सांगानेर (जयपुर) द्वारा देवउठनी एकादशी के पावन अवसर पर भव्य निःशुल्क विवाह सम्मेलन एवं गणेशजी का ब्राह्मण भोज अत्यंत श्रद्धा, संस्कार और सामाजिक उत्साह के साथ आयोजित किया गया। इस पावन अवसर पर राजस्थान के कोने-कोने से ब्राह्मण समाज के बंधु पधारे और इस अनोखे सामाजिक-सांस्कृतिक संगम का हिस्सा बने। इस सम्मेलन के मुख्य अतिथि आचार्य राजानंदजी शास्त्री, अध्यक्ष – रामलला सेवा समिति, अयोध्या रहे, जिन्होंने विवाह सम्मेलन के दिन समाज के प्रयास की सराहना की और मंगल आशीर्वाद दिया। आज के गणेशजी ब्राह्मण भोज एवं अभिनंदन समारोह में पंचमुखी बालाजी मंदिर के मठाधीश रामराजजी त्यागी ने समाज को अपने प्रेरणादायक आशीर्वचन दिए। उन्होंने कहा —"समाज की एकता और सेवा का यह भाव ही सच्ची पूजा है। जब लोग अपने सुख-दुःख से ऊपर उठकर समाज के लिए सोचते हैं, तब ऐसे पुण्य आयोजन संभव होते हैं।" साथ ही टोंक रोड समिति जयपुर के अध्यक्ष भानु प्रकाश जी न अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में समाज के लिए अपना सर्वस्व देने की बात कही और समाज के संगठन को मजबूत करने पर बल दिया जिससे ऐसे आयोजन समाज की एकता की मिसाल बने ओर फिजूलखर्ची से बचा जा सके । कार्यक्रम के मुख्य आयोजक अध्यक्ष – अरुण कुमारजी, थावलिया मंत्री सत्यभामा जन सेवा समिति के अध्यक्ष अशोक शर्मा कोषाध्यक्ष अभिनन्दन जी एवं श्रीहनुमान बहनोली रहे — जिन्होंने बिना किसी आर्थिक सहयोग के, केवल सेवा भाव और समाज-हित की भावना से इस ऐतिहासिक आयोजन को सफल बनाया। इस अवसर पर एक नवविवाहित जोड़े को ₹2 लाख मूल्य का गृह-उपयोगी सामान भेंट किया गया। साथ ही, "कन्यादान स्वरूप राशि" से सभी नवदंपतियों को मंगलसूत्र प्रदान कर एक नई और प्रेरक परंपरा की शुरुआत की गई। मंच पर पतियों द्वारा पत्नियों को मंगलसूत्र पहनाने का दृश्य उपस्थित जनसमूह को भाव-विभोर कर गया। साथ ही, नवविवाहित दूल्हा-दुल्हन एवं उनके पिता को मंच पर आमंत्रित कर 'महर्षि गौतम' की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया गया। उस पल वातावरण इतना भावनात्मक था कि कई माता-पिता की आंखें नम हो गईं। उन्होंने कहा — "हमारे जीवन में इतना सम्मान कभी नहीं मिला। समाज का यह स्नेह और संस्कार हमें हमेशा प्रेरित करता रहेगा।" इस कार्यक्रम में गाँव गवार के समस्त ग्रामवासी, टोंक रोड समिति अध्यक्ष भानुप्रकाशजी, मंत्री विजेंद्र जी, खुर्रा अध्यक्ष प्रेमशंकर जी, जगमोहन जी अध्यक्ष निवाई देवेंद्र जी, मंत्री सत्यनारायणजी सहित अनेक गणमान्य समाजबंधु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मंच संचालन समाजसेवी बृजेश जोड़ली ने अपने ऊर्जावान और प्रेरक अंदाज़ में किया, जिसे सभी ने खूब सराहा। अशोक कुमार शर्मा (सत्यभामा जन सेवा समिति के अध्यक्ष,सफल कॉलोनाइज़र) और अरुण कुमारजी को समाज में "राम-लक्ष्मण की जोड़ी" के रूप में जाना जाता है। दोनों ने साधारण परिवार से निकलकर संस्कार, परिश्रम और सेवा के बल पर समाज के लिए जो कार्य किया है, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए मिसाल बन गया है। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित सभी अतिथियों ने कहा — "यह केवल विवाह सम्मेलन नहीं था, बल्कि समाज की एकता, संस्कृति और सेवा का पर्व था। इस आयोजन ने यह सिद्ध कर दिया कि जब मन में भावना सच्ची हो, तो समाज का हर सपना साकार हो सकता है।"

भक्ति और आस्था का संगम विद्याधर नगर स्टेडियम में

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। श्री श्याम भक्त सेवा परिवार समिति जयपुर की ओर से आयोजित श्याम महोत्सव 2025 इस बार और भी भव्य स्वरूप में 9 नवंबर रविवार को विद्याधर नगर स्टेडियम में आयोजित किया जा रहा है आयोजन की थीम इस बार परंपरा से आधुनिकता की और रखी गई है जिसके अंतर्गत बाबा श्री श्याम का दरबार प्रेम मंदिर वृंदावन की तर्ज पर सजाया जाएगा। भक्ति आस्था के इस अलौकिक संगम को भजन गायक लखबीर सिंह लक्खा अपनी प्रस्तुति देकर सजाएंगे। संस्था संरक्षक पवन डीडवानिया अध्यक्ष निर्मल गुप्ता और महासचिव डॉ. एस.पी यादव ने बताया कि इस आयोजन की तैयारी पिछले कई महीनो से युद्ध स्तर पर चल रही है इस वर्ष का महोत्सव केवल धार्मिक आयोजन भर नहीं रहेगा बल्कि यह समाज में एकता सेवा भाव और सांस्कृतिक चेतना को भी प्रबल करने का माध्यम बनेगा, आयोजन का शुभारंभ दोपहर 12:15 बजे से व समापन रात्रि 10:00 बजे बाबा श्याम की महा आरती के साथ होगा पंडाल को विद्त प्रकाश पुष्पों और रंगीन कलात्मक झांकियों से सजाया जाएगा विशाल मंच पर आधुनिक लाइटिंग पारंपरिक सजावट और पुष्पों की सुगंध से ऐसा आध्यात्मिक वातावरण तैयार किया जा रहा है जो श्रद्धालुओं के मन को शांति और आनंद से भर देगा समिति के कोषाध्यक्ष सुभाष मित्तल उपाध्यक्ष अनिल शर्मा सचिव धर्मेंद्र व्यास, कप्तान महेंद्र यादव ने बताया कि इस बार भजन संध्या में देश के साथ नामी कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे मुंबई से पधारे भजन गायक लखबीर सिंह लक्खा, राजू खंडेलवाल (मुंबई) महेंद्र शर्मा, दास महेंद्र ,निजामपुरिया, गोपाल सेन गोविंद शर्मा, निशा, अजय शर्मा आशीष शर्मा और झारखंड से खुशी शर्मा जैसी भक्ति संगीत की प्रतिभाये मंच को अपनी स्वर लहरियों से भक्ति रंग देंगे। इस बार श्याम महोत्सव में पहली बार लक्की ड्रा कार्यक्रम भी रखा गया है इस में चुने गए तीन भाग्यशाली शाम भक्तों को गायक लखबीर सिंह लक्खा के द्वारा श्री श्याम प्रतीक चिन्ह भेंट स्वरूप अपने हाथों से देंगे। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए समिति द्वारा व्यापक प्रबंध किए जा रहे हैं जिसमें विशाल पार्किंग एरिया, बैठने की व्यवस्था, पेयजल, और प्रसाद वितरण केंद्र प्राथमिक चिकित्सा सुविधा तथा सुरक्षा व्यवस्था को प्राथमिकता दी है।

03 नवम्बर से 07 नवम्बर 2025 तक आयोजित शहरी सेवा शिविर के तहत पुन- फॉलोअप शिविर

-जोन कार्यालयों पर आयोजित हो रहे फॉलोअप शिविर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार के निर्देशों की अनुपालना में नगर निगम ग्रेटर द्वारा फॉलोअप शिविर कार्यक्रम जारी किया गया है। 03 नवम्बर से 07 नवम्बर 2025 तक फॉलोअप शिविर जोन कार्यालयों पर आयोजित किये जा रहे है जिसके प्रभारी अधिकारी संबंधित जोन उपायुक्त होगे। गुरूवार को विद्याधर नगर जोन में कार्यालय विद्याधर नगर जोन अम्बाबाडी सामुदायिक केन्द्र में एवं जगतपुरा जोन में कार्यालय जगतपुरा जोन नन्दपुरी अण्डरपास में आयोजित किया गया। शुक्रवार को मालवीय नगर जोन में कार्यालय मालवीय नगर जोन (गैराज परिसर) एवं झोटवाड़ा जोन में कार्यालय झोटवाड़ा जोन तारा नगर-डी, खिरणी फाटक पर आयोजित किया जायेगा।

नगर निगम ग्रेटर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देशों की अनुपालना में जोनवाईज 03 नवम्बर से 07 नवम्बर 2025 तक फॉलोअप शिविर संबंधित जोन कार्यालयों पर आयोजित किये जा रहे है। इन सभी कैम्पों में आमजन से जुड़ी हुई विभिन्न समस्याओं का एक ही स्थान पर समाधान किया जा रहा है। पूर्व में भी 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर 2025 तक शहरी सेवा शिविर आयोजित किये गये थे। यदि कोई व्यक्ति समस्यानिस्तारण हेतु शिविरों में नहीं आ पाया हो तो इन शिविरों के माध्यम से अपनी समस्याओं का निस्तारण करवा सकता है।

शिविरों में मिल रही आमजन को तत्काल राहत-

विद्याधर नगर जोन के स्थानीय निवासी हरिश्चंद्र करोड़ीवाल ने विद्याधर नगर जोन में चल रहे संपूर्ण विद्यालय नगर फॉलोअप कैंप में अपने मकान के विभाजन के लिए आवेदन किया आवेदन करने के कुछ समय पश्चात ही संपूर्ण विद्याधर नगर फॉलोअप कैंप के अंतर्गत हरिश्चंद्र जी को उनके मकान का विभाजन पत्र तैयार कर प्रदान किया गया की हरिश्चंद्र ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे इस प्रकार के कैंप से सभी जनता से जुड़े कार्य त्वरित गति से पूर्ण हो रहे हैं और नगर निगम प्रशासन द्वारा भी आम जनता के हित के लिए सराहनीय कार्य किया जा रहे हैं हरिश्चंद्र ने यह भी बताया कि नगर निगम प्रशासन द्वारा उन्हें अपने मकान के उप विभाजन पत्र को प्राप्त करने के लिए बहुत सहयोग प्रदान किया गया और अपने इस कार्य के त्वरित गति से पूर्ण हो जाने पर हरिश्चंद्र ने नगर निगम प्रशासन और माननीय मुख्यमंत्री का बहुत-बहुत धन्यवाद और आभार व्यक्त किया। नंदपुरी के स्थानीय निवासी विक्रम डोली ने जगतपुरा जोन में चल रहे संपूर्ण जगतपुरा फॉलोअप कैंप में अपने बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र के लिए आवेदन किया आवेदन जमा करने के कुछ समय बाद ही विक्रम डोली को उनके बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र बनाकर प्रदान किया गया अपने इस कार्य के त्वरित गति से पूर्ण हो जाने पर विक्रम ने नगर निगम प्रशासन और राज्य सरकार का तहे दिल से धन्यवाद व्यक्त किया। झोटवाड़ा की स्थानीय निवासी द्रौपदी अग्रवाल ने विद्याधर नगर जोन में चल रहे संपूर्ण विद्याधर फॉलोअप कैंप में अपने मकान के पट्टे हेतु आवेदन किया आवश्यक दस्तावेज लगाकर आवेदन जमा करने के कुछ समय पश्चात ही संपूर्ण विद्याधर नगर फॉलोअप कैंप के अंतर्गत द्रौपदी अग्रवाल को उनके मकान का पट्टा बनाकर प्रदान किया गया द्रौपदी जी ने बताया कि बहुत ही कम समय में उन्हें उनके मकान का पट्टा प्राप्त हुआ इससे उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा और उन्होंने अपने मकान के पट्टे के त्वरित गति से बनने और प्राप्त होने पर नगर निगम प्रशासन और राज्य सरकार का बहुत धन्यवाद और आभार व्यक्त किया।

वंदे भारत @150 कार्यक्रम में राधा गोविंद महाविद्यालय की सहभागिता

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। श्री राधा गोविंद राजकीय महाविद्यालय कंवर नगर, ब्रम्हपुरी, जयपुर द्वारा 7 नवंबर, 2025 को वंदे भारत @150 के उपलक्ष्य में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में सहभागिता की गई। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में प्रातः 07:30 से 11:00 बजे तक यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महाविद्यालय के एनएसएस स्वयंसेवक / स्वयंसेविकाएँ, स्काउट (रोवर व रेंजर) तथा नियमित विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम स्थल के लिए रवाना होने से पूर्व विद्यार्थियों को टी शर्ट, कैप, झंडा वितरित किए गए तथा वंदे मातरम गीत का संकल्प पत्र भरवाया गया। कार्यक्रम स्थल पर प्राचार्य प्रो सुमन भाटिया, विकास समिति सदस्य विनोद मुद्गल, इस कार्यक्रम की नोडल अधिकारी डॉ. संगीता कुमारी, प्रो स्नेह शर्मा, डॉ. कविता साहनी, डॉ. संतोष शर्मा, सुबिता, नरेन्द्र कुमार शर्मा, मंगलचंद विद्यार्थियों के साथ उपस्थित रहे। महाविद्यालय में वंदे मातरम गीत के गायन के दौरान प्राचार्य प्रो सुमन भाटिया के साथ प्रो नीलम शर्मा, डॉ. अजीत सिंह चौधरी, विनोद मुद्गल एवं महाविद्यालय के अशैक्षणिक कर्मचारी उपस्थित रहे।

नगर निगम ग्रेटर सतर्कता शाखा की बड़ी कार्रवाई

-10 हजार रुपये का किया कैरिंग चार्ज वसूल, 05 केन्टर सामान जब्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त डॉ॰ गौरव सैनी के निर्देशानुसार उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार शर्मा के नेतृत्व में गुरूवार को सतर्कता शाखा की टीम द्वारा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में अमित भारद्वाज मार्ग, मॉडल टाऊन पोस्ट ऑफिस के बाहर, एन.डब्लू.आर. जगतपुरा, सेक्टर-6 मालवीय नगर, पत्रिका गेट, पानी की टंकी सर्किल मुरलीपुरा, 05 नंबर पुलिया मुरलीपुरा, मंगलम फर्नीचर के पास कालवाड़ रोड़ से अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध 10 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 05 केन्टर सामान जब्त किया गया।

उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार ने बताया कि नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में अमित भारद्वाज मार्ग, मॉडल टाऊन पोस्ट ऑफिस के बाहर, एन.डब्लू. आर. जगतपुरा, सेक्टर-6 मालवीय नगर, पत्रिका गेट, पानी की टंकी सर्किल मुरलीपुरा, 05 नंबर पुलिया मुरलीपुरा, मंगलम फर्नीचर के पास कालवाड़ रोड़ से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्रवाई के दौरान 05 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 10 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइश करते हुए मौखिक पाबंद करवाया ।

गांधी चौक में गांधी चबूतरे को तोड़ने पर हंगामा, नहीं तोड़ने दिया चबूतरा

-नगर अध्यक्ष अलाउद्दीन खान के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ता धरने पर बैठे, भाजपा कार्यकर्ताओं से नोकझोंक

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। शहर के गांधी चौक में चल रहे सौंदर्यकरण कार्य को लेकर गुरुवार को माहौल गर्मा गया। पालिका द्वारा महात्मा गांधी के पदचिह्न (चबूतरे) को तोड़े जाने की आशंका पर कांग्रेस कार्यकर्ता नगर अध्यक्ष अलाउद्दीन खान के नेतृत्व में रमेश हलकारा महावीर सैनी,इकबाल खान, पूर्व सरपंच अर्जुन मोहनपुरिया, कैलाश गुर्जर पंकज खेमचंद असवाल रामस्वरूप शशिकांत बेनीवाल रवि मीणा मंगल सैनी इमरान आजाद धरने पर बैठ गए। धरने के दौरान नगर अध्यक्ष अलाउद्दीन खान ने कहा कि गांधी जी का यह चबूतरा न्याय और गांधीवादी सिद्धांतों का प्रतीक है, जिसे किसी भी हालत में नहीं तोड़ा जाना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि पालिका पहले नया चबूतरा बनवाकर गांधी जी के पदचिन्ह उस पर स्थापित करे, उसके बाद ही पुराने चबूतरे को हटाने पर विचार किया जाए। सूत्रों के अनुसार, पालिका ने एक दिन पूर्व ही सौंदर्यकरण कार्य शुरू किया था, जिसमें गांधी चबूतरे के विरोध में बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता गांधी चौक पर एकत्र हुए। स्थिति को देखते हुए। इस दौरान पालिका अधिशाषी अधिकारी हरिनारायण यादव और कनिष्ठ अभियंता वीरेन्द्र कुमार मौके पर पहुंचे और धरनार्थियों से वार्ता कर समाधान का आश्वासन दिया। इस दौरान कांग्रेस और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच तीखी नोकझोंक भी देखने को मिली। भाजपा कार्यकर्ता इकराम खान, संदेश चौधरी और किशन जिंदल संदेश चौधरी ने कहा कि पूर्व में ही गांधी चबूतरे को लेकर सहमति बन चुकी थी। उन्होंने बताया कि गांधी जी के पदचिन्हों को पीपल के पेड़ वाले गट्टे (चबूतरे) पर स्थापित कर वहां का सौंदर्य बढ़ाया जाएगा। वहीं, पूर्व सरपंच अर्जुन मोहनपुरिया ने पालिका पर निशाना साधते हुए कहा कि गांधी चौक बाजार की मजबूत सड़क को तोड़कर अब लीपापोती कर कमजोर बनाया जाएगा, जो टिकाऊ नहीं रहेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि निर्माण कार्य में ठेकेदार की लापरवाही या घटिया सामग्री पाई गई, तो इसका कड़ा विरोध किया जाएगा। इधर, व्यापार मंडल की भाजपा नेता उपेन यादव की अध्यक्षता में पूर्व में हुई बैठक में व्यापारियों ने भी सौंदर्यकरण कार्य का समर्थन तो किया था, लेकिन यह भी कहा था कि काम की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की लापरवाही हुई तो विरोध किया जाएगा। राकेश हलकारा ने कहा कि गांधी चौक स्थित यह चबूतरा वर्षों से "न्याय का प्रतीक" रहा है। कई बार नागरिकों और कर्मचारियों ने यहीं बैठकर अपनी समस्याओं को लेकर आवाज उठाई है। उन्होंने याद दिलाया कि पहले भी सफाई कर्मचारियों ने भुगतान रोके जाने के विरोध में इसी गांधी चबूतरे पर अनशन कर न्याय पाया था। इस चबूतरे पर रामलीला प्रोग्राम, ताजिया आदि कार्यक्रम होते हैं। इसलिए यह स्थान मनोहरपुर में जन-आस्था और संघर्ष का प्रतीक स्थल बन चुका है, जिसे तोड़ना भावनाओं से खिलवाड़ होगा।

प्राधिकरण का बड़ा आदेश- डेढ़ साल बाद भी पालन नहीं, अब होगी वसूली कार्रवाई

जयपुर/शाहपुरा (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान रेरा प्राधिकरण ने एक महत्वपूर्ण आदेश जारी करते हुए एक प्रवर्तक (डिवेलपर) के खिलाफ वसूली की कार्यवाही शुरू करने के निर्देश दिए हैं। इस दौरान युवराज दिगराज सिंह ने बताया कि जब पीड़ित परिवार न्याय की उम्मीद खो चुका था तब युवराज सिंह शाहपुरा ने ही अपनी टीम के साथ इनके हक के लिए आवाज उठाई। इस दौरान प्राधिकरण ने बताया कि दिनांक 26 अक्टूबर 2023 को जारी आदेश में प्रवर्तक को शिकायतकर्ता की जमा राशि को एसबीआई की 8.6% उच्चतम एमसीएलआर दर पर ब्याज सहित और प्रत्येक जमा की तिथि से 2% अतिरिक्त ब्याज दर पर 45 दिनों के भीतर लौटाने का निर्देश दिया गया था। हालांकि, डेढ़ वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बाद भी प्रवर्तक ने आदेश का पालन नहीं किया। इसके लिए जानकारी अनुसार दिगराज सिंह शाहपुरा ने अपनी एडवोकेट की टीम को रेरा कोर्ट में लगाकर किसान अमरचंद के परिवार के हक में फैसला करवाया। इस फैसले से करीब 500 किसान परिवार को फायदा मिलेगा।ओर उनकी जमा राशि फिर उन्हें मिलेगी। 05 अगस्त 2025 को हुई सुनवाई के दौरान प्रवर्तक उपस्थित नहीं हुआ, जिसके बाद प्राधिकरण ने यह माना कि प्रवर्तक जानबूझकर आदेश का अनुपालन करने से बच रहा है। इस पर प्राधिकरण ने रियल एस्टेट (विनियमन एवं विकास) अधिनियम, 2016 की धारा 40(1) के तहत मामला जिला कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत कर वसूली प्रमाणपत्र जारी करने और वसूली कार्यवाही शुरू करने के निर्देश दिए हैं।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए		**पानी के लिए**	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हेरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड बाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मांगरोल में अंता से भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में किया रोड शो

-अंता का चुनाव भाजपा के विकास और कांग्रेस के भ्रष्टाचार के बीच - मुख्यमंत्री

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी विकास के विजन के साथ काम करती है। जनता की सेवा ही हमारा मुख्य ध्येय है। जबकि कांग्रेस भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण की नीति पर कार्य करते हुए झूठ और लूट की राजनीति करती है। उन्होंने आमजन से आह्वान किया कि आगामी उपचुनाव में अंता विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी मोरपाल सुमन को ज्यादा से ज्यादा मतों से विजयी बनाएं। मुख्यमंत्री ने गुरूवार 06 नवंबर 2025 को मांगरोल में भाजपा प्रत्याशी मोरपाल सुमन के समर्थन में रोड शो कर आमजन को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने पिछले दो साल में जनता के लिए जितना काम किया है उतना गत कांग्रेस सरकार ने अपने पूरे पांच साल के कार्यकाल में नहीं किया। हमारे दो साल के कार्यकाल में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ। हमने अब तक युवाओं को लगभग 91 हजार पदों पर नियुक्तियां दी हैं तथा 1.50 लाख पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन है। हमारी प्राथमिकता है कि राज्य का युवा रोजगार के लिए परेशान ना हो। हम अपने पूरे पांच साल के कार्यकाल में 4 लाख सरकारी नौकरी देने के वादे को पूरा करेंगे।

हमारी सरकार बारां के विकास के लिए कर रही निरंतर कार्य-

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हम बारां क्षेत्र के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। 174 करोड़ रुपये की लागत से बन रही 41 किलोमीटर लंबी माल बामोरी-मांगरोल-बारां सड़क कार्य का निर्माण कार्य प्रारंभ हो चुका है। साथ ही, 65 करोड़ रुपये की लागत से अन्ता से सिसवाली तिराहे तक 4 लेन सड़क एवं रेल ओवर ब्रिज के सुद्दढीकरण कार्य भी जल्द शुरू होने जा रहा है। 15 करोड़ की लागत से बन रहे मऊ से लालकोठी सड़क के सुद्दढीकरण का कार्य 25 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है।

अन्ता में नालों का निर्माण कार्य होगा जल्द शुरू-

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस क्षेत्र की 25 किलोमीटर लंबाई की मिसिंग लिंक सड़कों का कार्य स्वीकृत हो गया है और कार्य जल्द शुरू होने जा रहा है तथा गणेशगंज नहरी तंत्र के जीर्णोद्धार की स्वीकृति दे दी गई है। उन्होंने कहा कि चम्बल दायीं मुख्य नहर की शेष रही 38 किलोमीटर लम्बाई को पक्का करने के लिए 300 करोड़ रुपये स्वीकृत कराया जा चुका है। साथ ही, चम्बल कमाण्ड क्षेत्र के सिंचित क्षेत्र की दक्षता सुधार के लिए 62 करोड़ रुपये स्वीकृत कर काम 20 प्रतिशत पूरा किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि परवन परियोजना क्षेत्र में और भूमि संचित करने हेतु डीपीआर बनाई जा रही है। ईआरसीपी को धरातल पर लाने के लिए 26 हजार करोड़ रुपये के कार्यदेश दिए जा चुके है। मंगरोल से पार्वती नदी तक बाणगंगा की रिसेक्शनिंग की डीपीआर बनाई चुकी है और यह कार्य जल्द शुरू किया जाएगा। साथ ही, अन्ता में बारिश से होने वाली समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए अन्ता में नालों का निर्माण कार्य जल्द शुरू किया जा रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि यह सरकार बारां में सड़कों का काम करवा रही है। जिससे बारां, मांगरोल और अंता के बीच बेहतर सड़क नेटवर्क तैयार होगा। उन्होंने कहा कि यहां की स्थानीय मंड़ी की विकास संबंधी जरूरतें पूरी करने के निर्णय लिए गए हैं। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी मोरपाल सुमन को विजयी बनाने की अपील की।

रोड शो में आमजन का मिला अपार समर्थन-

इस दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे ने अंता विधानसभा क्षेत्र के मांगरोल में सुभाष चौक से सीसवाली चौराहे तक रोड शो किया और रथ में साथ में मौजूद भाजपा प्रत्याशी श्री मोरपाल सुमन को भारी मतों से जिताने की अपील की। इस दौरान रोड शो में आमजन व भाजपा कार्यकर्ताओं ने जगह-जगह पुष्प वर्षा एवं माल्यार्पण कर स्वागत-अभिनंदन किया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने सुभाष सर्किल पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मूर्ति पर माल्यार्पण भी किया। ढाई किलोमीटर लंबे रोड शो में मुख्यमंत्री के स्वागत के लिए 51 द्वार बनाए गए और सभी जगह पर हजारों की संख्या में मौजूद कार्यकर्ताओं व आमजन ने पुष्पवर्षा, ढोल-नगाड़े बजाकर एवं पलक-पावड़े बिछाकर मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया। रोड शो में मुख्यमंत्री ने 'इस माटी का एक ही लाल, मोरपाल-मोरपाल' का नारा भी लगवाया। इस अवसर पर प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, ग्रामीण विकास राज्यमंत्री ओटाराम देवासी, सांसद दुष्यंत सिंह सहित जिलाध्यक्ष और बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

किशोर न्याय बोर्ड के सदस्य को हाई वोल्ट करंट का झटका

-बंद हुए हार्ट को सीपीआर इलेक्ट्रिक शॉक देकर दी नई जिंदगी- डॉ. एम एम पुकार

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर किशोर न्याय बोर्ड सदस्य ताराचंद सैनी को लगा हाई वॉल्ट करंट का झटका मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. एमएम पुकार के नेतृत्व में इमरजेंसी की टीम ने बेस्ट वर्क देकर बचाई जान, बंद हुए हार्ट को सीपीआर व इलेक्ट्रीक शॉक देकर दी नई जिंदनी चूरू। शहर के नया बास में रहने वाले किशोर न्याय बोर्ड सदस्य ताराचंद सैनी को किसी मजदूर की सहायता करते समय हाई वॉल्ट 11 हजार लाइन का करंट लग गया। जिससे 45 वर्षीय ताराचंद की हालत अत्यंत गंभीर हो गयी। जिसको निजी वाहन से मौके पर मौजूद लोगों ने डीबी अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड पहुंचाया। जहां कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. एमएम पुकार के नेतृत्व में डॉ. व नर्सिंग स्टाफ ने बेहतर ईलाज देते हुए उसकी जान बचाकर नया जीवनदान दिया हैं। सैनी को तुरन्त गंभीर हालत में मेडिसिन आईसीयू में भर्ती किया गया। जहां उसको वेंटीलेटर पर लिया गया। फिलहाल सैनी की स्थिति में काफी सुधार हैं। गुरूवार दोपहर उन्हें वेंटीलेटर से हटाया गया हैं। मामले में भाजपा जिला उपाध्यक्ष नरेन्द्र सैनी ने बताया कि उसका भाई ताराचंद सैनी मोहल्ले में बालाजी मंदिर के कार्यक्रम में टेंट का काम करने वाले किसी मजदूर की मदद कर रहे थे। इसी दौरान ताराचंद को हाई वॉल्ट 11 हजार लाइन का करंट का झटका लगा। इनके साथ मजदूर भी झुलस गया। दोनों को निजी वाहन से इमरजेंसी वार्ड लाया गया। जहां से हादसे की सूचना प्रिंसिपल डॉ. पुकार को दी गयी। जिसने तुरन्त अस्पताल पहुंचकर घटना की जानकारी ली। तब रोगी अचेत हालत में था। जिसका हार्ट भी काम नहीं कर रहा था। जिसकी ईसीजी स्टेट लाइन थी। ऑक्सीजन लेवल और ब्लड प्रेषर भी शून्य था। मगर डॉ. पुकार ने टीम के साथ मिलकर खुद ने सीपीआर दिया। वहीं दो बार डीसी शॉक दिया गया। रोगी की बिगड़ती हालत को देखकर एंसथेसिया डॉ.

को कॉल किया गया। मगर रोगी की बिगड़ती हालत को देखते हुए डॉ. पुकार ने ही रोगी को एंटीव्यूट कर दिया। जिसके बाद रोगी के हार्ट ने काम करना शुरू कर दिया। इसके बाद रोगी को तुरन्त मेडिसिन आईसीयू में षिफ्ट किया गया। जहां उसे वेंटीलेटर पर लिया गया। मगर वहां भी टीम के साथ मिलकर मॉनिटरिंग की। जिसकी बदोलत गुरूवार सुबह रोगी की हालत में काफी सुधार आया। दोपहर तक उसे वेंटीलेटर से हटा दिया गया। फिलहाल वह नॉर्मल ऑक्सीजन पर हैं। टीम की मेहनत रंग लायी नया बास निवासी ताराचंद सैनी भाजपा जिला उपाध्यक्ष नरेन्द्र सैनी ने के छोटे भाई हैं। मामले में नरेन्द्र सैनी ने कहा कि मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. पुकार के नेतृत्व में टीम वर्क किया गया। जिसकी बदौलत आज उसके छोटा भाई को नया जीवनदान मिला हैं। उन्होंने इसके लिए अस्पताल की इमरजेंसी वार्ड स्टाफ का आभार जताया। मौके पर भी दिया गया सीपीआर डॉ. पुकार ने बताया कि ताराचंद सैनी को करंट लगने के बाद कमांडो सुरेन्द्र कस्वां व एसआई रामजीलाल ने तुरन्त सीपीआर दिया। जिसके तुरन्त पांच मिनट में इमरजेंसी वार्ड पहंचाया। सुरेन्द्र कस्वां व रामजीलाल के द्वारा दिया गया सीपीआर ताराचंद सैनी के लिए संजीवन बूटी का काम किया।

डॉ. पुकार ने की टीम की प्रषंसा-

इस मामले में डॉ. पुकार व अस्पताल अधीक्षक डॉ. दीपक चोधरी ने आपातकालीन रिस्पांस टीम अभियान के तहत इमरजेंसी वार्ड में रोगी को लाये जाने के दौरान अस्पताल अधीक्षक, अति. प्रधानाचार्य डॉ. रमाकान्त वर्मा, डॉ. मनोज फोगावट, डॉ. सरोज, डॉ. जेनूअल, डॉ. युवराज, नर्सिंग आफिसर मुकेष कांटीवाल व नरेन्द्र दाधीच की इस कार्य के लिए प्रंषसा की। सीपीआर के लिए देंगे प्रषिक्षण डॉ. पुकार ने बताया कि आपात स्थिति में हम रोगी को सीपीआर देकर उसकी जान बचा सकते हैं। इसके लिए मेडिकल कॉलेज प्रषासन के द्वारा समय समय पर सीपीआर प्रषिक्षण दिया गया हैं। उन्होंने आह्वान किया कि कोई भी संस्थान, सार्वजनिक संस्थान, निजी संस्थान व पुलिसकर्मी आदी जनसेवार्थ सीपीआर का प्रषिक्षण लेना चाहते है तो वे कॉलेज में प्रिंसिपल डॉ.एमएम पुकार से संपर्क कर सकते हैं।

देव दीपावली पर करणी माता मंदिर में 201 दीपकों से की रोशनी

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर पर्यावरण प्रेमी शिक्षक दंपति अमर सिंह किशनावत व मनीषा चारण के सौजन्य से देव दीपावली के पावन पर्व पर पंचायत समिति रोड F.C.I. गोदाम के सामने स्थित करणी माता मंदिर चूरु में 201 दीपकों से रोशनी की गई। कार्यक्रम के संयोजक किशनावत ने बताया कि सर्वप्रथम मंदिर पुजारी द्वारा करणी माता मंदिर की पूजा-अर्चना की गई। उसके बाद मंदिर में उपस्थित भक्तों द्वारा करणी माता की सामुहिक आरती की गई। आरती के पश्चात पुजारी व भक्तगणों के सहयोग से मंदिर व मंदिर परिसर में 201 दीपकों से भव्य रोशनी की गई। इस अवसर पर भवानी सिंह, शिवमंगल सिंह, प्रहलाद सिंह, राजेंद्र सिंह , शिव सिंह, धन्नेसिंह, पुष्पेंद्र सिंह, महावीर सिंह, सरजीत सिंह आदि उपस्थित थे ।

कांग्रेस पार्टी के बीएलए ओर कार्यकर्ता मतदाता सूची एस आई आर में सक्रियता निभाए- खीचड़

चूरू (रॉयल पत्रिका) । जिला मुख्यालय पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं से आह्वान करते हुए कहा,भाजपा चाहे जितनी साजिशें रच ले...लेकिन जनता अपने वोट से और लोकतंत्र से इनको करारा जवाब देगी! राजस्थान में SIR (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) प्रक्रिया लागू करने का निर्णय लोकतांत्रिक अधिकारों पर सीधा प्रहार है। मतदाता सूची में सुधार के नाम पर दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों के वोट काटने की साजिश है। चूरू जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष जमील चौहान ने बताया कि ,प्रदेश में सभी जिला कांग्रेस व ब्लॉक कांग्रेस से किए गए आह्वान को गंभीरता से लेते हुवे ,चूरू जिला कांग्रेस अध्यक्ष इंद्राज खीचड़ ने जिले में प्रत्येक बूथ पर पार्टी द्वारा बी एल ए नियुक्त और सक्रिय कार्यकर्ता से कहा,चुनाव आयोग की घोषणा मतदाता सूची में सुधार के नाम पर किए जा रहे sir में घर घर जा कर चुनाव आयोग के बी एल ओ के साथ इस मुहिम में अपनी जिम्मेदारी से सक्रियता निभाए। जिला कांग्रेस अध्यक्ष इंद्राज खीचड़ ने आगाह करते हुए कहा दरअसल इस भाजपा सरकार को पंचायत और निकाय चुनावों में हार का डर सता रहा है, इसलिए कभी "एक राज्य, एक चुनाव" तो अब SIR की आड़ में चुनाव टालकर ग़रीबों का वोट छीनने का काम कर रहे हैं। यानी स्पष्ट है कि सरकार की मंशा अनुरूप पंचायत व निकाय चुनाव अगले साल बजट के बाद शायद मई-जून तक नहीं होंगे, जिसका विरोध कांग्रेस पार्टी लगातार कर रही है। 5 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के पश्चात चुनाव नहीं करवाना संविधान की खुली अवहेलना है। संविधान ने नागरिकों को वोट देने का अधिकार दिया है, लेकिन भाजपा अपने डबल इंजन के प्रभाव और चुनाव आयोग के जरिए इस अधिकार को छीनना चाहती है। ये लोग जनता की आवाज़ को दबाने, ग्रामीण व शहरी निकायों में ब्यूरोक्रेसी से मनमानी करने और लोकतांत्रिक ढांचे को ध्वस्त करने में लगे हैं। हम कांग्रेस जनों को इनकी भावनाओं से आमजन को जागरूक करना है और इनके मनसूबों को कामयाब नहीं होने देना है, इसके लिए हमें मेहनत करनी होगी ।

प्रमोद भाया ने किया मतदाताओं से सघन जनसम्पर्क

-भाजपा शासन में किसानों को नही मिल रहा मुआवजा
-गूंगी बहरी सरकार के कानों पर नही रेंग रही जू-भाया

बारां (रॉयल पत्रिका)। कांग्रेस प्रत्याशी प्रमोद जैन भाया द्वारा गुरुवार 06 नवंबर को बमूलियाकलां, बडवा, गोविन्दपुरा, जयनगर, भौराजेडी, हापाहेडी, कोटडी, केवडा, खजूरनाकलां, देवपुरा बंजारा, बावडीखेडा, तांखा, मोहम्मदपुर, केथोडी, अमलसरा, आम्बा की झोपडिया, गुलाबपुरा, गोपालपुरा गांवों में पहुंचकर मतदाताओं से जनसम्पर्क किया तथा कांग्रेस पार्टी के पक्ष में अधिक से अधिक मतदान करने की अपील की गई। ग्रामीणों द्वारा जगह-जगह भाया को फलों से तोला जा रहा है, माल्यार्पण, साफाबंदी करके स्वागत सम्मान किया जा रहा है। प्रमोद जैन भाया ने गांवों में जनसम्पर्क के दौरान कहा कि भाजपा सरकार पूरी तरह विफल हो चुकी है। इस वर्ष प्रदेश में सबसे अधिक बारिश बारां जिले में ही हुई है तथा बारिश की अतिवृष्टि के कारण किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। दो-तीन बार बुवाई गई फसल बिगड गई है तथा पैदावार भी

निराषाजनक रही है। किसानों की समस्याओं को लेकर उनके द्वारा जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय पर धरना प्रदर्षन किया गया था जिसमें किसानों की खराब हुई फसलों के मुआवजे तथा गत वर्ष की किसान भाईयों के बकाया मुआवजे को शीघ्र वितरीत किए जाने की मांग की गई लेकिन इस गूंगी-बहरी सरकार के कानों पर जू तक नही रेंगी और आज भी किसान भाई मुआवजे से वंचित है। रबी फसल की तैयारी में किसानों को भारी परेषानी का सामना करना पड रहा है। भाजपा के जिला प्रभारी मंत्री शीघ्र सर्वे करवा कर मुआवजा राशि दिलाए जाने की बात कह रहे है लेकिन अभी तो खराबे की प्रारम्भिक रिपोर्ट ही भेजी गई है। सूचियां अभी तक आनलाईन नही हुई है। कोई नही जानता कि यह भाजपा सरकार किसान भाईयों को मुआवजा कब देगी। किसानों को खाद के लिए लाईनों में लगकर धक्के खाने पड रहे है। वही दूसरी ओर महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष सारिका सिंह द्वारा अपनी टीम के साथ मियाडा एवं बोहत गांव में जनसम्पर्क किया गया। जिला प्रमुख उर्मिला जैन भाया द्वारा अपनी टीम के साथ अन्ता कस्बे में पहुंचकर मतदाताओं से कांग्रेस प्रत्याषी को भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की गई।

भाजपा द्वारा निर्वाचन आयोग के मतदाताओं की सूची को अपडेट करने के लिए चलाए जा रहे विशेष गहन पुरीक्षणन कार्यक्रम एस आई आर के तहत कार्यक्रम आयोजित

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर पूर्व नेताप्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ के चूरू आवास पर निर्वाचन आयोग के द्वारा मतदाता सूची को अपडेट करने के लिए चलाये जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर) के तहत चूरू विधानसभा की कार्यशाला जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा की अध्यक्षता मे आयोजित हुई। इस अवसर पर विधायक हरलाल सहारण ने कहा कि चुनाव आयोग के द्वारा इस प्रक्रिया को प्रारंभ किया गया है जो कि लोकतंत्र के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होने सभी कार्यकर्ताओ का आव्हान किया कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए किये जा रहे इस कार्यक्रम में सभी कार्यकर्ता सक्रिय रूप से भाग लेकर इस कार्यक्रम को सफल बनाये क्योंकि यह भारतीय लोकतंत्र के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होने कहा कि एसआईआर से मतदाता सूची अपडेट होगी और उसमें जो अनाधिकृत वेटर होगे उनके नाम को हटाने से लोकतंत्र मजबूत होगा। उन्होने कहा कि भारतीय लोकतंत्र विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यहां की संवैधानिक संस्थाये लोकतंत्र के मजबूती के लिए कार्य करती है। उन्होने विपक्षी दलो पर आरोप लगाते हुऐ कहा कि विपक्षी दल इस कार्यक्रम के प्रति लोगो में झुठी अफवाह फैला रहे है जबकि इस कार्यक्रम का एकमात्र उदेश्य हर भारतीय को मताधिकार मिल सके इसके लिए किया जा रहा है। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा ने एसआईआर के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुऐ कहा कि यह कार्यक्रम देश में पहली

बार नही किया जा रहा है पूर्व में भी इसको किया गया था। इसका उदेश्य जो मतदाता अन्यत्र बस गये है और जिनका दोनो जगह वोट है जो मृत्यु को प्राप्त हो गये है और जो 18 वर्ष से ज्यादा वर्ष के हो गये है इन सब को ध्यान में रखकर मतदाता सूची को अपडेट किया जा रहा है। उन्होने भारतीय निर्वाचन आयोग का आभार जताते हुऐ कहा कि जिस प्रकार बिहार में सफलतापूर्वक आयोग ने एसआईआर का कार्य पूर्ण किया उसी प्रकार सम्पूर्ण देश मे इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आयोजित किया जायेगा। जिससे अंवाछित लोगो के नाम हटाये जायेगे और मतदान के लिए योग्य व्यक्तियों को उनका अधिकार मिले इसके लिए कार्य किया जा रहा है। उन्होने जानकारी देते हुऐ कहा कि बीएलओ लगभग हर घर में तीन बार आकर इस सूची का निर्माण करेगे। उन्होने सभी कार्यकर्ताओ से अपील की वे चुनाव आयोग द्वारा किये जा रहे इस कार्य में अपनी सहभागिता देकर एक अच्छे नागरिक का फर्ज निभाये। इस अवसर पर विधानसभा संयोजक पदमसिंह राठौड़, एससी मोर्चा प्रदेश मंत्री सीताराम लुगरिया, वरिष्ठ नेता फतेहचन्द सेती, जिला उपाध्यक्ष भास्कर शर्मा, नरेन्द्र काछवाल, जिला मंत्री सत्तार खांन उपजिला प्रमुख महेन्द्र न्यौल, नेताप्रतिपक्ष विमला गढ़वाल, मण्डल अध्यक्ष सुरेश सारस्वत, धर्मेन्द्र राकसिया, राकेश तालणिया, विजय कस्वां, निर्मल सैन, सुप्यार सिंह, दौलतराम प्रजापत, नारायण बेनीवाल, रवि आर्य मचंस्थ रहे। कार्यक्रम का प्रारंभ भारतमाता, पं.दीनदयाल उपाध्याय व डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पअर्पण एवम् वंदे मातर्म से हुआ एवम् समापन जनगनमन से किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री अभिषेक चोटिया ने किया। इस अवसर पर महेश मिश्रा, सुरेश मिश्रा, श्रीराम पीपलवा, जयपाल सिंह टकणेत, अख्तर खांन, मोहम्मद सबीर, कपील चंदेल, रचना कोठारी, नंदू मोजासिया, भागीरथ सैनी, लिखमीचन्द प्रजापत, असलम डायर, रामस्वरूप मेघवाल, ब्रहमानंद राजोतिया, चन्द्रप्रकाश शर्मा, सुशील शर्मा, लक्ष्मीनारायण सैन, रामचन्द्र शर्मा, ओम इन्दोरिया, मोहन गढ़वाल, आकाश सैनी, विघाधर शर्मा, अजय तंवर, बाबू इस्मायल, असगर अली जोईया, बाबू टेलर, कमल सैनी, गजानंद गौड, कैलाश शर्मा, आन्नद रैगर, मुलचन्द धूत, प्रकाश नायक, किशन किरोड़ीवाल सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्काउट— गाइड शिविर में सीखे हुए का करें व्यावहारिक प्रयोग : सुराणा

-जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने किया स्काउट एंड गाइड के राज्य पुरस्कार अनुशंसा शिविर का अवलोकन

चूरू (रॉयल पत्रिका) । जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने गुरुवार को जिला मुख्यालय पर स्काउट एंड गाइड के राज्य पुरस्कार अनुशंसा शिविर का अवलोकन किया तथा स्काउट-गाइड से रूबरू होते हुए संवाद किया। इस अवसर पर सुराणा ने स्काउट व गाइड के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि स्काउट एंड गाइड कैंप जैसी गतिविधियां युवाओं को नकारात्मकता से दूर रखती हैं। स्काउट व गाइड शिविर की गतिविधियां अनुशासन और कर्तव्यपरायणता का विकास करती हैं और आत्मविश्वास सुद्दढ़ होता है। उन्होंने कहा कि स्काउट - गाइड यहां सीखे गए अनुभवों का व्यावहारिक प्रयोग करें तथा सामाजिक उन्नयन में अपनी भागीदारी निभाएं। उन्होंने स्काउट एंड गाइड शिविर के दौरान गतिविधियों की संपूर्ण जानकारी ली तथा विद्यार्थियों से संवाद भी किया। इस मौके पर सीडीईओ गोविंद सिंह राठौड़ ने भी विचार व्यक्त किए। स्काउट सीओ महिपाल सिंह ने व्यवस्थाओं तथा शिविर की गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस शिविर में कुल 326 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। शिविर में अनुशंसा प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को राज्यपाल द्वारा प्रमाण—पत्र प्रदान किया जाएगा।

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली पहुंचे बारां

-प्रमोद जैन भाया के पक्ष में आधा दर्जन से अधिक गांवों में किया जनसम्पर्क

बारां (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा बारां की अन्ता विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस प्रत्याषी के पक्ष में जन समर्थन जुटाने को लेकर स्टार प्रचारक लगाए हुए है। इसी क्रम में आज राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली पहुंचे जिनके द्वारा गुरुवार को ईष्वरपुरा, मऊ, बमोरीकलां, मालबमोरी, सीमल्या, कराडिया एवं भोज्याहेडी गांवों में पहुंचकर कांग्रेस प्रत्याषी प्रमोद जैन भाया के पक्ष में मतदान करने को लेकर जनसम्पर्क किया गया। अन्ता विधानसभा क्षेत्र में अनेकों कांग्रेस नेताओं द्वारा जनसम्पर्क कर कांग्रेस प्रत्याषी के पक्ष में मतदान करने की अपील की गई। टीकाराम जूली द्वारा जनसम्पर्क के दौरान अपने सम्बोधन में कहा कि मोदी जी 11 साल पहले कुछ बाते

करते थे वह आज तक सही साबित नही हुई। वह कहते थे कि किसानों की आय दोगुनी कर देंगे लेकिन किसानों की आय दोगुनी होना तो दूर की बात उनकी फसलों का उचित मूल्य भी उन्हें नही मिल पा रहा है जबकि किसानों की खेती की लागत में इजाफा हुआ है। खाद, बीज, पेस्टीसाइड, खेती में काम आने वाले उपकरण आदि सभी महंगे हो गए है। मोदी जी कालाधन लाने की बात करते थे लेकिन अभी तक कालाधन नही आया और किसी भी भाई के पास 15 लाख रूपए नही आए। जूली ने कहा कि भाजपा की कथनी और करनी में अंतर है जबकि कांग्रेस पार्टी जो कहती है वह करती है। कांग्रेस प्रत्याषी प्रमोद जैन भाया द्वारा क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य करवाए गए है। जूली ने कांग्रेस प्रत्याषी प्रमोद जैन भाया को विजयी बनाने की अपील की गई।

जिले में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम—2026

-इनुमेरेशन फेज के चौथे दिन तक वितरित किए 293613 इनुमेरेशन फॉर्म

चूरू (रॉयल पत्रिका) । जिला निर्वाचन अधिकारी अभिषेक सुराणा के निर्देशन में शुक्रवार को जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में एसआईआर— 2026 को लेकर बीएलओ मतदाताओं के घर पहुंचे और इनुमेरेशन फॉर्म भरवाकर प्राप्त किए। चौथे दिन तक वितरित हुए 293613 इनुमेरेशन फॉर्म का वितरण, अब तक 72.36 प्रतिशत मैपिंग जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार बीएलओ ने मतदाताओं से संपर्क किया और मैपिंग व इनुमेरेशन फॉर्म देकर आवश्यक जानकारी भरवाकर प्राप्त किए। बीएलओ के हस्ताक्षरित एक फॉर्म मतदाताओं को रसीद के तौर पर भी दिया गया। गौरतलब है कि जिले में चौथे दिन शुक्रवार सांय 04 बजे तक 293613 इनुमेरेशन फॉर्म का वितरण किया गया। जिले के सादुलपुर विधानसभा क्षेत्र में 51388, तारानगर में 48269, सरदारशहर में 51976, चूरू में 52447, रतनगढ़ में 44471, सुजानगढ़ में 45062 इनुमेरेशन फॉर्म का वितरण किया गया। इसी क्रम में शुक्रवार सांय 04 बजे तक जिले में लीगेसी व वर्तमान मतदाता सूची मैपिंग में 72.36 प्रतिशत कार्य पूर्ण किया गया है। जिले के सादुलपुर में 74.26, तारानगर में 75.79, सरदारशहर में 69.87, चूरू में 72.54, रतनगढ़ में 74.42 व सुजानगढ़ में 68.19 प्रतिशत मैपिंग कार्य पूर्ण किया जा चुका है।

एसआईआर, फार्म वितरण का कार्य प्रगति पर

पाली (रॉयल पत्रिका) । निर्वाचन आयोग जिला निर्वाचन अधिकारी एलएनमंत्री के निर्देशानुसार जिले में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत इसके तहत बीएलओ घर घर जाकर जिले में विधानसभाओं में ईफ फार्म का वितरण कर रहे है। शुक्रवार को सोजत उपखण्ड क्षेत्र के बागावास व धाकडी का निरीक्षण कर बूथ लेवल अधिकारी को आवश्यक निर्देश दिए। उपखण्ड अधिकारी व निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी मांसिगाराम जांगिड़ ने बताया कि सोजत क्षेत्र में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। जिसे लेकर शुक्रवार को बुथ संख्या 215 बागावास, बुथ संख्या 204 व 205 धाकड़ी का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मतदाता सूची में गहन निरीक्षण कार्य के लिए ईएफफॉर्म, एंट्री, जानकारी देना, फॉर्म संग्रहण, मैपिंग आदि कार्यों की जानकारी ली तथा संबंधित बीएलओ को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही संबंधित बीएलओ को निर्देशित किया कि वे घर-घर जाकर मतदाताओं का डेटा संकलन, परिगणना प्रपत्रों की पूर्ति एवं मैपिंग कार्य को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करें ताकि अभियान का लक्ष्य समय पर हासिल किया जा सके।

जिला कलक्टर और एसपी ने किया चिन्हित ब्लैक स्पॉट स्थानों का निरीक्षण

-सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिये जिला प्रशासन संवेदनशील
-संबंधित विभागीय अधिकारियों को दिये त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम करने और आमजन व वाहन चालकों में सड़क सुरक्षा नियमों की पालना के प्रति जागरूकता के लिये गुरूवार को जिला कलक्टर डॉ. मंजू व एसपी डॉ. अमृता दुहन ने चिन्हित ब्लैक स्पॉट स्थानों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान जिला कलक्टर ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिये त्वरित आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया। सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिये जिला प्रशासन द्वारा नाथावाला-नेतेवाला मार्ग स्थित ब्लैक स्पॉट, हनुमानगढ़ रोड़, ताखरावाली स्थित 11 टीकेडब्ल्यू, सूरतगढ़ कैन्ट और घग्घर पुल सहित विभिन्न स्थानों का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान जिला कलक्टर द्वारा संबंधित विभागों के अधिकारियों से सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिये अब तक की गई कार्यवाही की जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिये गये। उन्होंने कहा कि चिन्हित ब्लैक स्पॉट को समाप्त करने के साथ-साथ सड़क दुर्घटनाओं की पुनर्रावृत्ति न हो, इसके लिये संबंधित विभाग समन्वय से कार्यवाही करें। सड़क दुर्घटना के पश्चात राहत और बचाव कार्य तत्काल करने के निर्देश देते हुए जिला कलक्टर ने कहा कि पुलिस और स्वास्थ्य विभाग समन्वय से कार्यवाही करेंगे तो घायलों को समुचित उपचार मिल सकता है। घायलों और पीड़ित परिवार को नियमानुसार सहायता राशि भी प्रदान की जाये। उन्होंने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री महोदय के निर्देशानुसार जिले में विशेष अभियान चलाकर अनाधिकृत रोड कट बंद किये जायें। सड़क किनारे झाड़ियों को हटाने के साथ-साथ सड़कों के जंक्शन पर स्लिप लेन निर्माण, फ्लाई ओवर, अंडर पास, ओवर ब्रिज के आरंभ व घुमावपर वाहन खड़े नहीं करने की जानकारी देने वाले बोर्ड लगाये जाये। जेब्रा क्रासिंग, थर्मोप्लास्ट पेंट एवं सड़क डिवाईडर के रंग रोगन के निर्देश देते हुए जिला कलक्टर ने कहा कि क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत करवाई जाये। निकाय क्षेत्रों में खुले नाले-नालियों को सुरक्षित ढ़कने के साथ-साथ क्षतिग्रस्त फेरोकवर व सीवरलाइन के मेनहॉल कवर को भी व्यापक स्तर पर सुधारा जाये। भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर डिवाइडर की मजबूत रैलिंग की व्यवस्था की जाये। नियमित रूप से अतिक्रमण हटाते हुए पार्किंग की समुचित व्यवस्था की जाये।

प्राथमिकता से करें आमजन के परिवादों का निस्तारण, दें बेहतरीन सुविधाएं- सुराणा

-जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने राजगढ़ के नीमा में ग्राम पंचायत स्तरीय जनसुनवाई में सुने आमजन के अभाव—अभियोग, अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने गुरुवार को जिले के राजगढ़ उपखंड क्षेत्र की नीमा ग्राम पंचायत मुख्यालय पर आईटी सेंटर में आयोजित ग्राम पंचायत स्तरीय जनसुनवाई में आमजन के अभाव—अभियोग सुने और अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने प्रकरणवार चर्चा करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए व कहा कि आमजन की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाए और उन्हें बेहतरीन सुविधाएं उपलब्ध करवाएं। उन्होंने कहा कि अधिकारी नियमित रूप से ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा करें और ग्रामीणों की समस्याओं को सुनते हुए समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें। इसी के साथ सरकारी योजनाओं के बारे में समुचित प्रचार—प्रसार करते हुए पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित करें। उन्होंने विकास अधिकारी व ग्राम विकास अधिकारी को साफ—सफाई व्यवस्था दुरूस्त रखते हुए डोर टू डोर कचरा संग्रहण को लेकर समुचित निर्देश दिए। उन्होंने उपस्थित सभी को एसआईआर—2026 की जानकारी दी तथा उपखंड स्तरीय अधिकारियों को सभी कार्य समुचित ढंग से किए जाने और आमजन को एसआईआर —2026 के बारे में समुचित जानकारी देने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में बंद रास्तों व अतिक्रमण, साफ—सफाई, पानी, चिकित्सा, विद्दत, महानरेगा, रास्ते संबंधित कुल 15 प्रकरण प्राप्त हुए, जिनमें से सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग से 01, पंचायतीराज से 05, पशुपालन विभाग से 01, राजस्व से संबंधित 04, पुलिस से संबंधित 02, नगरनिकाय की 01, चिकित्सा से संबंधित 01 परिवाद प्राप्त हुए। जिला कलक्टर ने संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिए। एसडीएम मनोज खेमादा ने अधिकारियों को दिशा—निर्देशों की समुचित पालना कर रिपोर्ट भिजवाने के निर्देश दिए।

जन जाति गौरव वर्ष भगवान बिरसा मुण्डा की 150वीं जन्म जयन्ती

-जनजाति गौरव वर्ष के अन्तर्गत विविध कार्यक्रम हुए आयोजित

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। जनजाति गौरव वर्ष के अन्तर्गत भगवान बिरसा मुण्डा की 150वीं जन्म जयन्ती के उपलक्ष में जिले के जनजाति क्षेत्रों में विविध कार्यक्रम एवं गतिविधियों के माध्यम से लाभान्वित किया जा रहा है। आजादी के 75वें वर्ष के अवसर पर केन्द्रीय मंत्री मण्डल ने आदिवासी स्वतंत्रता सैनानियों के योगदान को मनाने के लिए प्रतिवर्ष 15 नवम्बर को जनजातीय गौरव दिवस के रुप में घोषित किया है। जनजाति कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा भी 15 नवम्बर 2024 से 15 नवम्बर 2025 तक जनजाति गौरव वर्ष मनाने का निर्णय लिया गया। जनजातीय गौरव वर्ष के अन्तर्गत एक नवम्बर 2025 से 15 नवम्बर 2025 तक विभिन्न कार्यक्रम एवं गतिविधियां आयोजित होगी। इस क्रम में गोविन्द सिंह गुर्जर राजकीय महाविद्यालय नसीराबाद, राजकीय गर्ल्स कॉलेज नसीराबाद, राजकीय महाविद्यालय रूपनगढ़ एवं राजकीय विधि महाविद्यालय रूपनगढ अजमेर में भगवान बिरसा मुंडा की जीवनी पर निबन्ध, भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आयोजित चित्रकला, निबन्ध लेखन एवं भाषण प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहे बालकों को पारितोषित वितरण किया गया।

भगवान बिरसा मुंडा 150 की जयंती पर प्रस्तावित राज्य स्तरीय कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु ली बैठक

डूंगरपुर (रॉयल पत्रिका)। जनजाति गौरव वर्ष-भगवान बिरसा मुंडा 150 वीं जयंती के अवसर पर प्रस्तावित राज्य स्तरीय कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु जिला कलेक्टर अंकित कुमार सिंह ने बैठक ली तथा अब तक की गई तैयारी की समीक्षा की। जिला कलेक्टर अंकित कुमार सिंह ने कार्यक्रम के प्रस्तावित स्थल, हेलीपैड, आगमन, स्वागत, आयोजित होने वाली प्रदर्शनी, विभिन्न विभागों के स्टॉल, विभिन्न योजनाओं में लाभार्थी वितरण, मंच व्यवस्था, बैठक व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए अब तक की गई तैयारी की समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये। उन्होंने सभी विभागों को दिए गए दायित्व एवं निर्देशों की समन्वय के साथ अनुपालना करते हुए सुचारू कार्य संपादन के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी हनुमान सिंह राठौड़, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनिल पहाड़िया सहित समस्त संबंधित अधिकारी गण मौजूद रहें।

मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता से किसानों के खेतों में लगाये जायेंगे सोलर पम्प संयंत्र

-जल संसाधन विभाग की आरडब्ल्यूएसआरपीडी परियोजना में 180.60 करोड़ की लागत से किसानों के खेतों में 5040 सोलर पम्प संयंत्र लगाये जायेंगे

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की संवेदनशीलता से श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर जिलों में राज्य सरकार की जल संसाधन विभाग के माध्यम से इन्दिरा गाँधी नहर परियोजना प्रथम चरण के कमाण्ड क्षेत्र में संचालित मरू क्षेत्र के लिए राजस्थान जल क्षेत्र पुनः संरचना परियोजना आरडब्ल्यूएसआरपीडी के अन्तर्गत किसानों हेतु 3, 5 और 7.5 एचपी के 5040 ऑफ ग्रिड सोलर पम्प संयत्र स्थापित किये जा रहे हैं, जिसके लिए किसानों को 60 प्रतिशत सब्सिडी देय होगी तथा शेष 40 प्रतिशत राशि संबंधित कृषक द्वारा वहन की जावेगी। आरडब्ल्यूएसआरपीडी हनुमानगढ के अतिरिक्त मुख्य अभियंता दिलीप जैन ने बताया कि कृषक द्वारा वहन की जाने वाली लागत में से 30 प्रतिशत राशि तक का बैंक ऋण प्राप्त किया जा सकता है। इस हेतु कम्पनी रोटोमग एनेरटेक्ट लिमिटेड के साथ अनुबन्ध हो चुका है, उक्त फर्म द्वारा लगभग 1000 पम्प भौतिक रूप से कृषकों की कृषि भूमि पर स्थापित किये जा चुके हैं तथा शीघ्र ही पात्र कृषकों की कृषि भूमि पर पम्प स्थापित करने का कार्य प्रगतिरत है। उल्लेखनीय है कि जल संसाधन विभाग के अधीन चलाई जा रही आरडब्ल्यूएसआरपीडी परियोजना में पम्पों की लागत उद्यानिकी विभाग द्वारा संचालित पी.एम. कुसुम योजना से कम आयेगी। इस योजना के अधीन 12 प्रकार के पम्पों में से कृषक द्वारा दिये गये विकल्प के अनुसार लगाये जावेंगे।

पम्प का प्रकार कृषक हिस्सा राशि मय जीएसटी-

(रूपये में) पम्प का प्रकार कृषक हिस्सा राशि मय जीएसटी

3 एचपी सरफेस डीसी 77264 5 एचपी सब्मर्सिबल डीसी 107886
3 एचपी सरफेस एसी 77132 5 एचपी सब्मर्सिबल एसी 107702
3 एचपी सब्मर्सिबल डीसी 77264
7.5 एचपी सरफेस डीसी 152479
3 एचपी सब्मर्सिबल एसी 77132
7.5 एचपी सरफेस एसी 152220
5 एचपी सरफेस डीसी 107886
7.5 एचपी सब्मर्सिबल डीसी 152479
5 एचपी सरफेस एसी 107702
7.5 एचपी सब्मर्सिबल एसी 152220

जिला निर्वाचन अधिकारी अभिषेक सुराणा ने किया सादुलपुर विधानसभा क्षेत्र का दौरा

-नीमा व सांखू ग्राम पंचायत में एसआईआर—2026 अंतर्गत कार्यों की ली जानकारी

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला निर्वाचन अधिकारी अभिषेक सुराणा ने गुरुवार को जिले के सादुलपुर विधानसभा क्षेत्र का दौरा किया तथा नीमा व सांखू ग्राम पंचायत में एसआईआर—2026 अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने घर—घर जाकर मतदाताओं से किए जा रहे संपर्क किया और एसआईआर—2026 के बारे में विस्तृत चर्चा की। जिला निर्वाचन अधिकारी सुराणा ने नीमा में भाग संख्या 190 व 192 तथा सांखू के भाग संख्या 228 व 229 के मतदाताओं से संपर्क किया और इनुमेरेशन फेज के दौरान बीएलओ द्वारा किए जा रहे संपर्क के बारे में भी फीडबैक लिया। इस दौरान मौजूद वयस्क मतदाताओं से संवाद किया और एसआईआर को लेकर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बीएलओ से परिगणना प्रपत्र वितरण व संग्रहण, मतदाताओं की मैपिंग, मतदान केन्द्र पर मतदाताओं की संख्या, फील्ड में आने वाली चुनौतियों व समस्याओं आदि के बारे में जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए। संबंधित बीएलओ ने समुचित जानकारी दी। ईआरओ मनोज खेमादा ने सादुलपुर विधानसभा क्षेत्र में एसआईआर गतिविधियों की जानकारी दी।

राष्ट्रव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र (डीएलसी) अभियान 4.0 के अंतर्गत चूरू में कार्यक्रम आयोजित

चूरू (रॉयल पत्रिका)। भारतीय स्टेट बैंक शाखा चूरू में राष्ट्रव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र (डीएलसी) अभियान 4.0 के अंतर्गत आज चूरू के भारतीय स्टेट बैंक शाखा में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये भारत सरकार की वित्तीय सेवाएँ विभाग की अवर सचिव मधु मनकोटिया ने डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र सुविधा के विषय में विस्तार से सभी पेंशनरों को जानकारी दी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुये भारतीय स्टेट बैंक क्षेत्रीय कार्यालय, चूरू के मुख्य प्रबंधक अमित शुक्ला द्वारा बैंक के विभिन्न डिजिटल उत्पाद एवं साइबर सुरक्षा के बिन्द पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर भारतीय स्टेट बैंक, चूरू के मुख्य प्रबंधक जय प्रकाश सैनी ने पेंशनरों का आभार व्यक्त करते हुये पेंशनभोगियों को फेस ऑथेंटिकेशन तकनीक का उपयोग करके जीवन प्रमाण जमा करने में मदद की और उन्हें इस प्रक्रिया के बारे में जानकारी प्रदान की। इसके अतिरिक्त UIDAI नई दिल्ली कि अनुभाग अधिकारी श्रीमती मनीषा ने भी अपने विचार व्यक्त किए। उलेखनीय है कि पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग, कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय, भारत सरकार, केंद्र सरकार के पेंशनभोगियों के लिए 1 से 30 नवंबर, 2025 तक राष्ट्रव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र(डीएलसी) अभियान 4.0 आयोजित कर रहा है। डीएलसी अभियान 4.0 द्वारा संतृप्ति-आधारित दृष्टिकोण अपनाते हुए देशभर के 2,000 से अधिक शहरों और कस्बों को कवर किया जा रहा है ताकि पेंशनभोगियों को कई डिजिटल तरीकों के माध्यम से अपने जीवन प्रमाण पत्र जमा करने की सुविधा मिल सके। एसबीआई द्वारा चूरू शाखा पंखा रोड, स्टेशन रोड शाखा और कलेक्ट्रेट शाखा में शिविर आयोजित किए गए। आईपीपीबी ने प्रधान डाकघर चूरू में शिविर का आयोजन किया।

वंदे मातरम@150 शुक्रवार को होंगे विभिन्न कार्यक्रम, जिला कलक्टर ने की तैयारियों की समीक्षा

-जूनागढ़ के आगे से निकलेगी प्रभात फेरी, रवींद्र रंगमंच पर होगा जिला स्तरीय कार्यक्रम, सूरसागर के पास गूंजेंगे देशभक्ति के तराने, चित्रों की लगेगी प्रदर्शनी

बीकानेर (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में वंदे मातरम@150 कार्यक्रमों की शुरूआत शुक्रवार को होगी। जिला कलक्टर नम्रता वृष्णि ने गुरुवार को कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में इनकी तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि देशभक्ति से ओतप्रोत इन कार्यक्रमों में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी के प्रयास कि जाएं। जिला कलक्टर ने बताया कि शुक्रवार के कार्यक्रमों की शुरूआत प्रभात फेरी से होगी। यह जूनागढ़ के आगे से प्रातः 7.30 बजे निकाली जाएगी। इसमें विभिन्न जनप्रतिनिधि, अधिकारी, स्काउट गाइड के कैडेट्स, साइकिल धावक, पुलिस के जवान, महिला अधिकारिता तथा महिला एवं बाल विकास विभाग की कार्यकर्ता आदि की भागीदारी रहेगी। उन्होंने बताया कि यह मार्च विभिन्न मार्गों से होती हुई रवीन्द्र रंगमंच पहुंचेगी। शहीद स्मारक पर शहीदों की श्रद्धांजलि का कार्यक्रम होगा। इसके पश्चात प्रातः 8.30 बजे रवीन्द्र रंगमंच पर जिला स्तरीय समारोह आयोजित किया जाएगा। इसमें राष्ट्रगीत का सामूहिक गायन होगा। विभिन्न स्कूली विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। इस दौरान सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय द्वारा चित्र प्रदर्शनी लगाई जाएगी। इसी दिन सायं 5 बजे सूरसागर के पास सांस्कृतिक संध्या होगी। इसमें केन्द्रीय जेल के बैंड 'आशाएं' द्वारा देशभक्ति के गीतों की प्रस्तुतियां दी जाएंगी। बीएसएफ का बैंड भी सुमधुर स्वरलहरियां बिखेरेगा। पारम्परिक वेशभूषा में सजे-धजे रोबीले समस्त स्थानों पर आगंतुकों की अगवानी करेंगे। जिला कलक्टर ने 8 से 26 नवंबर तक होने वाले कार्यक्रमों की समीक्षा भी की। उन्होंने कहा कि सभी कार्यालयों में वंदे मातरम@150 के तहत गतिविधियां आयोजित की जाएं। बैठक के दौरान संविधान पर संगोष्ठी, स्वदेशी प्रदर्शनी एवं स्वदेशी संकल्प, विभिन्न स्थानों पर श्रमदान, मोटरसाइकिल एवं ई-दुपहिया वाहन रैली सहित विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन के संबंध में चर्चा हुई। अतिरिक्त जिला कलक्टर (नगर) रमेश देव ने अब तक की तैयारियों एवं विभिन्न विभागों से समन्वय से जुड़ी जानकारी दी। बैठक में बीकानेर विकास प्राधिकरण आयुक्त अपर्णा गुप्ता, अतिरिक्त कलक्टर (प्रशासन) सुरेश कुमार यादव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) सौरभ तिवाड़ी, नगर निगम उपायुक्त यशपाल आहूजा, आयोजन संभाग प्रभारी एवं नगर विकास न्यास के पूर्व अध्यक्ष महावीर रांका, सुमन छाजेड़, दिलीप आडसर, केन्द्रीय कारागृह अधीक्षक डॉ. अभिषेक, जिला शिक्षा अधिकारी कैलाश दान चारण, पर्यटन विभाग के संयुक्त निदेशक अनिल राठौड़, सहायक निदेशक महेश व्यास, महिला अधिकारिता विभाग की उपनिदेशक डॉ. अनुराधा सक्सेना, महिला एवं बाल विकास विभाग के उपनिदेशक सुभाष बिश्नोई, जिला परिवहन अधिकारी भारती नैथाणी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. अरुण गर्ग ने मंडावा कस्बे व चूड़ी चतरपुरा का दौरा किया

-मतदाताओं से किया संवाद कहा - पात्रों के नाम जोड़ना व अपात्रों के नाम हटाना पुनरीक्षण का उद्देश्य

झुंझुनूं/मंडावा (रॉयल पत्रिका)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी विशेष गहन मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत जिले में मतदाताओं के सत्यापन का कार्य निरंतर जारी है। इस अभियान के अंतर्गत बीएलओ (बूथ लेवल अधिकारी) घर-घर जाकर गणना प्रपत्र वितरित कर रहे हैं और मतदाता सूची के विवरण का सत्यापन कर रहे हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग ने मंगलवार को मंडावा क्षेत्र का दौरा कर अभियान की प्रगति का निरीक्षण किया। उन्होंने वार्ड 12 स्थित नायकानों मोहल्ले व चूड़ी चतरपुरा में जाकर बीएलओ द्वारा किए जा रहे गणना प्रपत्र वितरण एवं मतदाता सत्यापन कार्य की बारीकी से समीक्षा की। इस दौरान सहायक निर्वाचन अधिकारी व तहसीलदार डॉ. सुरेन्द्र भास्कर भी मौजूद रहे। कलेक्टर डॉ. गर्ग ने मौके पर उपस्थित मतदाताओं से बातचीत कर स्वयं गणना प्रपत्र भरवाने की प्रक्रिया की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अभियान का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पात्र मतदाता सूची में शामिल हों और अपात्र नाम हटाए जाएं। उन्होंने बताया कि मंडावा विधानसभा क्षेत्र में लगभग 256 मतदान केंद्रों पर 2,51,401 मतदाताओं का सत्यापन किया जा रहा है। इस कार्य को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए 26 अधिकारियों की मॉनिटरिंग टीम के रूप में नियुक्ति की गई है, जिनमें बीडीओ, तहसीलदार और नायब तहसीलदार शामिल हैं। ये अधिकारी मतदान केंद्रवार कार्य की प्रगति की रिपोर्ट एसडीएम को देंगे।

विशेष गहन पुनरीक्षण: बीएलओ ऐप पर शत-प्रतिशत मैपिंग का कार्य पूरा करें

-जिला निर्वाचन अधिकारी ने किया सूरतगढ क्षेत्र में ईएफ वितरण कार्य का निरीक्षण

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलक्टर डॉ. मंजू ने गुरूवार को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम के तहत जिले के सूरतगढ़ विधानसभा क्षेत्र का दौरा कर बीएलओ द्वारा गणना प्रपत्रों के वितरण एवं संग्रहण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बीएलओ के घर-घर विजिट, गणना प्रपत्र वितरण एवं बीएलओ एप में मतदाताओं की मैपिंग की स्थिति का जायजा भी लिया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने सूरतगढ़ विधानसभा क्षेत्र का दौरा कर ईआरओ और बीएलओ से कार्य की प्रगति के बारे में जानकारी ली। इस दौरान भाग संख्या 100 में भागीरथ के घर पहुंचकर मतदाताओं से भी संवाद किया। बीएलओ पूनमचंद बिश्नोई द्वारा की जा रही मैपिंग कार्य की जानकारी लेकर उन्होंने कहा कि मतदाताओं को एसआईआर की समुचित जानकारी भी दी जाए ताकि उनमें कोई संशय ना रहे। जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिए कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाताओं की मैपिंग की जाए। मतदाताओं से आवश्यक जानकारी लेने के साथ-साथ उनका पुराना ईपिक नंबर उपलब्ध होने पर उसकी सहायता से मैपिंग की जाए। उन्होंने कहा कि जिन मतदाताओं का इंपिक नंबर नहीं है, उनके पुराने निवास स्थान की जानकारी लेकर वर्ष 2002 की मतदाता सूची से नाम ढूंढा जाए। उन्होंने कहा कि जिन लोगों की मैपिंग नहीं हो पाई है, उनसे उनके या उनके माता पिता के वर्ष 2002 में निवास स्थान की जानकारी लेकर मैपिंग सुनिश्चित की जाए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने जिले के समस्त ईआरओ को निर्देशित किया कि बीएलओ ऐप पर शत-प्रतिशत मैपिंग का कार्य पूरा किया जाए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिए कि फील्ड में फार्म वितरण को गति दी जाए तथा इस कार्य में वॉलंटियर्स की सहायता ली जाए। प्रत्येक ऐसे मतदान केंद्र जहां मैपिंग कम है, वहां दो प्रशिक्षित वॉलंटियर्स लगाए जाएं, जो वर्ष 2002 की सूची से नाम तलाशने में सहयोग करें।

सेबी नहीं देगा आईपीओ वैल्यूएशन में दखल, निवेशकों पर छोड़ा तुहिन ने फैसला

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने कहा है कि आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) में उच्च मूल्यांकन को लेकर सेबी किसी तरह का हस्तक्षेप नहीं करेगी।

- बाजार को अवसरों के आधार पर मूल्यांकन तय करने की आजादी हो

उन्होंने स्पष्ट किया कि वैल्यूएशन का निर्धारण बाजार और निवेशकों के आकलन पर निर्भर करता है, न कि नियामक के नियंत्रण पर गुरुवार को एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बातचीत में पांडेय ने कहा- हम मूल्यांकन तय नहीं करते। यह पूरी तरह निवेशक के आकलन पर निर्भर करता है। बाजार को अवसरों के आधार पर स्वतंत्र रूप से मूल्य निर्धारण करने की आजादी होनी चाहिए। यह बयान उस समय आया है जब हाल ही में लेंसकार्ट के 7,200 करोड़ रुपए के आईपीओ के ऊंचे वैल्यूएशन को लेकर बाजार में चिंता जताई गई थी।

चेयरमैन ने कहा, मूल्यांकन का निर्धारण बाजार व निवेशकों के आकलन पर निर्भर

पारदर्शिता जरूरी

कार्यक्रम में पांडेय ने कंपनियों से यह भी कहा कि उन्हें पर्यावरण, सामाजिक और प्रशासनिक प्रतिबद्धताओं के प्रति 'प्रामाणिक और पारदर्शी' रहना चाहिए। उन्होंने कहा- ईएसजी सिर्फ ब्रांडिंग का हिस्सा नहीं होना चाहिए। इसे मापने योग्य परिणामों, स्वतंत्र ऑडिट और वास्तविक बोर्ड निरीक्षण से जोड़ा जाना चाहिए। उन्होंने यह भी जोड़ा कि आज के समय में ईएसजी कोई वैकल्पिक विकल्प नहीं है, बल्कि व्यवसाय की स्थिरता के लिए एक आवश्यक घटक है।

नई चुनौतियों पर सुझाव

सेबी चेयरमैन ने कंपनियों के निदेशकों और वरिष्ठ प्रबंधन से आग्रह किया कि वे निम्नलिखित क्षेत्रों में अपनी क्षमता बढ़ाएं-साइबर जोखिम प्रबंधन, व्यवहार विज्ञान, डेटा नैतिकता और स्थिरता। उन्होंने कहा कि आज के समय में बाजार की जटिलता केवल औपचारिक निरीक्षण से नहीं संभाली जा सकती, बल्कि इसके लिए सूचित और विवेकपूर्ण निर्णय की आवश्यकता है।

निवेशक अपने विवेक से निर्णय लेंगे : *सेबी का यह स्पष्ट रुख बताता है कि नियामक आईपीओ वैल्यूएशन में दखल नहीं देगा। अब निवेशकों को खुद अपने विवेक से निवेश निर्णय लेने होंगे। साथ ही, नियामक का ध्यान अब कंपनियों के ईएसजी अनुपालन और कॉरपोरेट गवर्नेंस को मजबूत करने पर रहेगा, ताकि बाजार में पारदर्शिता और जवाबदेही बनी रहे।*

वैल्यूएशन को लेकर चिंताएं उठी

सेबी प्रमुख ने स्वीकार किया कि पहले भी कई बार वैल्यूएशन से जुड़ी चिंताएं उठाई जा चुकी हैं-खासतौर पर नए युग की डिजिटल कंपनियों जैसे नाइका, पेटीएम के आईपीओ के समय। इन मामलों में भी निवेशकों के बीच यह सवाल उठे थे कि क्या कंपनियों के वैल्यूएशन उनकी वास्तविक कमाई और संभावनाओं के अनुरूप हैं।

खबर संक्षेप

आर्सेलरमित्तल के शुद्ध लाभ में 31 प्रतिशत वृद्धि

ArcelorMittal

नई दिल्ली। इस्पात एवं खनन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी आर्सेलरमित्तल का चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में शुद्ध लाभ 31.35 प्रतिशत बढ़कर 37.7 करोड़ डॉलर हो गया। कंपनी ने पिछले साल की समान तिमाही में 28.7 करोड़ डॉलर का शुद्ध लाभ कमाया था। कंपनी जनवरी-दिसंबर वित्त वर्ष का अनुसरण करती है।

नंदिनी घी की कीमत 90 रुपए बढ़कर 700 रुपए प्रति लीटर

बेंगलुरु। कर्नाटक दुग्ध महासंघ (केएमएफ) ने नंदिनी घी की कीमत 90 रुपये प्रति लीटर बढ़ाने की घोषणा की है। अब उपभोक्ताओं को इसके लिए 700 रुपये प्रति लीटर चुकाने होंगे। केएमएफ अधिकारियों ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ती लागत के कारण यह निर्णय लिया गया है। वैश्विक स्तर पर भी, मांग के कारण कीमतें बढ़ रही हैं।

556 वें प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में लंगर लगा

नई दिल्ली। पंजाब एण्ड सिंध बैंक शाखा गुरु का ताल आगरा एव शाखा आईबीडी संजय प्लेस आगरा में स्थानीय शाखाओं ने मिलकर दिनांक 05 नवंबर, 2025 को आचलिक प्रबंधक महोदय श्री अगम कुमार जी के नेतृत्व में श्री गुरू नानक देव जी के 556 वें प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में लंगर सेवा एवं चाय-पान का भव्य आयोजन किया। इस अवसर पर आंचलिक कार्यालय आगरा एवं स्थानीय शाखाओं के समस्त स्टाफ उपस्थित रहे। इस सेवा में हजारों लोगों ने लगर (प्रसाद) ग्रहण किया।

वित्त मंत्री ने कहा, जोखिमों के बारे में जागरूक जरूर करेगी

सरकार एफएंडओ में खुदरा निवेशकों को शामिल होने से नहीं रोक सकती : सीतारमण

एजेंसी ▶▶| मुंबई

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार खुदरा विक्रेताओं को वायदा एवं विकल्प (एफ एंड ओ) खंड में कारोबार करने से नहीं रोक सकती, लेकिन ऐसे उत्पादों में पैसा लगाने से जुड़े जोखिमों के बारे में जागरूक जरूर करेगी।

सेबी चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय द्वारा निफ्टी और सेंसेक्स में साप्ताहिक डेरिवेटिव अनुबंधों को बंद करने से इनकार करने के कुछ दिनों बाद आया है। वायदा एवं विकल्प खंड (डेरिवेटिव) पर सरकार के रुख के बारे में पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए, सीतारमण ने कहा कि सरकार 'एफएंडओ कारोबार के दरवाजे बंद करने के लिए नहीं है, लेकिन वह लोगों को डेरिवेटिव में शामिल जोखिमों के बारे में जागरूक कर सकती है।''

निवेशक शामिल होने से पहले जोखिम को समझे

इस खंड में खुदरा विक्रेताओं को काफी नुकसान की विभिन्न रिपोर्ट के बीच उन्होंने यह बात कही। उन्होंने एसबीआई 'बैंकिंग एंड इकॉनमिक्स' सम्मेलन में कहा, "साथ ही, निवेशकों की भी जिम्मेदारी है कि वे इसमें शामिल जोखिमों को समझें। सीतारमण ने एफएंडओ खंड में खुदरा विक्रेताओं के कारोबार के मामले से निपटने के लिए

- निफ्टी व सेंसेक्स में अनुबंध बंद करने से भी किया इंकार
- कारोबार के मामले से निपटने के लिए सुझाव भी मांगे
- वर्ष 2024-25 में एक लाख करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हुआ

सट्टेबाजी पर अंकुश लगाने उपाय पेश किए थे : *भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने पिछले साल नवंबर में डेरिवेटिव कारोबार में अत्यधिक सट्टेबाजी पर अंकुश लगाने के लिए उपाय पेश किए थे। वायदा अनुबंध के तहत खरीदार और विक्रेता एक पूर्व निर्धारित भविष्य की तिथि और मूल्य पर लेन-देन करने के लिए सौदा करते हैं और वे उसके लिए बाध्य होते हैं।*

अनुबंध बेचने का अधिकार होता है पर बाध्यता नहीं

विकल्प सौदों के तहत अनुबंध धारक को एक निश्चित अवधि के भीतर एक निर्धारित मूल्य पर परिसंपत्ति खरीदने या बेचने का अधिकार होता हैं, लेकिन बाध्यता नहीं होती। इन वित्तीय साधनों का उपयोग जोखिमों से बचाव, मूल्य पर सट्टा लगाने और विभिन्न बाजारों में मूल्य निर्धारण (आर्बिट्रेज ट्रेडिंग) अंतर के लिए किया जाता है। हालांकि, इनमें महत्वपूर्ण जोखिम भी होते हैं, जिससे भारी नुकसान हो सकता है।

देश को वैश्विक स्तर के बैंकों की जरूरत

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि देश को बड़े और वैश्विक स्तर के बैंकों की जरूरत है और इस संबंध में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और बैंकों के साथ बातचीत जारी है। सीतारमण ने वित्तीय संस्थानों से उद्योग जगत के लिए कर्ज प्रवाह को बढ़ाने और व्यापक बनाने का आग्रह किया। साथ ही उन्होंने भरोसा जताया कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में कटौती से मांग बढ़ेगी और इससे कुल मिलाकर निवेश बढ़ेगा।

सरकार का मुख्य जोर बुनियादी ढांचे के निर्माण पर

वित्त मंत्री ने कहा, "देश को कई बड़े और विश्वस्तरीय बैंकों की जरूरत है...। सरकार इस पर विचार कर रही है और काम शुरू हो चुका है। हम आरबीआई और बैंकों के साथ इस पर चर्चा कर रहे है।" सीतारमण ने यह भी कहा कि सरकार का मुख्य जोर बुनियादी ढांचे के निर्माण पर है और पिछले दशक में पूंजीगत व्यय में पांच गुना वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि सरकार ने 2014 से व्यापार को सुगम बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण सुधारों को आगे बढ़ाया है।

25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाल गया

सीतारमण ने कहा कि सरकार ने प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से चार लाख करोड़ रुपये से अधिक की बचत की और पिछले दशक में 25 करोड़ लोगों को बहुआयामी गरीबी से बाहर निकाला गया। उन्होंने कहा कि सरकार प्रौद्योगिकी की अगुवाई में वृद्धि पर जोर दे रही है। डेटा (इंटरनेट) की लागत आज कम होकर 10 रुपये प्रति जीबी पर आ गयी है जो 2014 में 300 रुपये प्रति जीबी थी।

सोना 600 रुपये उछला, चांदी भी चमकी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

व्यापारियों की ताजा लिवाली और मजबूत वैश्विक संकेतों के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में सोने की कीमत दो दिनों की गिरावट के बाद बृहस्पतिवार को 600 रुपये बढ़कर 1,24,700 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई।

अखिल भारतीय सराफा संघ ने बताया कि 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत भी 600 रुपये बढ़कर 1,24,100 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गई। मंगलवार को यह 1,23,500 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। स्थानीय सराफा बाजार में, पिछले बाजार सत्र में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 1,24,100 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। बृहस्पतिवार को चांदी की कीमतें 1,800 रुपये बढ़कर 1,53,300 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) हो गईं।

- सोना बढ़कर हुआ 1,24,700 रुपए प्रति 10 ग्राम पर
- चांदी में आई 1,800 रुपए की तेजी

श्री एम. एन. गोयल ने एनएफएल के निदेशक तकनीकी का पदभार संभाला

नोएडा। श्री एम. एन. गोयल ने नेशनल फर्टिलाइज़र्स लिमिटेड (एनएफएल) के निदेशक (तकनीकी) का पदभार ग्रहण कर लिया है। इससे पहले, वे एनएफएल की नंगल इकाई के कार्यकारी निदेशक थे। श्री गोयल गुरु नानक देव इंजीनियरिंग कॉलेज, लुधियाना से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक हैं और रुड़की विश्वविद्यालय (अब आईआईटी रुड़की) से इंजीनियरिंग में स्नातकोत्तर हैं, जहाँ उन्हें विश्वविद्यालय पदक से भी सम्मानित किया गया। प्रक्रिया संयंत्र रखरखाव और परियोजना निष्पादन में उनके पास 33 वर्षों से अधिक का समृद्ध अनुभव है और उन्होंने एनएफएल की बठिंडा, पानीपत और नंगल इकाइयों में विभिन्न प्रमुख पदों पर कार्य किया है। 2018 में भारतीय उर्वरक संघ द्वारा प्रथम पुरस्कार से सम्मानित, श्री गोयल के नाम कई तकनीकी उपलब्धियां दर्ज हैं।

शुक्रवार, 7 नवंबर को शेयर बाजार गिरावट के बाद संभल गया। सेंसेक्स 95 अंक टूटकर 83,216 पर और निफ्टी 17 अंक घटकर 25,492 पर बंद हुआ। शुरुआती कारोबार में बाजार 600 अंक तक गिरा था। सेंसेक्स के 30 में से 16 शेयर लाल निशान पर रहे। एयरटेल 4.4% टूटा, जबकि टेक महिंद्रा, ट्रेंट और रिलायंस में भी गिरावट दिखी। वहीं बजाज फाइनेंस, टाटा स्टील और बजाज फिनसर्व 2% से अधिक चढ़े।

शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन रही

एजेंसी ▶▶| मुंबई

विदेशी पूंजी की लगातार निकासी और निजी क्षेत्र के आईसीआईसीआई बैंक में बिकवाली के बीच बृहस्पतिवार को स्थानीय शेयर बाजार बेहद उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में गिरकर बंद हुए। सेंसेक्स में 148 अंक की गिरावट रही जबकि निफ्टी 88 अंक नीचे आ गया। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 148.14 अंक की गिरावट के साथ 83,311.01 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान इसने 83,846.35 के उच्चतम और 83,237.65 के निम्नतम स्तर को छुआ। निफ्टी 87.95 अंक यानी 0.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,509.70 अंक पर बंद हुआ। यह मानक सूचकांकों में गिरावट का लगातार दूसरा दिन रहा। मंगलवार को भी सेंसेक्स और निफ्टी में खासी गिरावट आई थी। बुधवार को बाजार 'गुरु नानक जयंती' पर बंद रहे थे। बृहस्पतिवार को सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से पावर ग्रिड में सर्वाधिक 3.15 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इटर्नल में 2.44 प्रतिशत, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स में 1.67 प्रतिशत और बजाज फाइनेंस में 1.45 प्रतिशत की गिरावट रही।

श्री दुर्गाजनसेवा ट्रस्ट किराड़ी मैथिली भोजपुरी अकादमी ने दिल्ली सरकार संग मनाया छठा सामा चकेवा महोत्सव

नई दिल्ली। दिल्ली किराड़ी विधानसभा के प्रेमनगर हिंदी विहार लक्ष्मी विहार में श्री दुर्गा जनसेवा ट्रस्ट के द्वारा छठा सामा चकेवा महोत्सव कार्यक्रम मनाया गया जहां क्षेत्र के हजारों लोग सम्मिलित हुए यह त्यौहार भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक है और यह मिथिलांचल का लोकप्रिय त्यौहार है जिसको अब दिल्ली जैसे बड़े शहरों में भी लोग बड़ी धूमधाम से मनाते हैं। श्री दुर्गा जनसेवा ट्रस्ट संस्थापक श्री राम दयाल महतो के द्वारा, हर वर्ष दुर्गा पूजा रामलीला महोत्सव एवं छठ महापर्व का आयोजन भी किया जाता रहा है। बिहार के मिथिलांचल में सामा-चकेवा का खास महत्व है. यह पर्व छठ के साथ ही शुरू हो जाता है और धूमधाम से मनाने की परंपरा है. इस पर्व को भाई-बहन के प्यार के तौर पर मनाया जाता है. इसको लेकर मूर्तिकारों के द्वारा सामा-चकेवा के साथ सतभैया, चुगला जैसे जुड़ी तमाम मूर्तियों का निर्माण किया जाता है. सामा-चकेवा पर्व का संबंध पर्यावरण से भी माना जाता है. पारंपरिक लोकगीतों से जुड़ा सामा-चकेवा मिथिला संस्कृति की वह खासियत है, जो सभी समुदायों के बीच व्याप्त जड़ बाधाओं को तोड़ता है. आठ दिनों तक यह उत्सव मनाया जाता है और नौवें दिन बहनें अपने भाइयों को धान की नयी फसल का चूड़ा एवं दही खिला कर सामा-चकेवा की मूर्तियों को तालाब में विसर्जित कर देते हैं। पौराणिक कथाओं के मुताबिक, भगवान कृष्ण की पुत्री श्यामा और पुत्र शाम्ब के बीच अपार स्नेह था. कृष्ण की पुत्री श्यामा ऋषि कुमार चारूदत्त से ब्याही गयी थी. श्यामा ऋषि मुनियों की सेवा करने बराबर उनके आश्रमों में जाया करती थी. भगवान कृष्ण के मंत्री चुरक को रास नहीं आया और उसने श्यामा के विरुद्ध राजा से शिकायत करना शुरू कर दिया।

फेस्टिव सीजन के बाद सोना-चांदी पर मंदी की मार:

-21 दिन में सोना ₹10,643 और चांदी ₹30,090 सस्ती

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले तीन हफ्तों में सोने और चांदी दोनों की कीमतों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। फेस्टिव सीजन की शुरुआत में रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने के बाद अब बाजार में ठंडक देखी जा रही है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक, 7 नवंबर तक सोने की कीमत 21 दिनों में ₹10,643 कम होकर ₹1,20,231 प्रति 10 ग्राम रह गई है। 17 अक्टूबर को सोना अपने अब तक के उच्चतम स्तर ₹1,30,874 प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया था। इसके बाद लगातार गिरावट का सिलसिला जारी है। केवल 7 नवंबर को ही इसमें ₹439 की कमी आई। एक दिन पहले यानी 6 नवंबर को इसका भाव ₹1,20,670 प्रति 10 ग्राम था। इसी तरह चांदी की कीमतों में भी तेज गिरावट आई है। 14 अक्टूबर को चांदी ₹1,78,100 प्रति किलोग्राम के उच्चतम स्तर पर थी, जबकि अब यह ₹1,48,010 प्रति किलोग्राम रह गई है। यानी 24 दिनों में ₹30,090 की कमी आई है। 7 नवंबर को चांदी ₹232 सस्ती हुई, जबकि एक दिन पहले इसका भाव ₹1,48,242 प्रति किलो था। विशेषज्ञों का कहना है कि दीपावली और धनतेरस जैसे त्योहारों के बाद घरेलू डिमांड घटने के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय बाजार में डॉलर की मजबूती और ब्याज दरों में स्थिरता से भी कीमती धातुओं पर दबाव बना है। इसके अलावा निवेशक अब मुनाफावसूली के मूड में हैं, जिससे बाजार में गिरावट और बढ़ी है। IBJA द्वारा जारी रेट्स में 3% जीएसटी, मेकिंग चार्ज और ज्वेलर्स मार्जिन शामिल नहीं होता। इसलिए अलग-अलग शहरों में कीमतों में थोड़ा अंतर रहता है। इन दरों का उपयोग भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) सोवरेन गोल्ड बॉन्ड (SGB) की दरें तय करने के लिए करता है। साथ ही कई बैंक इन्हीं रेट्स के आधार पर अपने गोल्ड लोन के मूल्य निर्धारित करते हैं। बाजार विशेषज्ञों का अनुमान है कि निकट भविष्य में यदि अंतरराष्ट्रीय बाजार में डॉलर इंडेक्स और अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में स्थिरता बनी रहती है, तो सोने-चांदी में यह मंदी कुछ और समय तक जारी रह सकती है।

राशिफल

मेष — किसी अज्ञात भय से परेशान रहेंगे। परिवार के स्वास्थ का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय रहेगा। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा।

वृष — शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा।

मिथुन — व्यर्थ के झगड़े एवं विवादों से बचें। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सुधार होगा। आत्मसंयत रहें। पठन-पाठन में रुचि रहेगी।

कर्क — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी।

सिंह — रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। किसी राजनेता से भेंट हो सकती है।

कन्या — धार्मिक संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। कारोबार में भागदौड़ बढ़ सकती है। कार्यक्षेत्र में कुछ कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

तुला — क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। धन की स्थिति में सुधार होगा।

वृश्चिक — धन की स्थिति में सुधार आएगा। वस्त्र उपहार में मिल सकते हैं। पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे।

धनु — वाणी में मधुरता रहेगी। धैर्यशीलता बनाये रखें। कुछ पुराने मित्रों से भेंट हो सकती है। आलस्य की अधिकता रहेगी। दिनचर्या अव्यवस्थित हो सकती है।

मकर — लाभ के अवसर मिलेंगे। परिश्रम अधिक रहेगा। वाणी में मधुरता रहेगी। धैर्यशीलता बनाये रखें। परिश्रम की अधिकता रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कुंभ — कारोबार में सुधार होगा। लाभ में वृद्धि होगी। किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। सेहत का ध्यान रखें।

मीन — आय में वृद्धि होगी। माता से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। दिनचर्या अव्यवस्थित रहेगी। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। बातचीत में सन्तुलित रहें।

भारतीय एमएसएमई की उत्पादकता सीमित: डेलॉइट

नई दिल्ली। भारत के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) देश की आर्थिक प्रगति के मजबूत स्तंभ हैं, जो रोजगार, उत्पादन और निर्यात वृद्धि में अहम भूमिका निभाते हैं। यह क्षेत्र भारत के जीडीपी में लगभग 30 प्रतिशत, निर्यात में 45 प्रतिशत का योगदान देता है और 24 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान करता है। डेलॉइट इंडिया के एक नवीनतम अध्ययन के अनुसार, भारतीय एमएसएमई की उत्पादकता में अब भी गंभीर अंतर बना हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के एमएसएमई की उत्पादकता बड़ी कंपनियों की तुलना में केवल 18 प्रतिशत है, जबकि ओईसीडी देशों में यह 45-70 प्रतिशत के बीच है। यही अंतर भारतीय एमएसएमई की वैश्विक प्रतिस्पर्धा को सीमित करता है। भारत का एमएसएमई क्षेत्र अब भी कई संरचनात्मक और दीर्घकालिक चुनौतियों का सामना कर रहा है, जिनमें औपचारिक ऋण तक सीमित पहुँच, पुरानी तकनीक, नियामकीय जटिलताएँ और बुनियादी ढाँचे से जुड़ी बाधाएँ शामिल हैं," डॉ. रुमकी मजूमदार, इकोनॉमिस्ट, डेलॉइट इंडिया ने

के.आर. मंगलम विवि वार्षिक उत्सव 'आइडियाज़ 3.0' के पहले दिन नवाचार

गुरुग्राम। के.आर. मंगलम विश्वविद्यालय, गुरुग्राम के वार्षिक नवाचार एवं रचनात्मकता महोत्सव'आइडियाज 3.0'के पहले दिन परिसर उत्साह, जोश और सृजनशील ऊर्जा से भर उठा। इस दो दिवसीय आयोजन के पहले दिन विश्वविद्यालय परिसर में लगभग8,000 से अधिक विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं आगंतुकोंने भाग लिया और नवाचार, उद्यमिता एवं सांस्कृतिक विविधता का उत्सव मनाया। कार्यक्रम का शुभारंभडी ब्लॉक मंचपर हुआ, जिसका उद्घाटनमाननीय श्री न्यायमूर्ति यू.यू. ललित, भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश, एवंप्रो. (डॉ.) राज नेहरू, विशेष कार्य अधिकारी (ओएसडी), मुख्यमंत्री, हरियाणा सरकारद्वारा किया गया। विश्वविद्यालय ने अन्य विशिष्ट अतिथियों का भी स्वागत किया, जिनमेंडॉ. मनोज धर, निदेशक, एकेडमी ऑफ साइंटिफिक एंड इनोवेटिव रिसर्च ; प्रो. (डॉ.) एस.एस. अग्रवाल, एमेरिटस साइंटिस्ट एवं सलाहकार, सी-डैक (नोएडा); श्री ताकाशी सुजुकी, मुख्य महानिदेशक, जेईटीआरओ इंडिया; एवंप्रो. अशोक ऐमा, पूर्व कुलपति, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ जम्मूशामिल रहे। अपने स्वागत भाषण मेंप्रो. रघुवीर सिंह, कुलपति, के.आर. मंगलम विश्वविद्यालय, ने कहा कि 'आइडियाज 3.0' विश्वविद्यालय की उस दृष्टि को अभिव्यक्त करता है।

PUBLIC NOTICE

My husband Late Sh. Mahender Kumar Verma S/o Sh. Ram Saroop Verma R/o, E-167, Block-E, Shastri Nagar North West, Delhi-110052, had purchased Flat No.-0208, in tower SOCRATES 2, CZAR Suites project, situated at Plot No - GH02, Sector-Omicron, Greater Noida West, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201308, after his death, I requested M/s Supertech Limited to transfer the said flat on my name alone, if anybody has any objection, he/she may contact M/s Supertech Limited office at Supertech E-Square, Plot No C2, Sector 96, Noida, Uttar Pradesh, India 201303 within 15 days of the published notice

Mrs, Usha Verma
W/o Late Mahender Kumar Verma

शब्द पहेली - 6040

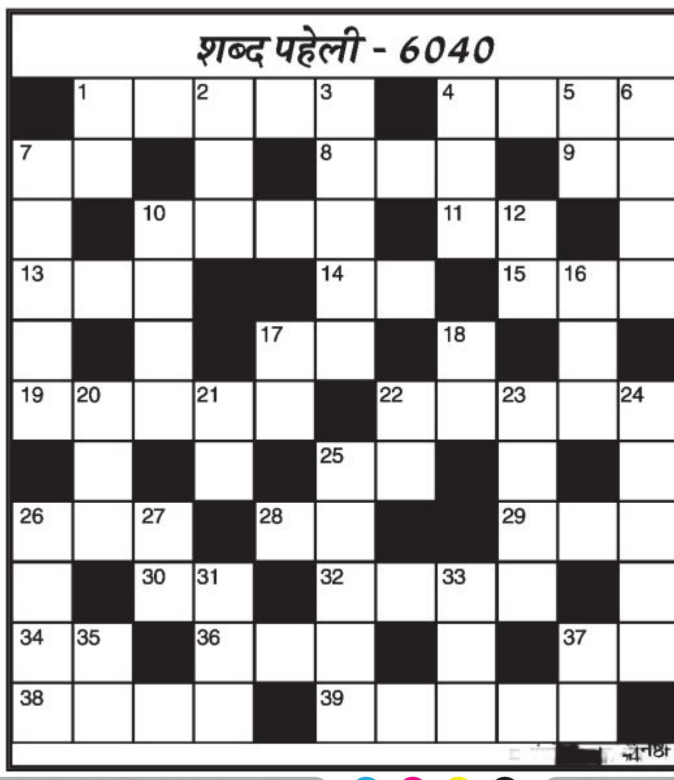

बाएँ से दाएँ

1.राजीव गांधी की पत्नी का नाम-3,2
4.उदारता,बडप्पन-4
7.भोजन,खाद्य पदार्थ-2
8.प्रहरी,रक्षा करने वाला-3
9.अपशिष्ट पदार्थ-2
10.कामदेव,चंद्रमा-4
11.नाड़ी,नस-2
13.जबरन,जबरदस्ती-3
14.वायदा,वचन-2
15.भवन,आलय-3
17.आर्ट,हुनर-2
19.ख्वाबगाह, आरामगाह, सोने का कमरा-5
22.उद्देश्यहीनता-5
25.परिणाम-2
26.अंजन,नेत्रांजन-3
28.सांझ,संध्या-2
29.अधीन-3
30.निश्चित-2
32.निष्ठावान,सत्तानिष्ठ-4
34.बेइमान,सेंधमार-2
36.दाम,मूल्य-3
37.एक छोटी सवारी गाड़ी-2
38.मुस्लिम कैलेंडर का एक महीना-4
39.अश्रु,आंसू-5

ऊपर से नीचे

1.स्वर्ण,कनक-2
2.गुजर करना-3
3.धैर्यवान-3,2
4.राशिचक्र की एक राशि-3
5.आंशिक भीगा हुआ-2
6.सामंजस्य-4
7.यायावर,बंजारा-5
10.चुनाव,वोटिंग-4
12.दुख,कष्ट-2
16.यज्ञ,होम-3
17.कमरा,रूम-2
18.उम्मीद,आस-2
20.जुड़वा-3
21.प्याला-2
22.हृदय,हार्ट-2
23.निकृष्टतर-4
24.बलवान,दमदार-5
25.स्वदेशवासी-5
26.आलसी,निठल्ली-4
27.बुरी आदत-2
31.भरोसा,विश्वास-3
33.आंचल,पल्लू-3
35.अंग्रेजी शराब का एक प्रकार-2
37.समय, वक्त-2

शब्द पहेली -6039 का हल

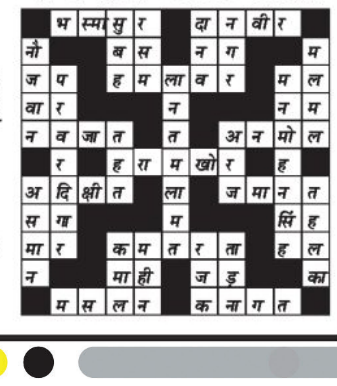

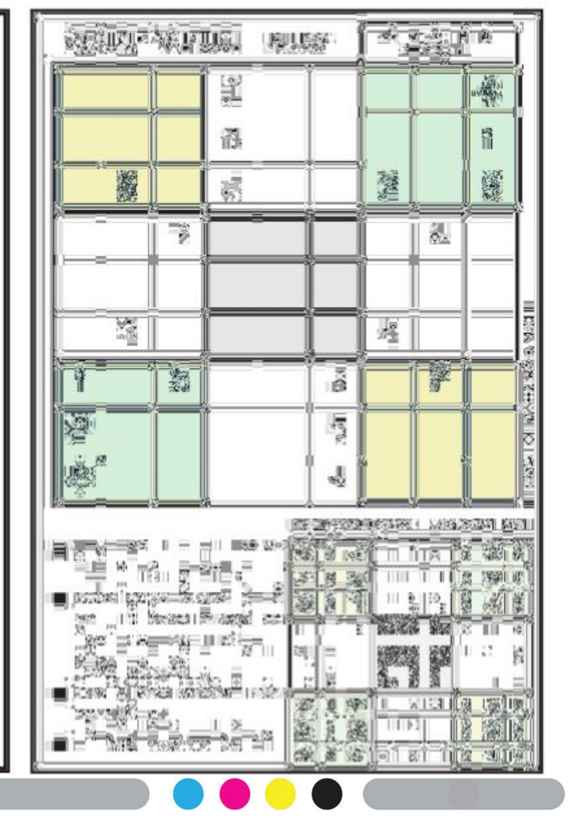

विमेंस प्रीमियर लीग 2026: सभी टीमों ने जारी की रिटेंशन सूची, इन खिलाड़ियों को किया गया रिटेन

एजेंसी ▶▶| मुंबई

विमेंस प्रीमियर लीग के आगामी संस्करण के लिए सभी टीमों ने रिटेन किए गए खिलाड़ियों की सूची जारी कर दी है। गत विजेता मुंबई इंडियंस ने कप्तान हरमप्रीत कौर समेत अपने प्रमुख खिलाड़ियों को बरकरार रखा है। इसी क्रम में सभी टीमों ने अपने-अपने जरूरत के हिसाब से खिलाड़ियों पर दांव लगाया और बाकी खिलाड़ियों को रिलीज किया है। नीलामी 27 नवंबर को दिल्ली में होने की संभावना है। ऐसे में आइए टीमों द्वारा रिटेन किए गए खिलाड़ियों पर एक नजर डाल लेते हैं।

टीमों ने इन खिलाड़ियों को किया रिटेन

दिल्ली कैपिटल्स: एनेबेल सदरलैंड, मारिजैन कप्प, जेमिमा रोड्रिगेज, शफाली वर्मा और निकी प्रसाद। मुंबई इंडियंस: हरमनप्रीत कौर, नैट साइवर-ब्रंट, अमनजोत कौर, जी कमिलिनी और हेली मैथ्यूज। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु: स्मृति मंधाना, एलिस पेरी, ऋचा घोष और श्रेयंका पाटिल। गुजरात जायंट्स: एश्ले गार्डनर और बेथ मूनी। यूपी वॉरियर्स: श्वेता सहरावत। यूपी की टीम ने सिर्फ 1 और गुजरात ने सिर्फ 2 खिलाड़ियों को रिटेन किया है। डीसी की टीम और एमआई की टीम ने 5-5 खिलाड़ियों को रिटेन किया है।

रिटेन किए गए खिलाड़ियों को मिलेंगे इतने पैसे

प्रीमियर लीग की नीलामी के लिए प्रत्येक फ्रेंचाइजी को 15 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की गई है। बोर्ड ने रिटेंशन नियमों के साथ खिलाड़ियों की श्रेणीवार कीमतें भी तय की हैं। रिटेन किए गए खिलाड़ी 1 के लिए 3.5 करोड़, खिलाड़ी 2 के लिए 2.5 करोड़, खिलाड़ी 3 के लिए 1.75 करोड़, खिलाड़ी 4 के लिए 1 करोड़ और खिलाड़ी 5 के लिए 50 लाख रुपये।

अन्य टीमों के पास बचे इतने पैसे

यूपी वॉरियर्स ने श्वेता को बतौर अनकैप्ड खिलाड़ी रिटेन किया है, जिसके चलते उनके पास सबसे बड़ा 14.5 करोड़ रुपये का पर्स और 4 आरटीएम कार्ड होंगे। गुजरात जायंट्स के पास केवल भारतीय खिलाड़ियों के लिए 3 आरटीएम कार्ड और 9 करोड़ रुपये का पर्स रहेगा। वहीं, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के पास एक आरटीएम कार्ड और 6.25 करोड़ रुपये शेष रहेंगे।

इन बड़े खिलाड़ियों को टीमों ने किया रिलीज

ऑस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली और मेग लैनिंग के साथ न्यूजीलैंड की ऑलराउंडर अमेलिया कर को उनकी टीमों ने रिलीज कर दिया है। ये सभी खिलाड़ी नीलामी पूल में शामिल होंगी। बड़े नामों में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की दीप्ति शर्मा भी शामिल हैं, जिन्होंने विश्व कप में 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' का पुरस्कार जीता था। दीप्ति ने 2025 संस्करण में हीली की गैरमौजूदगी में यूपी वॉरियर्स की कप्तानी भी की थी।

डीसी और एमआई के पर्स में बचे इतने पैसे

पांच खिलाड़ियों को रिटेन करने वाली टीम के पास 9.25 करोड़ रुपये बचे हैं। 4 खिलाड़ियों के रिटेंशन पर 8.75 करोड़, 3 पर 7.75 करोड़, 2 पर 6 करोड़ और 1 खिलाड़ी पर 3.5 करोड़ रुपये की कटौती होगी। इस तरह, डीसी और एमआई के पास अपनी टीम बनाने के लिए 5.75-5.75 करोड़ रुपये बचेंगे। दोनों टीमों के पास राइट टू मैच कार्ड उपलब्ध नहीं होंगे और उन्हें 16 से 18 खिलाड़ियों का दल तैयार होगा।

मलोलन रंगराजन को आरसीबी ने बनाया अपना मुख्य कोच

नई दिल्ली। मलोलन रंगराजन को आगामी विमेंस प्रीमियर लीग संस्करण के लिए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का नया मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। वे ल्यूक विलियम्स की जगह लेंगे, जो 2024 से इस पद पर थे। इस संस्करण की शुरुआत जनवरी 2026 में होनी है, जबकि उसी समय विलियम्स बिग बैश लीग में एडिलेड स्ट्राइकर्स के मुख्य कोच के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे। ऐसे में आइए पूरी खबर पर नजर डालते हैं।

कौन है रंगराजन ?

रंगराजन तमिलनाडु क्रिकेट टीम के लिए घरेलू क्रिकेट खेलते थे। वह पिछले छह सालों से आरसीबी की फ्रेंचाइजी से जुड़े हुए हैं और इस दौरान उन्होंने कई अहम भूमिकाएं निभाई हैं। पिछले 2 वर्षों से वे महिला टीम के सहायक कोच की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। अपने अनुभव और रणनीतिक समझ के दम पर उन्होंने टीम के प्रदर्शन को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिसके चलते अब उन्हें मुख्य कोच का पद सौंपा गया है।

खबर संक्षेप

न्यूजीलैंड ने दूसरे टी-20 में वेस्टइंडीज को हराया

ईडन पार्क। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम ने दूसरे टी-20 मैच में वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम को 3 रन से हराते हुए सीरीज में फिलहाल 1-1 से बराबरी हासिल की। ईडन पार्क में कीवी टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए मार्क चैपमैन के अर्धशतक (78) की मदद से 207/5 का स्कोर बनाया। जवाब में कैरेबियाई टीम पूरे ओवर खेलने के बाद 204/8 का स्कोर ही बना सकी।
इस तरह से रोमांचक रहा मुकाबला न्यूजीलैंड से डेवोन कॉनवे (16) और रचिन रविंद्र (11) जल्दी आउट हुए। इसके बाद टिम रॉबिन्सन (39) और चैपमैन (78) ने तेजी से बल्लेबाजी की। आखिरी ओवरों में डेरिल मिचेल (28*) और मिचेल सैंटनर (18*) ने टीम का स्कोर 200 के पार पहुंचाया। जवाब में ब्रैंडन किंग शून्य पर आउट हुए। वहीं, एलिक एथानेज (33) और शाई होप (24) बड़ी पारी नहीं खेल सके। इनके बाद रोवमैन पॉवेल (45) और रोमारियो (34) ने संघर्ष किया, लेकिन जीत नहीं दिला सके।

कमिंस की निगाह दूसरे एशेज टेस्ट में वापसी पर

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस दूसरे एशेज टेस्ट के लिए वापसी करने की राह पर हैं, लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि मैचों के बीच कम अंतराल को देखते हुए वह इंग्लैंड के खिलाफ सभी अंतिम चारों मैच में नहीं खेल पाएंगे। कमिंस पीठ की चोट के कारण 21 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाले पहले टेस्ट मैच में नहीं खेल पाएंगे। उनकी अनुपस्थिति में ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी स्टीव स्मिथ करेंगे। हालांकि उम्मीद की जा रही है कि वह पहले टेस्ट तक पूरी ताकत से गेंदबाजी करने लगेंगे। दूसरा टेस्ट मैच चार दिसंबर से ब्रिस्बेन में खेला जाएगा और उससे पहले ही उनकी वापसी पर फैसला होगा। कमिंस ने गुरुवार को क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू से कहा मैं वास्तव में अच्छी तरह से तैयार हो रहा हूं और पहले टेस्ट मैच के दौरान मुझे सही तरह से पता चल जाएगा कि मैं किस स्थिति में हूं।

स्वियातेक को हराकर अनिसिमोवा अंतिम-4 में

रियाद। अमांडा अनिसिमोवा ने पहला सेट टाइब्रेकर में गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज इगा स्वियातेक को 6-7 (3), 6-4, 6-2 से हराकर डब्ल्यूटीए फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट के अंतिम चार में प्रवेश किया। अमेरिका की इस 24 वर्षीय खिलाड़ी ने विंबलडन के फाइनल में पोलैंड की खिलाड़ी से 6-0, 6-0 से हारने के बाद स्वियातेक पर लगातार दूसरी जीत हासिल की।

आखिरी ओवरों में अक्षर ने बनाए 21 रन, बने प्लेयर ऑफ द मैच

भारत ने चौथे टी-20 में ऑस्ट्रेलिया को 48 रन से हराया, सीरीज में बनाई 2-1 से बढ़त

एजेंसी ▶▶| कैरारा गोल्ड कोस्ट

भारतीय क्रिकेट टीम ने चौथे टी-20 मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम को 48 रन से हरा दिया। इसी के साथ 5 मैचों की सीरीज में टीम ने 2-1 से बढ़त ले ली है। सीरीज का पहला मुकाबला बारिश के कारण रद्द हो गया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने 167/8 का स्कोर बनाया था। जवाब में ऑस्ट्रेलिया की टीम 119 रन ही बना पाई। ऐसे में आइए मैच में बने रिकॉर्ड्स पर एक नजर डालते हैं।

मैच का लेखा-जोखा

मुकाबले में कंगारू टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। भारतीय टीम के लिए शुभमन गिल ने सबसे बड़ी 46 रनों की पारी खेली। उन्होंने 39 गेंदों का सामना करते हुए ये रन बनाए। आखिरी ओवरों में अक्षर पटेल ने तेज 21 रन बनाए। नाथन एलिस और एडम जैम्पा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3-3 विकेट लिए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया के लिए कोई बड़ी पारी नहीं खेल पाया। अक्षर, वाशिंगटन सुंदर और शिवम दुबे ने 2-2 विकेट लिए।

एलिस ने टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर में पूरे किए 50 विकेट

एलिस ने अपने टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर में 50 विकेट पूरे कर लिए। उन्होंने अपना पहला मुकाबला साल 2021 में बांग्लादेश क्रिकेट टीम के खिलाफ खेला था। इस खिलाड़ी ने अब तक 31 मुकाबले खेले हैं और इसकी 31 पारियों में 17.48 की उम्दा औसत से 50 विकेट लिए हैं। उन्होंने 1 बार 4 विकेट हॉल भी लिया है और उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 4/28 का रहा है। उन्होंने अपने करियर में सबसे ज्यादा विकेट (16) भारत के खिलाफ ही लिए हैं।

जैम्पा ने हारिस रऊफ को छोड़ा पीछे

जैम्पा के टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 134 विकेट हो गए हैं। उन्होंने 107 मुकाबलों की 105 पारियों में ये विकेट लिए हैं। वह इस प्रारूप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ियों में 8वें स्थान पर हैं। इस खिलाड़ी ने पाकिस्तान क्रिकेट टीम के हारिस रऊफ को पीछे छोड़ा है। रऊफ ने 94 मुकाबले खेले हैं और 21.10 की औसत से 133 विकेट अपने नाम किए हैं। इस सूची में 182 विकेट के साथ पहले स्थान पर राशिद खान हैं।

अक्षर ने किया शानदार ऑलराउंडर प्रदर्शन

अक्षर ने मैच में शानदार ऑलराउंडर प्रदर्शन किया। पहले उन्होंने आखिरी ओवरों में ताबड़तोड़ 11 गेंदों में 21 रन बनाए। उनके बल्ले से 1 चौका और 1 छक्का निकला। उनकी स्ट्राइक रेट 190.91 की रही। इसके बाद गेंदबाजी में भी अक्षर छा गए। उन्होंने अपने कोटे के 4 ओवर में सिर्फ 20 रन खर्च किए और 2 बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा। उनकी इकॉनमी 5 की रही। अक्षर ने मैथ्यू शॉर्ट (25) और जोश इंग्लिश (12) को अपना शिकार बनाया।

स्कोर बोर्ड

भारत	रन	गेंद	4	6
अभिषेक शर्मा का डेविड बो जंपा	28	21	3	1
शुभमन गिल बो एलिस	46	39	4	1
शिवम दुबे बो एलिस	22	18	1	1
सूर्यकुमार यादव का डेविड बो बार्टलेट	20	10	0	2
तिलक वर्मा का इंग्लिस बो जंपा	05	06	0	0
जितेश शर्मा पगबाधा बो जंपा	03	04	0	0
वाशिंगटन का कुनहेमन बो एलिस	12	07	2	0
अक्षर पटेल नाबाद	21	11	1	1
अर्शदीप का फिलिप बो स्टोइनिस	00	03	0	0
वरुण चक्रवर्ती नाबाद	01	01	0	0

अतिरिक्त: 09 कुल: 20 ओवर में 167/8 रन
गेंदबाजी: इवारशुइस 4-0-31-0, बार्टलेट 4-0-26-1 एलिस 4-0-21-3, स्टोइनिस 4-0-41-1, जंपा 4-0-45-3

ऑस्ट्रेलिया	रन	गेंद	4	6
मिचेल मार्श का अर्शदीप बो दुबे	30	24	4	0
मैथ्यू शॉर्ट पगबाधा बो अक्षर	25	19	2	2
जोश इंग्लिस बो अक्षर	12	11	2	0
टिम डेविड का सूर्यकुमार बो दुबे	14	09	1	1
जोश फिलिप का चक्रवर्ती बो अर्शदीप	10	10	1	0
मार्कस पगबाधा बो वाशिंगटन	17	19	2	0
ग्लेन मैक्सवेल बो चक्रवर्ती	02	04	0	0
बेन इवारशुइस बो बुमराह	05	07	0	0
जेवियर बार्टलेट का एव बो वाशिंगटन	00	01	0	0
नाथन एलिस नाबाद	02	05	0	0
एडम जंपा का गिल बो वाशिंगटन	00	01	0	0

अतिरिक्त: 02, कुल: 18.2 ओवर में 119/10 रन
गेंदबाजी: अर्शदीप 3-0-22-1, बुमराह 4-0-27-1, चक्रवर्ती 4-0-26-1, अक्षर 4-0-20-2, दुबे 2-0-20-2, वाशिंगटन 1.2-0-3-3

पैरा तीरंदाज शीतल देवी ने नया कीर्तिमान स्थापित किया, भारत की एशिया कप सक्षम टीम में जगह बनाई

नई दिल्ली (भाषा)। जन्म से ही भुजाहीन पैरा तीरंदाज शीतल देवी ने बृहस्पतिवार को एक और उपलब्धि हासिल करते हुए जेद्दा में होने वाले आगामी एशिया कप चरण तीन के लिए भारत की सक्षम जूनियर टीम में जगह बनाई। पिछले साल नवंबर में ही अमिताभ बच्चन के 'कौन बनेगा करोड़पति' शो में शीतल ने एक इच्छा व्यक्त की थी 'एक दिन सक्षम एथलीटों के साथ प्रतिस्पर्धा करना'। ठीक एक साल बाद उनका यह सपना साकार हो गया। विश्व कंपाउंड चैंपियन शीतल के लिए एक सक्षम अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए भारतीय टीम में शामिल होना एक और ऐतिहासिक उपलब्धि है। शीतल ने टीम की घोषणा के बाद सोशल मीडिया पर लिखा, ''जब मैंने प्रतिस्पर्धा शुरू की थी तो मेरा एक छोटा सा सपना एक दिन सक्षम तीरंदाजों के साथ प्रतिस्पर्धा करना था। शुरुआत में मैं इसमें सफल नहीं हो पाई, लेकिन मैं हर असफलता से सीखते हुए आगे बढ़ती रही। आज वह सपना एक कदम और करीब आ गया है।'' पेरिस पैरालंपिक 2024 में मिश्रित टीम कंपाउंड स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने वाली शीतल ने तुर्की की पेरिस पैरालंपिक चैंपियन ओजनूर क्यूर गिर्डी से प्रेरणा ली जो विश्व स्तर पर सक्षम तीरंदाजों की स्पर्धाओं में भी भाग लेती हैं। देश भर के 60 से ज्यादा सक्षम तीरंदाजों के बीच समान परिस्थितियों में प्रतिस्पर्धा करते हुए जम्मू-कश्मीर की 18 वर्षीय तीरंदाज शीतल सोनीपत में हुए चार दिवसीय राष्ट्रीय चयन ट्रायल में तीसरे स्थान पर रहीं। शीतल ने क्वालीफिकेशन दौर में 703 अंक हासिल किए (पहले दौर में 352 और दूसरे दौर में 351) जो शीर्ष क्वालीफायर तेजल साल्वे के कुल अंक के बराबर स्कोर था। फाइनल रैंकिंग में तेजल (15.75 अंक) और वैदेही जाधव (15 अंक) ने शीर्ष दो स्थान हासिल किए जबकि शीतल ने 11.75 अंक के साथ तीसरा स्थान हासिल किया।

शतरंज विश्व कप : गुजरात तीसरे दौर में, निहाल सरीन बाहर

पणजी (गोवा) (भाषा)। ग्रैंडमास्टर विदित गुजराती ने बृहस्पतिवार को यहां फिडे शतरंज विश्व कप के दूसरे दौर में अर्जेंटीना के 12 वर्षीय ओरो फॉस्टिनो पर जीत दर्ज की जबकि निहाल सरीन यूनान के ग्रैंडमास्टर कौरकोलोस-आर्डिटिस स्टेमैटिस से हारकर बाहर हो गए। केरल के ग्रैंडमास्टर निहाल को इस टूर्नामेंट में अपनी छाप छोड़ने की उम्मीद थी लेकिन स्टेमैटिस ने लगातार उन पर दबाव बनाया जिससे इस भारतीय ने कई मौके मिलने के बावजूद बाजी गंवा दी। भारत को दिन में दूसरा सबसे बड़ा झटका अरविंद चितम्बरम के हारने से मिला जो हमवतन के वेंकटरमनन से पराजित हो गए। ग्रैंडमास्टर गुजराती ने कुछ मुश्किलों के बाद अंतिम 64 चरण में जगह बनाई। उन्होंने काले मोहरों से खेलते हुए फॉस्टिनो के खिलाफ पहला गेम ड्रॉ कराया जबकि दूसरे में जीत दर्ज की। विश्व जूनियर चैंपियन वी प्रणव भी नॉवें के आर्यन तारी को हराकर नॉकआउट टूर्नामेंट के अंतिम 64 चरण में पहुंच गए।

टी-20 विश्व कप 2026

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा फाइनल मुकाबला

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम को टी-20 विश्व कप 2026 के फाइनल की मेजबानी के लिए चयनित किया गया है। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल जल्द ही टूर्नामेंट का शेड्यूल जारी कर सकती है।

रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के अधिकारियों की बैठक में फैसला लिया गया कि इस बार विश्व कप 2023 की तुलना में कम शहरों में मैच खेले जाएंगे। हर जगह कम से कम 6 मुकाबले आयोजित किए जाएंगे। टूर्नामेंट की शुरुआत 2026 की शुरुआत में होने की संभावना है और बीसीसीआई ने शेड्यूल आईसीसी को भेजा है। गौरतलब है कि भारत और श्रीलंका मिलकर इस टूर्नामेंट की मेजबानी करने वाले हैं।

इन स्टेडियम में होंगे मैच

बीसीसीआई ने टी-20 विश्व कप 2026 के लिए अहमदाबाद, दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई और मुंबई को संभावित स्थलों के रूप में चयनित किया है। जानकारी के मुताबिक, श्रीलंका में भी 3 स्टेडियमों पर मैच खेले जाएंगे, हालांकि उनके नामों पर अभी स्पष्टता नहीं है। वहीं, बेंगलुरु और लखनऊ को मेजबान शहरों में शामिल किया जाएगा या नहीं इस पर भी फिलहाल कोई फैसला नहीं हुआ है। भारत और श्रीलंका मिलकर इस टूर्नामेंट की मेजबानी करने वाले हैं।

ये टीमें होंगे शामिल

विश्व कप में हिस्सा लेने वाली सभी 20 टीमें निर्धारित हो गई हैं। मेजबान भारत,श्रीलंका के अलावा, पाकिस्तान, बांग्लादेश, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज, जिम्बाब्वे, अफगानिस्तान, नेपाल, ओमान, यूएई, इटली, नीदरलैंड, नामीबिया, अमेरिका, कनाडा और आयरलैंड की टीमें हिस्सा लेंगी। कनाडा, इटली,नीदरलैंड ने क्वालीफायर के जरिए अपनी जगह पक्की की है।

भारत-पाकिस्तान के मुकाबले कोलंबो में होंगे

बीसीसीआई ने स्पष्ट किया है कि भारत और पाकिस्तान के बीच मैच पहले से हुए समझौते के अनुसार कोलंबो में खेला जाएगा। इसके तहत दोनों टीमें अपने लीग मैच किसी तीसरे देश में खेलेंगी। बीसीसीआई और पीसीबी ने चैंपियंस ट्रॉफी से पहले यह तय किया था कि अब वे एक-दूसरे के देशों की यात्रा नहीं करेंगे और तटस्थ मैदानों पर खेलेंगे। टूर्नामेंट की शुरुआत 2026 की शुरुआत में होने की संभावना है और बीसीसीआई ने शेड्यूल आईसीसी को भेजा है।

चैंपियंस लीग : इंटर मिलान का विजय अभियान जारी, बार्सिलोना ने ड्रॉ खेला

एजेंसी ▶▶| मिलान

इंटर मिलान ने कजाकिस्तान के क्लब कैराट को 2-1 से हराकर चैंपियंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट में अपना विजय अभियान जारी रखा लेकिन बार्सिलोना को क्लब ब्रुग ने ड्रॉ पर रोक दिया जबकि एर्लिंग हालैंड ने गोल करने का क्रम जारी रखा जिससे मैनचेस्टर सिटी ने बोरूसिया डॉर्टमुंड पर 4-1 से जीत हासिल की। पिछले वर्ष की उपविजेता इंटर के लिए लुटारो मार्टिनेज और कार्लोस ऑगस्टो ने प्रत्येक हाफ में एक गोल किया, जिससे वह इस प्रतियोगिता में बायर्न म्यूनिख और आर्सेनल के साथ चार मैचों में चार जीत हासिल करने वाली तीसरी टीम बन गई है।

आत्मघाती गोल से स्कोर हुआ बराबर

बार्सिलोना ने क्लब ब्रुग के खिलाफ 3-3 से ड्रॉ रहे मैच में तीन बार पिछड़ने के बाद वापसी की। बेल्जियम में खेले गए इस मैच में बार्सिलोना को वापसी दिलाने में लामिन यामल का अहम योगदान रहा। उन्होंने 61वें मिनट में गोल किया और 77वें मिनट में उनके ही शॉट पर क्लब ब्रुग के मिडफील्डर क्रिस्टोस त्जोलिस ने आत्मघाती गोल कर दिया जिससे स्कोर 3-3 हो गया।

वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन का तोहफा, स्मृति बनीं प्लेयर ऑफ द मंथ

दुबई। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने अक्टूबर महीने के प्लेयर ऑफ द मंथ के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्मृति मंधाना को नामांकित किया है। उनके साथ-साथ दक्षिण अफ्रीका महिला क्रिकेट टीम की लौरा वोल्वार्ड्ट और ऑस्ट्रेलिया की एश्ले गार्डनर नामित हुई हैं। दूसरी तरफ पुरुष वर्ग में दक्षिण अफ्रीका के सेनुरन मुथुसामी, पाकिस्तान के नोमान अली और अफगानिस्तान के राशिद खान नामांकित हुए हैं। मंधाना के लिए वनडे विश्व कप 2025 शानदार बीता। उन्होंने 9 मैचों की इतनी ही पारियों में 54.25 की औसत और लगभग 100 की स्ट्राइक रेट के साथ 434 रन बनाए। इस बीच उन्होंने 1 शतक और 2 अर्धशतक लगाए हैं। वह फाइनल मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 45 रन बनाकर आउट हुई थी। दिलचस्प रूप से मंधाना विश्व कप के एक संस्करण में सर्वाधिक रन बनाने वाली भारतीय महिला बल्लेबाज बनी थी। सलामी बल्लेबाज लौरा वोल्वार्ड्ट महिला विश्व कप 2025 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज रहीं। उन्होंने 9 मैच खेले और इसकी 9 पारियों में 71.37 की औसत और 98.78 की स्ट्राइक रेट से 571 रन बनाए। उन्होंने 460 रन अक्टूबर में हुए विश्व कप मैचों में बनाए। विश्व कप में गार्डनर ने 7 मुकाबले खेले, जिसमें 328 रन बनाने में सफल रहीं। उनके बल्ले से 2 शतक और 1 अर्धशतक निकला। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 115 रन रहा।

आर्मी एरिया में आयोजित होने वाले महोत्सव में देशभर के खिलाड़ी और आर्मी के जवान शामिल होंगे

बच्चों को आउटडोर खेलों से जोड़ने जीएफआई का 'भारत गोल्फ महोत्सव' 8 और 9 नवंबर को

जबलपुर। गोल्फ फेडरेशन ऑफ इंडिया (जीएफआई) 8 और 9 नवंबर को एक 'भारत गोल्फ महोत्सव' का भव्य आयोजन करने जा रहा है। गोल्फ फेडरेशन ऑफ इंडिया के जनरल सेक्रेटरी आर्यवीर आर्या ने बताय कि आयोजन का मुख्य उद्देश्य देश में गोल्फ को बढ़ावा देना, बच्चों को आउटडोर खेलों से जोड़ना और लोगों को स्वास्थ्य तथा प्रकृति के प्रति जागरूक करना है। यह दो दिवसीय महोत्सव आर्मी एरिया में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें देश भर के गणमान्य व्यक्ति, गोल्फ खिलाड़ी और वीर जवान शामिल होंगे। गोल्फ महोत्सव में अभिनेता रणदीप हुड्डा भी शामिल होंगे, जो वीर जवानों के साथ न केवल गोल्फ खेलेंगे बल्कि बच्चों के साथ कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस प्रतिष्ठित आयोजन में देश भर के गोल्फ खिलाड़ियों के साथ ही डिप्टी सीएम, प्रदेश के कैबिनेट मंत्री, सांसद और कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति अपेक्षित है।

अभिनेता रणदीप हुड्डा खेलेंगे जवानों के साथ गोल्फ, बच्चों के साथ कार्यक्रम में भी होंगे शामिल

हर्ष फायरिंग के साथ देशभक्ति गीत भी गूंजेंगे

इस कार्यक्रम में देश भक्ति गीतों से समा बांधा जाएगा। कार्यक्रम में हर्ष फायरिंग का भी आयोजन किया जाएगा। साथ ही वीर शहीद जवानों के परिवार को सम्मानित किया जाएगा।8 नवंबर को सुबह 7:30 बजे फ्लैग मार्च होगा। 8 बजे कोरबा ग्राउंड में मोटापे से लड़ने के लिए दौड़ का आयोजन किया जाएगा। साथ ही 9:30 बजे पौधा रोपण किया जाएगा। 9 नवंबर को भारत गोल्फ महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। 9नवंबर को ही 2 बजे कल्चर महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। उसी दिन प्राइस सेरेमनी और सम्मान कार्यकम भी किया जाएगा।

इस तरह होंगे कार्यक्रम

8 नवंबर, मोटापे से दौड़ने के दौड़ का आयोजन, गोल्फ ट्रेनिंग के माध्यम से युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहन, पौधारोपण, स्वास्थ्य और प्रकृति के प्रति जागरूकता को बढ़ाना, छात्रों को गोल्फ ट्रेनिंग। 9 नवंबर, गोल्फ खेल का आयोजन,देश भर के गोल्फ खिलाड़ियों का समागम,कल्चरल प्रोग्राम,भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम, जिसमें लगभग 10,000 लोग शामिल होंगे, शहीदों के परिवार का सम्मान किया जाएगा।

मुख्य उद्देश्य एवं भागीदारी

गोल्फ को बढ़ावा देना: राष्ट्रीय स्तर पर गोल्फ के खेल की लोकप्रियता और पहुंच बढ़ाना।
युवाओं को प्रेरित करना: बच्चों को 'स्क्रीन' की दुनिया से निकालकर खेल के मैदानों तक लाना, लोगों को स्वस्थ जीवन शैली अपनाने और प्रकृति के संरक्षण के प्रति जागरूक करना।

भारतीय वायुसेना 9 नवंबर को लाचित घाट के ऊपर करेगी फ्लाई-पास्ट

ब्रह्मपुत्र नदी के ऊपर गरजेंगे भारत के राफेल, तेजस, मिराज और सुखोई, उड़ेगा बांग्लादेश और पाकिस्तान के षड़यंत्र का गर्दा

ध्वज फॉर्मेशन के बाद स्वदेशी फाइटर जेट की पहली उड़ान होगी | फ्लाई-पास्ट में 75 लड़ाकू विमान हिस्सा लेंगे

एजेंसी ⏭ गुवाहाटी

बांग्लादेश में पाकिस्तान की बढ़ती गतिविधियों के बीच असम में भारतीय वायुसेना का शक्ति-प्रदर्शन होने जा रहा है। रविवार (9 नवंबर) को गुवाहाटी में ब्रह्मपुत्र नदी के लाचित घाट पर वायुसेना का बड़ा फ्लाई-पास्ट होने जा रहा है, जिसमें सुखोई, राफेल, तेजस और मिराज सहित कुल 75 लड़ाकू विमान हिस्सा लेने जा रहे हैं। वायुसेना के मुताबिक, लाचित घाट पर होने जा रहे इस फ्लाई पास्ट के लिए पश्चिम बंगाल सहित उत्तर-पूर्व के सात बड़े एयरबेस पूरी तरह अलर्ट पर रहेंगे।

इन एयरबेस में गुवाहाटी, तेजपुर, हासीमारा और बागडोगरा शामिल हैं, जहां से फाइटर जेट, मिलिट्री ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट और हेलीकॉप्टर उड़ान भरेंगे। वायुसेना के सबसे नए एयरक्राफ्ट, सी-295 (मालवाहक सैन्य विमान) मानस फॉर्मेशन में उड़ान भरेंगे, तो मिराज फाइटर जेट, काजीरंगा फॉर्मेशन में नजर आएंगे।

फाइल फोटो

टीम की रिहर्सल जारी इस साल वायुसेना दिवस (8 अक्टूबर) का आयोजन राजधानी दिल्ली के करीब हिंडन एयरबेस पर किया गया था, लेकिन उस दौरान पारंपरिक फ्लाई पास्ट का आयोजन नहीं किया गया था। हिंडन के बजाए इस फ्लाई पास्ट को गुवाहाटी में आयोजित किया जा रहा है। मुख्य दिवस के लिए गुवाहाटी में वायुसेना के लड़ाकू विमानों और सूर्यकिरण एयरोबेटिक्स टीम ने रिहर्सल शुरू कर दी है। पिछले कुछ महीनों से बांग्लादेश में पाकिस्तानी सेना की गतिविधियां बढ़ गई हैं।

भारत के उत्तर-पूर्व को बांग्लादेश के मैप में दिखाया था

हाल ही में पाकिस्तान के टॉप मिलिट्री कमांडर साहिर शमशाद मिर्जा (चेयरमैन, चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी) ने बांग्लादेश की राजधानी ढाका का दौरा किया था। इस दौरान बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया, मोहम्मद यूनुस ने मिर्जा को एक ऐसी पुस्तक (कॉफी टेबल बुक) भेंट की थी, जिसके कवर पेज पर भारत के उत्तर-पूर्व के राज्यों को बांग्लादेश के मैप में दर्शाया गया था। पाकिस्तानी नौसेना प्रमुख नावेद अशरफ भी शनिवार (8 नवंबर 2025) से बांग्लादेश के दौरे पर हैं। इस दौरान, बांग्लादेशी नौसेना का एक युद्धपोत, 1971 के बाद पहली बार बांग्लादेश का दौरा करने जा रहा है।

अलग-अलग एयरक्राफ्ट हिस्सा लेंगे

गुवाहाटी स्थित रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता, लेफ्टिनेंट कर्नल महेंद्र रावत के मुताबिक, फ्लाई पास्ट के दौरान कुल 25 फॉमर्शेन में अलग-अलग एयरक्राफ्ट हिस्सा लेंगे। उत्तर-पूर्व में पहली बार होने जा रहे वायुसेना के पहले फ्लाई-पास्ट में असम की प्राकृतिक धरोहर और ऐतिहासिक वीरों को खासी तरजीह दी गई है।

अमेरिका के राष्ट्रपति ने फिर अलापा शांतिदूत होने का राग

भारत-पाक संघर्ष में पांच या सात नहीं कुल आठ विमान मार गिराए गएः ट्रंप

⏭ नई दिल्ली

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दुनिया में शांतिदूत होने का खिताब अपने नाम किए बिना नहीं मानेंगे। इस दिशा में उनके प्रयास भी बेधड़क जारी हैं। जिसमें वो अक्सर भारत समेत दुनिया के बाकी हिस्सों में जारी सैन्य संघर्षों को रुकवाने का क्रेडिट लेने से नहीं चूकते हैं। ताजा मामला मियामी में हुए अमेरिका बिजनेस फोरम से जुड़ा हुआ है। जिसे संबोधित करते हुए ट्रंप ने एक बार से दोहराया कि उन्होंने ही भारत-पाकिस्तान समेत विश्व में आठ जगहों पर चल रहे संघर्षों के बीच मध्यस्थता कर शांति स्थापित की है।

7 से 10 मई 2025 तक चले भारत-पाक संघर्ष (ऑपरेशन सिंदूर) को लेकर उन्होंने ये दावा भी किया कि इसमें कुल 8 विमान मार गिराए गए हैं। लेकिन मैं ही था जिसने एक संभावित परमाणु युद्ध को रोका और उसके लिए दोनों देशों के अमेरिका के साथ व्यापार (टैरिफ) पर रोक लगाने यानी भविष्य में उनसे कोई ट्रेड डील न करने की धमकी दी। जिसके बाद ही संघर्षविराम हुआ और असल शांति स्थापित हुई है।

भारत ने ढेर किए पाक के 10 विमान

यहां बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति का ये कोई नया बयान नहीं है। इसके पहले भी वो दर्जनों से भी अधिक बार भारत और पाकिस्तान तनाव के दौरान कभी 5 तो कभी 7 विमानों के मार गिराए जाने की

घोषणा के साथ ही दोनों देशों के बीच संघर्षविराम कराने का श्रेय ले चुके हैं। कुछ समय पहले भारत ने भी इस सैन्य संघर्ष में देश को हुए नुकसान के तथ्य को स्वीकार किया था। लेकिन वायुसेनाप्रमुख एयरचीफ मार्शल ए.पी.सिंह ने यह साफ किया है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने पाकिस्तान के एफ-16, जेएफ-17 समेत कुल करीब 8 से 10 विमानों को मार गिराया था। जिससे सैन्य-सामरिक स्तर पर उसे भारी नुकसान उठाना पड़ा और अंततः वह संघर्षविराम के लिए तैयार हुआ।

यूं किया 8 विमान गिरने का दावा

डोनाल्ड ट्रंप फोरम में कहा कि आप जानते हैं कि मैं भारत और पाकिस्तान के साथ व्यापार समझौते के बीच में था। तभी मुझे एक समाचार पत्र के पहले पेज पर प्रकाशित हुई खबर से पता चला कि दोनों देश युद्ध में जा रहे हैं। 7 विमान मार गिराए गए और आठवां बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हुआ। ऐसे में कुल मार गिराए गए विमानों का आंकड़ा आठ है। उन्होंने कहा, शुरुआत में दोनों देश संघर्षविराम के लिए राजी नहीं थे। लेकिन जब मैंने उन्हें समझाया कि आप दोनों परमाणु ताकत वाले देश हैं और अगर आप दोनों एक-दूसरे से युद्ध करेंगे तो अमेरिका आपमें से किसी के भी साथ कोई व्यापार या ऐसा कोई समझौता नहीं करेगा। नतीजा सबके सामने हैं भारत और पाक के बीच संघर्षविराम हुआ और इलाके में शांति कायम हुई।

पूरी तरह से द्विपक्षीय था संघर्षविराम

अमेरिका के राष्ट्रपति के बयानों की शुरुआत में ही भारत ने संघर्षविराम को लेकर स्थिति पूरी तरह से साफ कर दी थी। जिसमें उसने कहा था कि दोनों देशों के बीच पाकिस्तान की पहल पर किया गया संघर्षविराम पूरी तरह से द्विपक्षीय था। जिसमें अमेरिका या दुनिया के किसी अन्य देश या शीर्ष नेता ने कोई भूमिका नहीं निभाई है। भारत, पाकिस्तान के साथ अपने तमाम मुद्दों को द्विपक्षीय आधार पर हल करने के पक्ष में है। जिसमें किसी अन्य पक्ष की भूमिका की कोई दरकार नहीं है। भारत के इसी पक्ष को बड़ी मजबूती के साथ स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ मौजूदा साल के जून महीने में कनाडा में हुए जी-7 शिखर सम्मेलन से इतर फोन पर हुई बातचीत में भी स्पष्ट किया था।

यूरोपीय देशों ने रूस के खिलाफ मोर्चा खोला हुआ

यूरोप में स्पेन बना भारतीय पेट्रोलियम का नया अड्डा, निर्यात में 46,000% का जबरदस्त उछाल

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

एक तरफ यूरोपीय देशों ने रूस के खिलाफ मोर्चा खोला हुआ है, वहीं दूसरी तरफ रूसी तेल के बिना उनकी ईंधन की जरूरतें भी पूरी नहीं हो पा रही हैं। इसलिए वे दूसरे देशों से रिफाइन किया हुआ तेल मंगाना पड़ रहा है।

इसका बड़ा फायदा भारत को हुआ है। भारत से स्पेन को होने वाले पेट्रोलियम निर्यात में इस साल जबरदस्त उछाल देखने को मिला है। सितंबर 2025 में भारत ने स्पेन को जितना रिफाइंड पेट्रोलियम भेजा, वह पिछले साल की तुलना में लगभग 46,000 प्रतिशत ज्यादा रहा।

और गौर करने वाली बात ये है कि भारत के पास कच्चा तेल रूस से ही आ रहा है। बता दें कि पिछले साल सितंबर में भारत ने स्पेन को सिर्फ 1.1 मिलियन डॉलर का पेट्रोलियम निर्यात किया था, जबकि इस साल सितंबर में यह आंकड़ा 513.7 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया। महीने-दर-महीने की तुलना करें तो बढ़ोतरी 61,000 प्रतिशत से भी ज्यादा है।

रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण यूरोप को रूसी तेल की कमी हो रही है, जिससे भारत को फायदा हुआ है

भारत का स्पेन को कुल निर्यात भी सितंबर में 151 प्रतिशत बढ़ा है

तेल प्रोसेस संयंत्र

रूस से कच्चा तेल ले रहा भारत

यह बदलाव ऐसे समय में आया है जब यूरोपीय संघ ने ऐलान किया है कि जनवरी से वे ऐसे रिफाइंड पेट्रोलियम उत्पादों का आयात पूरी तरह रोक देंगे, जो रूसी कच्चे तेल से बने हैं। भले ही उन्हें किसी तीसरे देश (जैसे भारत) में प्रोसेस किया गया हो। रूस पर युद्ध के चलते अमेरिका और यूरोपीय संघ लगातार नए प्रतिबंध लगा रहे हैं। हाल ही में अमेरिका ने रूस की दो सबसे बड़ी तेल कंपनियों, रोकनेफ्ट और लूकोइल पर अंतरराष्ट्रीय लेन-देन रोक दिया था, जबकि यूरोपीय संघ ने रूसी एलएनजी (लिक्विफाइड नेचुरल गैस) के आयात पर भी 2027 से पूरी तरह रोक लगाने की योजना बनाई है। भारत अभी भी अपनी रिफाइनिंग जरूरतों के लिए काफी हद तक रूसी कच्चे तेल पर निर्भर है। रूस भारत को कुल तेल जरूरतों का लगभग 34 प्रतिशत तेल सप्लाई करता है, जबकि 2022 में यूक्रेन युद्ध से पहले यह हिस्सा केवल 0.2 प्रतिशत था।

भारत और स्पेन के बीच मजबूत आर्थिक और व्यापारिक संबंध

स्पेन यूरोपीय संघ में भारत का छठा सबसे बड़ा व्यापार भागीदार है। वित्तीय वर्ष 2023 में, दोनों देशों के बीच कुल व्यापार लगभग 8.25 बिलियन डॉलर था, जिसमें भारत से स्पेन को निर्यात और स्पेन से भारत को आयात शामिल है।

ईंधन की बढ़ती मांग का फायदा

विशेषज्ञों के मुताबिक, यह बढ़ोतरी इसलिए हुई क्योंकि भारत के रिफाइनर अब दक्षिण यूरोप और इबेरिया क्षेत्र में ईंधन की बढ़ती मांग का फायदा उठा रहे हैं।

सवाल है कि आखिर स्पेन ही क्यों?

दरअसल, पहले भारत से अधिकतम रिफाइंड तेल नीदरलैंड्स को जाता था, जो यूरोप का मुख्य वितरण केंद्र माना जाता है। लेकिन अब वहां पर नियम सख्त हो गए हैं और रूसी तेल से बने ईंधन पर प्रतिबंधों की वजह से भारतीय कंपनियां जोखिम से बचते हुए अपना माल सीधे उन देशों को भेज रही हैं।

अदालती सवालों से बढ़ी उलझन

टैरिफ मामले पर कोर्ट में फंसे ट्रंप, दुनिया को राहत का इंतजार

एजेंसी ⏭ वॉशिंगटन

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के जजों ने बुधवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ की वैधता पर सवाल उठाते हुए इस मामले में संदेह जताया, जिसका असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी पड़ सकता है. यह मामला ट्रंप की पावर का एक बड़ा टेस्ट माना जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट के कंजरवेटिव और लिबरल दोनों ही जजों ने ट्रंप प्रशासन के वकील से यह सवाल किया कि क्या 1977 का आपातकालीन कानून, जो राष्ट्रीय आपात स्थिति के समय के लिए बनाया गया था, ट्रंप को यह अधिकार देता है कि वे इतने बड़े स्तर पर टैरिफ लगा सकें, या उन्होंने कांग्रेस के अधिकार क्षेत्र में दखल दिया है।

हालांकि, कुछ कंजरवेटिव जजों ने यह भी कहा कि राष्ट्रपति को विदेशों से जुड़े मामलों में स्वाभाविक रूप से अधिक अधिकार प्राप्त होते हैं। इससे संकेत मिलता है कि कोर्ट का फैसला इस मामले में तीखे मतभेदों के साथ विभाजित हो सकता है. सुप्रीम कोर्ट में इस समय 6-3 का कंजरवेटिव बहुमत है। मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स ने अमेरिकी सॉलिसिटर जनरल डी. जॉन सॉअर से कहा, 'टैरिफ तो अमेरिकियों पर टैक्स लगाने जैसा है, और टैक्स लगाने का अधिकार हमेशा से कांग्रेस का मुख्य अधिकार रहा है। अमेरिकी संविधान के अनुसार, टैक्स और टैरिफ लगाने का अधिकार कांग्रेस के पास है।

चुनाव प्रचार की शुरुआत में हिंसा

कई जगहों पर हमले और आगजनी बीएनपी उम्मीदवार को मारी गोली

अंतरिम सरकार का दावा-भटकी गोली लगी

एजेंसी ⏭ ढाका

बांग्लादेश में फरवरी 2026 में होने वाले आम चुनावों के लिए प्रचार अभियान की शुरुआत के साथ ही कई जगहों पर हिंसा भड़क उठी है। इस दौरान चिटगांव में विपक्षी पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के उम्मीदवार एरशाद उल्लाह को गोली लगने से घायल हो गए हैं, जबकि कुमिल्ला जिले में उपद्रवियों ने एक अन्य उम्मीदवार के घर में आग लगा दी।

वहीं अंतरिम सरकार ने इन घटनाओं की कड़ी निंदा करते हुए कहा है कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया के दौरान किसी भी प्रकार की हिंसा बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सरकार ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि बीएनपी उम्मीदवार एरशाद उल्लाह इस हमले के मुख्य निशाने पर नहीं थे, बल्कि एक भटकी हुई गोली से घायल हो गए। सरकार ने बयान जारी कर कहा, 'हम इस आपराधिक घटना पर

ढाका की सड़क हुई हिंसा

गहरी चिंता व्यक्त करते हैं और सभी उम्मीदवारों व नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। चिटगांव मेट्रोपॉलिटन पुलिस (सीएमपी) को सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं ताकि अपराधियों को जल्द पकड़ा जा सके।'मुख्य सलाहकार ने सुरक्षा एजेंसियों को आदेश दिया है कि दोषियों को हर हाल में पकड़कर न्याय के दायरे में लाया जाए।

भारत के शीर्ष परोपकारियों ने वर्ष 2025 में कुल 10,380 करोड़ का दान किया

मुकेश अंबानी परिवार ने 626 करोड़ रुपए दान में दिए

शिव नादर फिर बने भारत के सबसे बड़े दानवीर अडाणी-अंबानी-हिंदुजा को भी छोड़ दिया पीछे

एजेंसी ⏭ मुंबई

देश में समाजसेवा और दान की भावना लगातार काफी मजबूत हो रही है। इसका ताजा उदाहरण एचसीएल टेक्नोलॉजीज के फाउंडर शिव नादर और उनका परिवार है। एडेलगिव हुरुन इंडिया परोपकार लिस्ट 2025 के अनुसार, उन्होंने हर दिन करीब 7.4 करोड़ के औसत के बराबर दान दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत के शीर्ष परोपकारियों ने वर्ष 2025 में कुल 10,380 करोड़ का

नादर ने हर दिन 7.4 करोड़ रुपए दान

मुकेश अंबानी,शिव नादर और गौतम

दान किया है। वहीं 68 वर्षीय मुकेश अंबानी और उनका परिवार 626 करोड़ रुपए के योगदान के साथ दूसरे स्थान पर रहे। उनका परोपकार शिक्षा, ग्रामीण परिवर्तन, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण और विरासत संरक्षण तक फैला है। इस लिस्ट में कुल 191 दानवीर शामिल हैं। इस लिस्ट में पहली बार 12 नए चेहरे जगह बनाने में सफल रहे हैं। देश में बीते 3 सालों में दान की राशि में 85 फीसदी की ग्रोथ दर्ज की गई है। जो भारत में परोपकार की बढ़ती संस्कृति को दर्शाती है।

एचसीएल टेक्नोलॉजीज के संस्थापक शिव नादर और उनका परिवार एक बार फिर इस सूची में टॉप स्थान पर रहे। वे पिछले पांच सालों में चौथी बार भारत के सबसे उदार दानवीर' बने हैं। उन्होंने साल 2025 में कुल 2,708 करोड़ का दान दिया है। उनका यह योगदान प्रति दिन 7.4 करोड़ के औसत के बराबर है।

गौतम अडाणी परिवार

गौतम अडाणी और परिवार ने करीब 386 करोड़ रुपये का दिन दिया है। यहां पिछले साल के मुकाबले 17% की वृद्धि है। अडानी फाउंडेशन का उद्देश्य शिक्षा, कौशल विकास, सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यक्रम पर है।

हिंदुजा परिवार

हिंदुजा परिवार 298 करोड़ के दान के साथ 7वें नंबर पर है। हिंदुजा फाउंडेशन का फोकस स्वास्थ्य, शिक्षा और सतत आजीविका पर है।

कुमार मंगलम बिड़ला और परिवार

कुमार मंगलम बिड़ला और परिवार ने 440 करोड़ करोड़ रुपये का दान दिया है। उन्होंने यह दान शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण और खेलों के क्षेत्र में दिया है।

अमेरिका में शटडाउन का हवाई असर:

ट्रम्प की जिद से ठप उड़ानें

- 1 दिन में 700 फ्लाइट्स कैंसिल, 40 एयरपोर्ट्स पर घटाई गई सेवाएं

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिका में जारी सरकारी शटडाउन ने अब हवाई यात्रा व्यवस्था को भी गंभीर रूप से प्रभावित करना शुरू कर दिया है। शटडाउन को 37 दिन पूरे हो चुके हैं और इसका सबसे बड़ा असर देश के हवाई अड्डों पर देखा जा रहा है। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (FAA) ने गुरुवार को घोषणा की कि देश के 40 प्रमुख एयरपोर्ट्स पर उड़ानों की संख्या में कटौती की जाएगी। यह फैसला शुक्रवार सुबह से लागू कर दिया गया है। इस कदम से न केवल अमेरिका के यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है बल्कि एयरलाइंस कंपनियों को भी भारी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है। खास बात यह है कि यह स्थिति ऐसे समय में पैदा हुई है जब थैंक्सगिविंग वीक और छुट्टियों का मौसम शुरू होने वाला है — यानी जब हवाई यात्रा अपने चरम पर होती है।

40 बड़े एयरपोर्ट्स पर असर-

FAA के आदेश के बाद जिन एयरपोर्ट्स पर उड़ानें घटाई गई हैं, उनमें न्यूयॉर्क का जॉन एफ. कैनेडी इंटरनेशनल एयरपोर्ट, ला गार्डिया एयरपोर्ट, वॉशिंगटन डीसी का रॉनल्ड रीगन नेशनल एयरपोर्ट, शिकागो ओ'हेयर, लॉस एंजेलिस इंटरनेशनल एयरपोर्ट और अटलांटा हार्ट्सफील्ड-जैक्सन एयरपोर्ट जैसे बड़े हवाई अड्डे शामिल हैं। ये सभी एयरपोर्ट्स अमेरिका के सबसे व्यस्त हब हैं, जहाँ रोजाना लाखों

यात्री आते-जाते हैं। FAA का कहना है कि यह कदम हवाई सुरक्षा को ध्यान में रखकर उठाया गया है। एजेंसी के अनुसार, एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स (ATCs) और ग्राउंड स्टाफ की भारी कमी हो गई है, क्योंकि शटडाउन की वजह से इन कर्मचारियों को पिछले एक महीने से वेतन नहीं मिला है। कई कर्मचारियों ने अब काम पर आना बंद कर दिया है, जबकि जो ड्यूटी पर हैं, वे अत्यधिक तनाव में काम कर रहे हैं।

700 फ्लाइट्स की रद्दीकरण से अफरातफरी-

रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, गुरुवार और शुक्रवार के बीच 700 से ज्यादा उड़ानें रद्द की जा चुकी हैं। इनमें घरेलू और क्षेत्रीय दोनों तरह की उड़ानें शामिल हैं। हालांकि, FAA ने स्पष्ट किया है कि अंतरराष्ट्रीय उड़ानें अभी इस कटौती के दायरे में नहीं आएंगी, ताकि विदेशी यात्रियों और वैश्विक कनेक्टिविटी पर असर न पड़े। कई प्रमुख एयरलाइंस जैसे अमेरिकन एयरलाइंस, यूनाइटेड, डेल्टा और साउथवेस्ट ने पहले से ही अपने शेड्यूल में बदलाव करना शुरू कर दिया है। यात्रियों को अंतिम समय पर उड़ान रद्द होने या रीशेड्यूल होने की सूचना मिल रही है, जिससे एयरपोर्ट्स पर लंबी लाइनों और अफरातफरी की स्थिति बन गई है।

एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स पर दबाव-

एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स अमेरिका की हवाई सुरक्षा प्रणाली की रीढ़ माने जाते हैं। इनका काम लगातार 8-10 घंटे तक अत्यधिक तनावपूर्ण माहौल में करना होता है, क्योंकि एक छोटी सी गलती भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। शटडाउन के चलते FAA के हजारों कर्मचारी बिना वेतन के काम कर रहे हैं। नेशनल एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स एसोसिएशन (NATCA) के मुताबिक, कई कंट्रोलर्स अब आर्थिक संकट में हैं और कुछ ने मजबूरी में दूसरी नौकरियों की तलाश शुरू कर दी है। एसोसिएशन ने चेतावनी दी है कि अगर स्थिति जल्द नहीं सुधरी, तो हवाई सुरक्षा पर गंभीर खतरा मंडरा सकता है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,